RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 10 अंक 83
नई दिल्ली, शनिवार, 29 जनवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

रोहित की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट सुरक्षित
स्पोर्ट्स-12

भाजपा ने उतारे 91 और उम्मीदवार

● राजा भैया के खिलाफ उतारा प्रत्याशी हृदयनारायण दीक्षित की सीट पर भी अभी संशय

● हैदरगढ़ से बैजनाथ रावत का टिकट कटा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भाजपा ने आज अपने उम्मीदवारों की एक और सूची जारी की है। जिसमे कुल 91 उम्मीदवारों के नाम है। भाजपा की इस सूची में भी लखनऊ के प्रत्याशियों के नाम नहीं है। अभी भी लखनऊ की कई सीट पर पेंच हैं। इसके साथ ही उन्नाव में विधानसभा अध्यक्ष पंडित हृदयनारायण दीक्षित की सीट पर भी अभी संशय है। दीक्षित उन्नाव की भगवंतनगर से विधायक हैं। वह नौवीं से लेकर 12वीं विधानसभा के गठन में लगातार चुनाव जीते, इसके बाद उनको 2017 में सफलता मिली। प्रदेश में अभी भाजपा को सहयोगी दलों को भी कई सीट देनी है।

प्रदेश में भाजपा की कई जिलों में लगभग एक.दो सीटों पर सस्पेंस बना है। इनमें मऊ व आजमगढ़ से लेकर बलिया तक कई सीट हैं। समाजवादी पार्टी के बाद भाजपा ने भी प्रतापगढ़ के कुंडा से निर्दलीय दबंग विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के खिलाफ प्रत्याशी उतार दिया है। सिंधुजा मिश्रा यहां पर राजा भैया को चुनौती देंगी। पूर्व मंत्री अनुपमा जयसवाल को बहराइच के बहराइच सदर से प्रत्याशी बनाया गया है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता शलभ मणि त्रिपाठी को देवरिया की सदर सीट से प्रत्याशी घोषित किया है। सुलतानपुर की कादीपुर सुरक्षित सीट से भाजपा ने पुराने चेहरे को तरजीह दी है। यहां से विधायक राजेश गौतम इस बार भी उम्मीदवार हैं। भाजपा ने बाराबंकी के हैदरगढ़ से विधायक बैजनाथ रावत का टिकट काट दिया है। उनकी जगह पर दिनेश रावत को उतारा है। पार्टी ने बाराबंकी सदर और हैदरगढ़ से नया प्रत्याशी उतारा है। रामनगर से शरद अवस्थी, कुर्सी से साकेन्द्र प्रताप वर्मा, दरियाबाद से सतीश शर्मा, सदर से अरविंद मौर्य, हैदरगढ़ से दिनेश रावत और जैदपुर से अमरीश रावत को प्रत्याशी बनाया है। बहुजन समाज पार्टी तथा समाजवादी पार्टी के गढ़ माने जाने वाले आजमगढ़ में भाजपा ने दस विधानसभा में से नौ पर प्रत्याशी घोषित किए हैं। गोपालपुर से सत्येंद्र राय, आजमगढ़ से अखिलेश मिश्र, निजामाबाद से मनोज यादव, दीदारगंज से कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा, लालगंज से नीलम सोनकर, मेंहनगर से मंजू सरोज। पुराने चेहरों में अखिलेश मिश्र गुड्डू तथा कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा हैं। वर्ष 2017 में मेंहनगर से भाजपा एवं सुभासपा गठबंधन में सुभासपा की प्रत्याशी रहीं मंजू सरोज अब भाजपा का चेहरा हैं। भाजपा ने इकलौती सीट फूलपुर.पवई से अभी किसी को उम्मीदवार नहीं बनाया है। समाजवादी पार्टी ने यहां से भाजपा विधायक अरुणकांत के पिता रमाकांत यादव को टिकट दिया है। नीलम सोनकर पहली बार विधायक बनने के लिए चुनाव लड़ेंगी। वह लालगंज सुरक्षित सीट से वर्ष 2014 में भाजपा से सांसद चुनी गईं थीं। वर्तमान में भाजपा संगठन में प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। योगी सरकार में मंत्री सुरेश पासी को सुलतानपुर के जगदीशपुर राजेंद्र प्रताप सिंह मोती को प्रतापगढ़ से पट्टी सिद्धार्थ नाथ सिंह को प्रयागराज के इलाहाबाद पश्चिम से नंद गोपाल नंदी को, प्रयागराज के इलाहाबाद दक्षिण रमापति शास्त्री को, गोंडा के मनकापुर से जय प्रताप सिंह को, सिद्धार्थनगर के बांसी से सतीश द्विवेदी को, सिद्धार्थनगर के इटवा से जयप्रकाश निषाद को, देवरिया के रुद्रपुर से सूर्य प्रताप शाही को, देवरिया के पथरदेवा से उपेंद्र तिवारी को बलिया के फेफना से उम्मीदवार बनाया गया है।

इसके अलावा बिसवां से निर्मल वर्मा तिलोई से मयंकेश्वर सिंह सलोन से अशोक कोरी सरेनी से धीरेन्द्र बहादुर सिंह जगदीशपुर से सुरेश कुमार पासी कादीपुर से राजेश गौतन भोगनीपुर से राजेश सचान तिंदवारी से रमाकेश निषाद रामपुर खास से नागेश प्रताप सिंह छोटे सरकार् बाबागंज से केशव पासी कुंडा से सिंधुजा मिश्रा पट्टी से राजेन्द्र प्रताप सिंह 'मोती' मंझनपुर से लाल बहादुर फाफामऊ से गुरु प्रसाद मौर्य फूलपुर से प्रवीण कुमार पटेल मेजा से नीलम करवरिया इलाहाबाद पश्चिम से सिद्धार्थनाथ सिंह इलाहाबाद दक्षिण से नंद कुमार गुप्ता 'नंदी' कोरांव से आरती कोल कुर्सी से साकेन्द्र प्रताप वर्मा रामनगर से शरद कुमार अवस्थी बाराबंकी से अरविंद मौर्य जैदपुर से अमरीश रावत दरियाबाद से सतीश चंद्र शर्मा (शेष पेज 9)

किसानों के खिलाफ कानून लागू नहीं होने देंगे

भाषा। मुजफ्फरनगर (उप्र)

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि सपा-रालोद गठबंधन उत्तर प्रदेश में किसानों के खिलाफ कोई गलत कानून लागू नहीं होने देगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा)-रालोद के सरकार में आने पर 300 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी और सिंचाई शुल्क भी माफ होगा। सपा प्रमुख ने कहा कि उनके गठबंधन की सरकार के आने पर किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद के लिए सरकार की तरफ से जो (शेष पेज 9)

बिना कारण रोका गया मेरा हेलीकॉप्टर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया कि बिना कोई कारण बताए उनके हेलीकॉप्टर को दिल्ली में रोककर रखा गया है जिससे वह चुनाव संबंधी कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए मुजफ्फरनगर नहीं जा पाने के कारण दिल्ली में फंसे हैं। अखिलेश ने शुक्रवार को ट्वीट किया मेरे हेलीकॉप्टर को अभी भी बिना किसी कारण बताए दिल्ली में रोककर रखा गया है और मुजफ्फरनगर नहीं जाने दिया जा रहा है। जबकि भाजपा के एक शीर्ष नेता ने अभी यहाँ से उड़ान भरी है। सपा प्रमुख ने कहा, हारती हुई भाजपा की ए हताशा भरी साजिश है। उल्लेखनीय है कि अखिलेश यादव का राष्ट्रीय लोकदल के प्रमुख जयंत चौधरी के साथ मुजफ्फरनगर में साझा संवाददाता सम्मेलन करने और कुछ अन्य कार्यक्रमों में शामिल होने का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

रक्षा निर्यात में भारत का प्रवेश फिलीपींस के साथ पहला सौदा

● 375 मिलियन डॉलर मूल्य का दिया सुपर सोनिक क्रूज ब्रह्मोस मिसाइल

राहुल दत्ता। नई दिल्ली

भारत शुक्रवार को फिलीपींस के साथ 375 मिलियन डॉलर से अधिक का सुपर सोनिक क्रूज ब्रह्मोस मिसाइल का सौदा करके रक्षा निर्यात बाजार में प्रवेश किया है। यह भारत का पहला बड़ा निर्यात अनुबंध है। देश को 2025 तक रक्षा निर्यात में पांच अरब डॉलर का आंकड़ा पार करने की उम्मीद है। पायनियर ने 14 जनवरी को मिसाइल प्रणाली के लिए भारत और फिलीपींस सरकार के बीच सौदे की जानकारी दी थी।

ब्रह्मोस भारत और रूस के बीच एक संयुक्त उद्यम है, जिसे मिसाइल को स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित किया गया है। मिसाइल को जमीन, हवा, समुद्र और पनडुब्बियों से लॉन्च किया जा सकता है। सौदे की घोषणा करते हुए रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड (बीएपीएल) ने तट आधारित एंटी-शिप मिसाइल सिस्टम की आपूर्ति के लिए फिलीपींस गणराज्य के राष्ट्रीय रक्षा विभाग के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। यह अनुबंध जिम्मेदार रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने की भारत की नीति के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। हालांकि, सरकार ने फिलीपींस नौसेना को दी जाने वाली मिसाइलों की संख्या के बारे में जानकारी नहीं दी है। सूत्रों ने कहा कि कम से कम तीन बैटरी बेची जाएंगी। हस्ताक्षर की प्रक्रिया मनीला में संपन्न हुई। उन्होंने बता कि निर्यात की गई मिसाइल की रेंज लगभग 300 किमी है, जिसमें 200 किलो युद्धक समाग्री ले जाने की क्षमता (शेष पेज 9)

महाराष्ट्र के 12 भाजपा विधायकों का निलंबन असंवैधानिकः सुप्रीम कोर्ट

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि सदन या विधानसभा के किसी सदस्य को चालू सत्र की शेष अवधि से ज्यादा के लिए निलंबित करने से कुल मिलाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित होगी क्योंकि इससे मामूली बहुमत वाली या गठबंधन सरकार को अलोकतांत्रिक तरीके से विपक्षी दलों की संख्या में हेरफेर का अवसर मिल सकता है।

कथित तौर पर पीठासीन अधिकारी से दुर्व्यवहार के कारण महाराष्ट्र विधानसभा से एक साल के लिए निलंबित किए गए 12 भाजपा विधायकों की याचिकाओं पर अपने फैसले में न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर, न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी और न्यायमूर्ति सी टी रविकुमार की तीन सदस्ईय पीठ ने कहा कि एक साल के लिए निलंबन निष्कासन, अयोग्यता या इस्तीफे से बद्तर है। पीठ ने कहा, हमें इन रिट याचिकाओं को स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं है और जुलाई 2021 में हुए संबंधित मानसून सत्र की शेष अवधि के बाद तक के लिए इन सदस्यों को निलंबित करने वाला प्रस्ताव कानून की नजर में असंवैधानिक, काफी हद तक अवैध और तर्कहीन है। पीठ ने कहा कि अतः, इस प्रस्ताव को कानून में निष्प्रभावी घोषित किया जाता है, क्योंकि यह उस सत्र की अवधि के बाद तक के लिए था, जिसमें यह प्रस्ताव पारित हुआ था। शीर्ष अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता जुलाई 2021 में शेष सत्र की अवधि समाप्त होने पर और उसके बाद विधानसभा के सदस्य होने के सभी लाभों को पाने के हकदार हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि चालू सत्र की शेष अवधि से अधिक के लिए निलंबन के कारण संबंधित सदस्य की अनावश्यक गैरमौजूदगी बुनियादी लोकतांत्रिक मूल्यों का उल्लंघन होगी और इससे भी महत्वपूर्ण यह कि विधानसभा में निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व नहीं किया जाएगा।

अपने 90 पन्नों के फैसले में पीठ ने कहा, यह निष्कर्ष के लिए पर्याप्त है कि एक साल का निलंबन निष्कासन, अयोग्यता या इस्तीफा से भी बद्तर है- जहां तक सदनाविधानसभा के समक्ष प्रतिनिधित्व करने वाले निर्वाचन क्षेत्र के अधिकार का संबंध है। पीठ ने कहा कि विधायिका में अपने सदस्यों को चालू सत्र की अवधि से परे निलंबित करने की शक्ति देने वाले किसी भी स्पष्ट प्रावधान के अभाव में, विधायिका की अंतर्निहित शक्ति को केवल आवश्यक सीमा तक और प्रासंगिक समय पर सदन के कार्यों के उचित अनुपालन के लिए ही लागू किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र विधानसभा नियमों के नियम 53 का उल्लेख किया, जो सदस्य के निष्कासन का आदेश देने (शेष पेज 9)

भय्यूजी की मौत के मामले में तीन सेवादारों को सजा

भाषा। इंदौर (मप्र)

आध्यात्मिक गुरु भय्यू महाराज को ब्लैकमेल कर उन्हें आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में जिला अदालत ने 28 वर्षीय महिला समेत तीन सेवादारों को शुक्रवार को छह-छह साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धर्मेंद्र सोनी ने आध्यात्मिक गुरु की आत्महत्या के हाई-प्रोफाइल मामले में उनके तीन सेवादारों-पलक पौराणिक (28), विनायक दुधाड़े (45) और शरद देशमुख (37) को भारतीय दंड विधान की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश), धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) और धारा 384 (जबरन वसूली) के तहत दोषी करार देते हुए यह सजा सुनाई।

अदालत ने 56 पन्नों के फैसले में कहा कि पुलिस की जांच और अभियोजन के गवाहों के बयानों से साबित हुआ है कि पौराणिक, दुधाड़े और देशमुख ने षड्यंत्र किया था और वे भय्यू महाराज पर पौराणिक से विवाह का बार-बार दबाव बनाकर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे तथा उन्हें धमकाकर उनसे धन की मांग भी कर रहे थे। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने कहा कि पौराणिक, भय्यू महाराज की सेवादार मात्र थी अर्थात उनके संबंध क्रमशः नौकर और मालिक के थे। फिर भी पौराणिक का भय्यू महाराज की अलमारी में उनके कपड़ों के साथ अपने कपड़े रखना, उनका कमरा साझा करना, गाड़ी में उनके बगल में बैठना, उन्हें (अन्य महिला के साथ) विवाह करने से रोकना तथा स्वयं उनसे शादी की इच्छा रखना दर्शाता है कि पौराणिक, भय्यू महाराज की इच्छा को कहीं न कहीं अधिशासित (शेष पेज 9)

पंजाब में 15 सीटों पर विद्रोह का सामना कर रही है कांग्रेस

● टिकट बंटवारे से नाराज कुछ नेताओं ने खोला मोर्चा तो कुछ टिकट समीक्षा की उम्मीद में अभी शांत

मोनिका मलिक। चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस में टिकट बंटवारे को लेकर बगावत के सुर बुलंद हो गए हैं। पार्टी को अब तक घोषित कुल 109 सीटों में से कम से कम 15 पर विद्रोह का सामना करना पड़ रहा है। इससे पार्टी आलाकमान को कम से कम पांच सीटों पर अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ा। पार्टी से टिकट नहीं मिलने पर नेताओं में भारी नाराजगी है। इनमें से कई नेताओं ने तो निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है और वे पार्टी प्रत्याशी के सामने ही ताल ठोक रहे हैं।

वास्तव में, इसके तीन मौजूदा विधायक - राणा गुरमीत सिंह सोढ़ी (गुरु हर सहाय), फतेहजंग सिंह बाजवा (कादियान), और डॉ हरजोत कमल (मोगा), पहले ही पार्टी से अलग हो चुके हैं। पूर्व सांसद मोहिंदर सिंह केपी, पूर्व मंत्री जगमोहन सिंह कांग, समराला से चार बार कांग्रेस विधायक रहे अमरीक सिंह ढिल्लों, सुनाम हलका प्रभारी दमन थिंड बाजवा, गायक से नेता बने सतविंदर बिट्टी, मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के छोटे भाई डॉ मनोहर सिंह, कैबिनेट मंत्री राणा गुरजीत सिंह के बेटे राणा इंदर प्रताप सिंह सहित अन्य नेता बागियों में प्रमुख नाम हैं। समराला से कांग्रेस के चार बार के विधायक अमरीक सिंह ढिल्लों द्वारा निर्दलीय के रूप में अपना नामांकन दाखिल करने के एक दिन बाद, चन्नी के भाई डॉ मनोहर सिंह ने शुक्रवार को बस्सी पठाना विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार और मौजूदा विधायक गुरप्रीत सिंह जीपी के खिलाफ निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया। खरड़ सिविल अस्पताल में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद से इस्तीफा देने वाले डॉ मनोहर बस्सी पठाना से कांग्रेस के टिकट पर दावेदारी कर रहे थे। टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने कहा कि बस्सी पठाना क्षेत्र के कई प्रमुख लोगों ने मुझे एक निर्दलीय के रूप में लड़ने के लिए कहा है और उन्होंने जो कहा है, मैं उस पर चलूंगा।

वापस कदम खींचने का सवाल ही नहीं है। खरड़ के पूर्व विधायक कांग ने भी पार्टी के खिलाफ विद्रोह कर दिया है। कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने ऐलान कर दिया कि उनके बेटे यदेविंदर सिंह बनी कांग खरड़ से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे। उनके सामने कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर विजय शर्मा टिंकी होंगे। एक दिन पहले कांग ने भी पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर टिकट पर पुनर्विचार करने की मांग की थी। असंतुष्ट मोहिंदर सिंह (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	57,200	↓	76	
निफ्टी	17,101	↓	08	
सोना	47,777	↓	423	/10g
चांदी	61,652	↓	1105	/kg

क्विक न्यूज

डॉ. वी अनंत नागेश्वरन नए मुख्य आर्थिक सलाहकार बने

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को अर्थशास्त्री वी अनंत नागेश्वरन को मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) नियुक्त किया। क्रेडिट सुइस ग्रुप एजी और जूलियस बेयर ग्रुप के साथ काम कर चुके और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े नागेश्वरन अब के वी सुब्रमण्यम का स्थान लेंगे, जिन्होंने अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद दिसंबर 2021 में सीईए का पद छोड़ दिया था। एक सरकारी बयान में कहा गया कि नागेश्वरन ने शुक्रवार को सीईए का पद संभाल भी लिया।

पूर्व मुख्यमंत्री एदियुरप्पा की नातिन ने की आत्महत्या

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा की नातिन डॉ सौंदर्या वी वाई ने शुक्रवार सुबह वसंत नगर में अपने फ्लैट में पंखे से फंदा लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक एक निजी अस्पताल में कार्यरत डॉक्टर सौंदर्या (30) ने यह कदम क्यों उठाया, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एदियुरप्पा की दूसरी बेटी पद्मावती की पुत्री सौंदर्या की शादी उसी अस्पताल में काम करने वाले डॉक्टर नीरज एस से 2018 में हुई थी। शुक्रवार की सुबह करीब आठ बजे नीरज ड्यूटी पर निकल गए थे और आशंका जताई जा रही है कि दो घंटे बाद सौंदर्या ने आत्महत्या कर ली। घटना का पता तब चला जब घरेलू सहायिका ने कमरे का दरवाजा बार बार खटखटाया, लेकिन कोई आवाज नहीं आई। घरेलू सहायिका ने डॉ नीरज को सूचित किया। नीरज ने भी सौंदर्या को फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद जब दरवाजे को तोड़ा गया तो सौंदर्या फंदे से लटकी मिलीं। बाद में शव को बोरिंग अस्पताल ले जाया गया, जहां पोस्टमार्टम किया गया। भाजपा सूत्रों ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, कुछ मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को सांत्वना देने पहुंचे।

स्कूल खोलने पर विचार, शीघ्र जारी होंगे दिशा-निर्देश

● स्वास्थ्य मंत्रालय कोविड नियमों के पालन के साथ स्कूल खोलने के सभी विकल्पों पर कर रहा विचार

● रेस्तरां, बार और शॉपिंग मॉल खोलना और स्कूल बंद करने का कोई मतलब नहीं: विश्व बैंक के वैश्विक शिक्षा निदेशक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विभिन्न हलकों, विशेष रूप से अभिभावकों की मांग को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय कोविड के उपयुक्त मानदंडों के साथ स्कूल खोलने के विकल्पों पर विचार कर रहा है। जल्द ही इस संबंध में राज्यों को एडवायजरी जारी की जा सकती है। मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि कोविड मामलों की संख्या कम होने के साथ ही शिक्षा सुविधाओं को फिर से खोलने के लिए माता-पिता और स्कूलों की ओर से सरकार पर दबाव बढ़ गया है। इसी के मद्देनजर सरकार स्कूलों को खोलने के लिए कुछ मॉडल पर काम कर रही है।

मंत्रालय ने पहले ही अपनी विशेषज्ञ टीम से स्कूल खोलने के सभी विकल्पों पर गौर करने को कह दिया है। कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने पहले ही कक्षा 10 से 12 के लिए स्कूलों को इस शर्त के साथ दोबारा खोलने की घोषणा की है कि 15 से 18 वर्ष के बीच के छात्र ऑफलाइन कक्षाओं में तभी भाग ले सकते हैं, जब उन्हें कम से कम एक टीका लगा हो। सभी कर्मचारियों और 18 वर्ष से ऊपर के छात्रों को दोनों टीके लगे होने चाहिए। यूनिसेफ और विश्व बैंक जैसी विभिन्न वैश्विक एजेंसियों ने भी सरकारों से इस दिशा में कदम उठाने का आह्वान किया है। यूनिसेफ के कार्यकारी निदेशक हेनरीटा फोर ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि चूंकि कोविड-19 का ओमीक्रोन वैरिएंट दुनिया भर में फैल रहा है, हम सरकारों से बच्चों की शिक्षा को और बाधित करने से रोकने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार सब कुछ करने का आग्रह करते हैं। अनुमानित 616 मिलियन बच्चे वर्तमान में पूर्ण या आंशिक स्कूल बंद होने से प्रभावित हैं। हम जानते हैं कि शमन उपायों से स्कूलों को खुला रखने में मदद मिलती है। हम यह भी जानते हैं कि डिजिटल कनेक्टिविटी में निवेश से हमें यह सुनिश्चित करने में मदद मिल सकती है कि कोई बच्चा पीछे न छूटे। फोर ने कहा कि हर बच्चे को दोबारा स्कूल जाने में सक्षम बनाने के लिए साहसिक कदम उठाने होंगे। इसमें प्रत्येक समुदाय में हाशिए के बच्चों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। विश्व बैंक के वैश्विक शिक्षा निदेशक जैमे सावेंद्र ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर स्कूलों को बंद रखना उचित नहीं है। महामारी जैसे हालात में स्कूल बंद करना अंतिम उपाय होना चाहिए। सावेदरा ने वाशिंगटन से एक साक्षात्कार में कहा कि स्कूल खोलने और कोरोना वायरस के (शेष पेज 9)

कोरोना के नए वैरिएंट न्योकोव पर और अध्ययन की जरूरत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चीनी शोधकर्ताओं ने कहा कि उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में चमगादड़ों के बीच नए प्रकार के कोरोना वायरस न्योकोव का पता लगाया है, जो सार्स-कोव-2 की तरह ही मानव कोशिकाओं में प्रवेश कर सकता है। डब्ल्यूएचओ ने शुक्रवार को कहा कि इसकी क्षमता और अधिक स्पष्टता की आवश्यकता है। चीनी शोधकर्ताओं ने मृत्यु दर के बारे में कहा कि प्रत्येक तीन संक्रमित व्यक्तियों में से एक की मृत्यु हो जाती है जो इसके उच्च मृत्यु दर को उजागर करती है। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक न्योकोव वायरस नया नहीं है। यह एमईआरएस-कोव वायरस से संबद्ध, 2012 और 2015 में मध्य पूर्वी देशों में आपदा में खोजा गया था। यह सार्स-कोव-2 के समान है, जो मनुष्यों में कोरोनावायरस का कारण बनता है। इसमें उत्परिवर्तित करने की गुप्त क्षमता होती है। शोधकर्ताओं ने प्रीप्रिंट वेबसाइट बायोरेक्सिव पर पोस्ट किए गए एक पेपर में कहा कि यह मनुष्यों के लिए खतरनाक बनने से यह केवल एक उत्परिवर्तन दूर है और अभी तक इसका पीयर-रिव्यू नहीं किया गया है। हालांकि, डब्ल्यूएचओ के (शेष पेज 9)

किसी ने नहीं लिया नाम वापस, 39 प्रत्याशी डटे

दादरी में 14 प्रत्याशी, नोएडा में 13 और जेवर सीट से 12 उम्मीदवार मैदान में आजमा रहे किस्मत

● गौतमबुद्ध नगर की तीनों सीटों पर 10 फरवरी को मतदान होगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नोएडा। विधानसभा चुनाव के लिए जनपद की नोएडा, दादरी और जेवर सीट के लिए गुरुवार को नाम वापसी का अंतिम दिन था।

किसी भी प्रत्याशी ने नाम वापस नहीं लिया है। अब तीनों सीटों पर 39 उम्मीदवार मैदान में हैं। सबसे अधिक दादरी विधानसभा क्षेत्र में 14 प्रत्याशी, नोएडा में 13 और जेवर सीट से 12 उम्मीदवार मैदान में हैं। अब गौतमबुद्ध नगर की तीनों सीटों पर 10 फरवरी को मतदान होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी सुहास एलवाई ने बताया कि जनपद में 39 उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। सबसे अधिक दादरी विधानसभा क्षेत्र से 14 उम्मीदवारों ने चुनाव मैदान में हैं। नोएडा से 13 और जेवर विस क्षेत्र से 12 उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। चुनाव की सारी तैयारी पूरी हैं। चुनाव आयोग की गाइडलाइन के अनुसार सारी प्रक्रिया संपन्न कराई जा रही है। गौतमबुद्ध नगर में पहले चरण में मतदान होना है।

नामांकन प्रक्रिया संपन्न हो गई। 27 जनवरी को नाम वापसी का अंतिम दिन था। जनपद की नोएडा, दादरी और जेवर सीट से किसी भी प्रत्याशी ने नाम वापस नहीं लिया है।

शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान कराने के लिए अधिकारियों की तैनाती की गई है। 125 सेक्टर मजिस्ट्रेट पूरी चुनाव प्रक्रिया पर निगरानी रख रहे हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी सुशांत गोयल ने किया जनसंपर्क

गाजियाबाद। शहर सीट से कांग्रेस प्रत्याशी सुशांत गोयल का जनसंपर्क जारी है। सुशांत गोयल बुजुर्गों महिलाओं का आशीर्वाद लेकर चुनावी अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रतिमा का माल्यार्पण करते हुए उन्हें नमन किया।

केके शुक्ला ने मांगे वोट

गाजियाबाद। विधानसभा 56 गाजियाबाद से बसपा प्रत्याशी पंडित केके शुक्ला ने शुक्रवार को बहरामपुर में आयोजित पदयात्रा में शामिल हुए और अपने लिए वोट मांगे। उन्होंने दावा किया कि उन्हें जाति, धर्म के लोगों का समर्थन मिल रहा है। उनकी जीत निश्चित है और विकास कार्य करेंगे।

गाजियाबाद शहर मेरा परिवारः अतुल गर्ग

गाजियाबाद। गाजियाबाद शहर सीट से भाजपा के प्रत्याशी अतुल गर्ग ने शुक्रवार को विभिन्न स्थानों पर जाकर लोगों से जनसंपर्क किया। लाइनपार क्षेत्र में उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पांच साल के दौरान जितने विकास कार्य कराए गए हैं उतने पूर्व की सरकारों में नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि लाइनपार क्षेत्र में बिजली की निर्बाध आपूर्ति के लिए प्रताप विहार में 250 केवीए के विद्युत सबस्टेशन का कार्य पूर्ण कराया गया।

रालोद-सपा प्रत्याशी को व्यापारियों का समर्थन

गाजियाबाद। मुरादनगर विधानसभा से रालोद-सपा गठबंधन के प्रत्याशी सुरेंद्र कुमार मुन्नी को व्यापारियों ने समर्थन कर विधायक बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर मंच का संचालन सपा व्यापार सभा के विधानसभा अध्यक्ष आकाश अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर पंडित सुरेंद्र कुमार मुन्नी को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। जिलाध्यक्ष प्रेमचंद गुप्ता, कार्यक्रम अध्यक्ष अभिषेक गर्ग, हिमांशु अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

बाइक बोट घोटाले में कंपनी असिस्टेंट डायरेक्टर गिरफ्तार

● सेना से रिटायर होने के बाद 300 लोगों को लगाया करोड़ों का चूना

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

बाइक बोट घोटाले में मेरठ एसटीएफ ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। मेरठ एसटीएफने 50 हजार रुपए के इनामी लोकेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है।

लोकेंद्र सिंह को मथुरा स्थित गोवर्द्धन चौराहे से गिरफ्तार किया है। कुछ समय पहले ही लोकेंद्र सिंह के घर को ईओडब्ल्यू ने कुर्क किया था, जो बुलंदशहर में स्थित है। लोकेंद्र सिंह बाइक बोट कंपनी में असिस्टेंट डायरेक्टर के पद पर कार्यरत था। लोकेंद्र सिंह पहले सेना में था, लेकिन रिटायर होने के बाद वो बाइक बोट में आ गया और लोगों के साथ ठगी करने लगा। लोकेंद्र सिंह के खिलाफ विभिन्न थानों में 105 मुकदमे दर्ज किए गए हैं।

लोकेंद्र सिंह बाइक बोट घोटाले में अभी तक सैकड़ों लोगों के साथ करोड़ों की ठगी कर चुका है। बाइक बोट मामले का खुलासा होने के बाद से ही लोकेंद्र सिंह फरार चल रहा था। जिसके बाद उस पर पुलिस ने 50 हजार रुपए का इनाम घोषित कर दिया था। एक सूचना के आधार पर एसटीएफ ने गुरुवार को मथुरा से लोकेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है।

यह थी बाइक बोट स्कीम

साल 2010 में संजय भाटी ने कंपनी की शुरुआत की थी और 2018 में यह बाइक बोट स्कीम लॉन्च की थी। स्कीम के तहत बाइक टैक्सी शुरू की गई। इसके तहत एक व्यक्ति से एक मुश्त 62.100 रुपए का निवेश कराया गया था। उसके एवज में एक साल तक प्रतिमाह 9.765 रुपये देने का वादा किया गया था। निवेश करने वालों का आरोप है कि उन्हें पैसे नहीं दिए गए। बाद में संचालक फरार हुआ तो लोगों ने मुकदमे दर्ज कराने शुरू किए थे। इस मामले में अब तक मुख्य आरोपी संजय भाटी और बीएन तिवारी समेत कुल 26 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था, जिसमें दो आरोपी मोंटी भसीन और दिनेश पांडेय को जमानत मिल चुकी है।

लोकेंद्र सिंह बुलंदशहर का रहने वाला है। जांच में पता चला है कि आरोपी लोकेंद्र सिंह ने सेना से रिटायर होने के बाद बुलंदशहर और हापुड़ की करीब 300 लोगों के साथ करोड़ों रुपए की ठगी की है।

तीन करोड़ रुपये के विवाद में पिता को मौत के घाट उतारने वाला बेटा गिरफ्तार

● मां की शिकायत पर हुई कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र में 2 दिन पहले एक बेटे ने अपने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है।

यह मुकदमा आरोपी की मां ने ही दर्ज करवाया था। जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी बेटे की तलाश की और जांच करते हुए आरोपी बेटे को गिरफ्तार किया है। ग्रेटर नोएडा के डीसीपी अमित कुमार ने बताया कि 2 दिन पहले चिटहेरा से पल्ला रास्ते पर पल्ला गांव के रहने वाले 55 वर्षीय विपतराम अपनी स्कूटी पर सवार होकर जा रहे थे।

उसी दौरान एक व्यक्ति ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। इस मामले में पुलिस ने जांच पड़ताल की। जांच पड़ताल के दौरान मृतक की पत्नी ने मुकदमा दर्ज करवाते हुए बताया कि उनके बड़े बेटे लोकेश ने अपने पिता विपतराम की गोली मारकर हत्या की है। पुलिस ने मृतक विपतराम की पत्नी की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जांच के दौरान पुलिस ने वारदात के 2 दिनों बाद आरोपी बेटे लोकेश को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में यह बात सामने आई है कि विपतराम को 2013 में करीब 3 करोड़ से अधिक का मुआवजा मिला था और विपतराम के पास कुछ अन्य प्लॉट भी थे, जिसको लेकर उनका बेटा लोकेश अपने पिता से लड़ाई झगड़ा करता है। जांच में पता चला है कि पहले भी लोकेश अपने पिता विपतराम से विवाद कर चुका है। जिसको लेकर यह वारदात हुई है।

ड्यूटी के दौरान महिला की मौत, फैक्ट्री मालिक पर मुकदमा दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के सेक्टर-58 थाना क्षेत्र में स्थित एक कंपनी में महिलाकर्मी की काम के दौरान संदिग्ध परस्थितियों में मौत हो गई।

महिला के परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर फैक्ट्री के बाहर शव रखकर विरोध प्रदर्शन किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझाकर शांत किया।

फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ लापरवाही से मौत का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि सेक्टर-58 थाना क्षेत्र में स्थित सुपरहाउस नामक कंपनी में कार्यरत मीरा देवी की काम के दौरान खून की उल्टी हुई।

गंभीर हालत में मीरा को उपचार के लिए दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि महिला के परिजन ने उसके शव को लेकर कंपनी पहुंचे और वहां पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। मौके पर पहुंचे पुलिस के अधिकारियों ने उन्हें समझा-बुझाकर घर भेजा।

उनकी शिकायत पर फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफमुकदमा दर्ज किया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छह बिल्डरों पर लगा एक करोड़ का जुर्माना

● पैसा लेकर अभी तक नहीं दिया फ्लैट

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फ्लैट खरीदारों को परेशान करने पर यूपी रेरा ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा के 6 बिल्डरों पर एक करोड़ से भी अधिक का जुर्माना लगाया है। यूपी रेरा का आदेश है कि इन 6 बिल्डर को एक महीने के अंदर अपना जुर्माना जमा करना होगा।

ऐसा नहीं करने पर इन बिल्डरों के खिलाफ आरसी जारी करके वसूली की जाएगी। यूपी रेरा की तरफ से आदेश दिया गया है कि आगामी 15 दिनों के भीतर आदेश का पालन करना होगा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में हजारों खरीदार परेशान हैं। हजारों खरीदा अभी तक अपना आशियाना नहीं बसा पाए हैं। बिल्डर ने फ्लैट खरीदारों से पैसे तो ले लिए, लेकिन उनको अपना घर नहीं दिया है। ऐसे में फ्लैट खरीदा यूपी रेरा के चक्कर काट रहे हैं।

6 बिल्डरों पर यूपी रेरा ने एक करोड़ से अधिक का जुर्माना लगाया है। जुर्माना राशि जमा न करने पर इन बिल्डरों के खिलाफ आरसी जारी की जाएगी, जिसके आधार पर वसूली होगी। यूपी रेरा ने 82वीं बैठक में 6 बिल्डरों के खिलाफ 1.08 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाने की कार्रवाई की गई। यूपी रेरा के सचिव राजेश कुमार त्यागी ने बताया कि 15 दिन के अंदर बिल्डरों को आदेशों का पालन करना होगा और उसकी रिपोर्ट देनी होगी। साथ ही जुर्माने की धनराशि एक माह के अंदर जमा करानी होगा। अगर जुर्माना जमा नहीं कराया तो फिर बिल्डरों के खिलाफ रिकवरी सर्टिफि केट यानी कि आरसी जारी किया जाएगा। संबंधित जिला प्रशासन उस पर वसूली करेगा।

1. अल्फा कॉर्प 8.75 लाख रुपए
2. अंसल अर्बन 3.09 लाख रुपए
3. सुपरटेक लिमिटेड 6.37 लाख
4. गार्डेनिया इंडिया 35.41 लाख
5. रियलकॉन 27.08 लाख रुपए
6. आरसिटी 19.33 लाख रुपए

गर्मियों में नहीं होगी बिजली की किल्लत

● 22 करोड़ रुपए से हो कार्य जल्द होंगे पूरे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गर्मियों में बिजली की समस्या जल्द ही समाप्त होने वाली है। बिजली की आपूर्ति की समस्या को सुधारने के लिए 22 करोड़ रुपए की लागत से हो रहा कार्य जल्द समाप्त हो जाएगा।

कार्य अपने अंतिम दौर में चल रहा है। लगभग सभी कार्य को पूरा कर लिया गया है। बाकी के बचे हुए कार्य को 4 दिन के अंदर पूरा कर लिया जाएगा। कार्य की खामियों को देखने के लिए फरवरी के पहले सप्ताह में बिजली लाइनों की समीक्षा की जाएगी। यदि दोबारा कोई कमी पाई गई तो उसको ठीक कराया जाएगा। इसी महीने जनवरी में कार्य पूरा हो जाएगा। पिछले साल सितंबर 2021 में विघुत निगम के अधिकारियों ने गर्मी के महीने में निर्बध बिजली आपूर्ति के लिए 10 ठेकेदारों को टेंडर जारी किए थे।

यह टेंडर 22 करोड रुपए के थे। ठेकेदारों द्वारा इस कार्यो को दिसंबर 2021 में पूरा किया जाना था, लेकिन कोरोना और अन्य कारणों के वजह से कार्य तय समय पर पूरा नहीं हो सका। जिसके बाद कार्य की समय सीमा बढ़ाकर 31 जनवरी 2022 कर दी गई। कार्य के पूरा हो जाने के बाद बिजली की आपूर्ति की समस्याएं समाप्त हो जाएगी।

इससे लोगों को भी गर्मियों में काफी राहत मिलेगी। गर्मियों के समय बिजली सप्लाई में काफ ी दिक्कतें आती हैं। ऐसे में यह कार्य लोगों के लिए काफ ी लाभदायक होगा। कार्य के पूरा होने के बाद बिजली लाइनों की समीक्षा की जाएगी। यदि कोई कमी पाई जाती है, तो उसको ठीक कराया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मादक पदार्थ के साथ तस्कर पुलिस गिरफ्त में ।

बिसरख पुलिस ने तीन गांजा तस्कर को पकड़ा

नोएडा। उत्तर प्रदेश की थाना बिसरख पुलिस ने बृहस्पतिवार रात गश्त के दौरान तीन गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके पास से चार किलोग्राम गांजा तथा एक मोटरसाइकिल जब्त की गई है। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक यशपाल सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात गश्त पर निकली थाना पुलिस ने एक सूचना के आधार पर तीन शातिर गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान अंकुर शर्मा, रवि उर्फ अमित और अमन के तौर पर हुई है। उन्होंने बताया कि उनके पास से पुलिस ने चार किलोग्राम गांजा और घटना में प्रयुक्त होने वाली एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पूछताछ में इनके काफी दिनों से अवैध रूप से गांजा बेचने के धंधे में लिप्त होने की बात सामने आई है।

एबीवीपी ने चलाया ऋतुमत्ति अभियान

नोएडा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने नोएडा में ऋतुमत्ति अभियान की शुरुआत की। सह.छात्रा प्रमुख भावना राठौड़ और अन्य छात्राओं ने झुग्गी और बस्तियों में सेनेटरी नैपकिन बांटे। इस पहल को शहर के लोगों से काफी सराहना मिल रही है। आज भी ग्रामीण क्षेत्रों और बस्तियों में माहवारी के समय महिलाएं सेनेटरी नैपकिन का इस्तेमाल नहीं करती है, वो अब भी समय के साथ अपडेट नहीं हो पाईं हैं। कुछ को सेनेटरी नैपकिन के बारे में पता है तो उनके पास इन्हें खरीदने के पैसे नहीं होते है।

साइबर ठग ने ढाई लाख से अधिक का चूना लगाया

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के सेक्टर 47 में रहने वाले एक व्यक्ति से साइबर ठगी के जरिए 2,66,000 रुपए की उगाही का मामला सामने आया है। थाना सेक्टर 49 के प्रभारी अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि सेक्टर 47 में रहने वाले श्याम प्रकाश मिश्रा ने शिकायत दर्ज कराई है कि एक व्यक्ति ने खुद को सेना का अधिकारी बताकर मिश्रा का मकान किराए पर लेने के लिए उनसे बात की। सिंह ने कहा कि व्यक्ति ने एडवांस में किराया देने के लिए कहा तथा एक लिंक भेजा। शिकायत में कहा गया कि जैसे ही मिश्रा ने लिंक खोला उनके खाते से 2,66,000 रुपए निकल गए। थाना प्रभारी ने बताया कि मामला दर्ज कर पुलिस इसकी जांच कर रही है। एक अन्य घटना में, थाना सेक्टर 49 क्षेत्र के बरौला गांव की निवासी वर्षा ने शिकायत दर्ज कराई कि एक व्यक्ति ने खुद को मैक्स लाइफ इंश्योरेंस का एजेंट बताकर उनसे संपर्क किया और पॉलिसी मैच्योर होने की बात कही। थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत में कहा गया कि पॉलिसी का पैसा दिलवाने के नाम पर व्यक्ति ने पीड़िता ने 50 हजार ठग लिए।

भाजपा नेता जगदीश साधना कोविड पॉजिटिव

गाजियाबाद। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं संरक्षक मंडल के सदस्य जगदीश साधना अब कोविड-19 के संक्रमण से ग्रसित हो गए हैं, उनके फेफड़ों में निमोनिया की शिकायत बढ़ी हुई पाई गई है। उन्हें यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशांबी गाजियाबाद के कोविड-19 सघन चिकित्सा कक्ष में भर्ती किया गया है जहां अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा उनका गहन निगरानी में इलाज चल रहा है। जगदीश साधना उत्तर प्रदेश के पंजाबी समाज के भी बड़े नेता हैं, ऐसे में समाज के सभी वर्ग के लोगों ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

वसूली अधिकारी-।। का कार्यालय
ऋण वसूली न्यायाधिकरण-।।, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

आर.सी. सं. 34/2016 — ई-नीलामी बिक्री सूचना — दिनांकित : 14-01-2022

आईसीआईसीआई बैंक बनाम राजीव सिंह

आदेश

मेरे आदेश दिनांकित 14-01-2022 के अनुसार उक्त वसूली प्रमाणपत्र में निम्नवर्णित सम्पत्ति दिनांक 09-03-2022 को सार्वजनिक ई-नीलामी द्वारा बेची जाएगी :-

नीलामी बिक्री वेबसाइट :- www.bankeauctions.com के माध्यम से "ऑनलाइन ई-नीलामी" होगी
नीलामी की तिथि एवं समय : 09-03-2022 को अप. 03.00 बजे और अप. 04.00 बजे के बीच
(अप. 04.00 बजे के बाद 5 मिनट के विस्तारों सहित, यदि अपेक्षित है)

सम्पत्ति का वर्णन

क्र. सं.	सम्पत्ति का वर्णन	सुरक्षित मूल्य (रू. में)	धरोहर राशि जमा (ईएमडी) (रू. में)
1.	फ्लैट नंबर पीपी/डी-1201, 12वां तल, प्लॉट नंबर 1/2, वैभव खंड, इंदिरापुरम-201010, उत्तर प्रदेश	(रू.) 55,80,000/-	(रू.) 5,58,000/-

नियम और शर्तें

1. नीलामी बिक्री वेबसाइट पोर्टल : www.bankeauctions.com के माध्यम से "ऑनलाइन ई-नीलामी" होगी।
2. ईएमडी "वसूली अधिकारी-।।, डीआरटी-।।, दिल्ली खाता आर/सी सं. 34/2016" के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर के माध्यम से जमा करनी होगी। ईएमडी के लिए उक्त डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर, पहचान पत्र (निर्वाचन आई कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस/पासपोर्ट), जिसमें आगे संचार/पत्रव्यवहार के लिए पता होना चाहिए, की स्व-सत्यापित प्रति तथा पैन कार्ड की स्व-सत्यापित प्रति और कम्पनी के मामले में कम्पनी के निदेशक मंडल द्वारा पारित प्रस्ताव की प्रति अथवा कोई अन्य दस्तावेज, जो कम्पनी का प्रतिनिधि/प्राधिकार धारक होने की पुष्टि करता है, की प्रति के साथ वसूली अधिकारी-।।, डीआरटी-।।, दिल्ली के कार्यालय में अधिकतम 07-03-2022 अप. 4.00 बजे तक पहुंच जाना चाहिए। उसके बाद प्राप्त ईएमडी अथवा ईएमडी के भुगतान के मूल प्रमाण पर विचार नहीं किया जाएगा।
3. ईएमडी सन्निहित लिफाफे पर "आरसी सं. 34/2016" तथा प्रेषक का विवरण अर्थात पता, ई-मेल आईडी और मोबाइल नम्बर इत्यादि शीर्षांकित किया जाना चाहिए।
4. सम्पत्ति की बिक्री "जैसा है जहां है आधार" तथा "जो है जैसा है आधार" पर की जा रही है।
5. बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे अपनी बोली देने तथा ई-नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने से पहले नीलामी बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए पोर्टल www.bankeauctions.com अच्छी तरह पढ़ लें तथा/अथवा श्री मोहित चद्ढा, क्षेत्रीय ऋण प्रबंधक, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, द्वितीय तल, वीडियोकॉन टावर, झंडेवालान एक्सटे., दिल्ली, मोबाइल नंबर 9650957770, ई-मेल : mohit.chadhaa@icicibank.com से सम्पर्क करें।
6. भविष्यलक्षी बोलीदाताओं से पोर्टल पर स्वयं को पंजीकृत करवाना तथा ईएमडी जमा करने के बाद, मैसर्स सी1 इंडिया प्रा. लि., उद्योग विहार, फेज-2, बिल्डिंग नंबर 301, गुरूग्राम, हरियाणा - 122015, फोन नंबर 7291981124/25/26 सम्पर्क व्यक्ति : श्री विनोद चौहान मोबाइल नंबर 9813887931, ई-मेल आईडी : delhi@ciindia.com तथा support@bankeauctions.com से यूजर आईडी/पासवर्ड पर्याप्त अग्रिम में प्राप्त किया जाना अपेक्षित है, जो उपरोक्त ई-नीलामी में बोलीदान के लिए अनिवार्य है।
7. इच्छुक बोलीदाता ईएमडी जमा करने के बाद, मैसर्स सी1 इंडिया प्रा. लि., उद्योग विहार, फेज-2, बिल्डिंग नंबर 301, गुरूग्राम, हरियाणा - 122015, फोन नंबर 7291981124/25/26 सम्पर्क व्यक्ति : श्री विनोद चौहान मोबाइल नंबर 9813887931, ई-मेल आईडी : delhi@ciindia.com तथा support@bankeauctions.com से ई-नीलामी पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।
8. केवल वे बोलीदाता ऑनलाइन ई-नीलामी में भाग लेने हेतु ग्राह्य होंगे जो वैध यूजर आईडी एवं पासवर्ड और डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर के माध्यम से ईएमडी भुगतान पुष्टि के धारक हैं।
9. संभावित खरीदार साइट का निरीक्षण 17-02-2022 तथा 18-02-2022 को 10.30 बजे से 04.00 बजे तक कर सकते हैं।
10. इच्छुक बोलीदाता जो 07-03-2022 तक अपनी बोलियां, जो सुरक्षित मूल्य से कम नहीं है, वसूली अधिकारी-।।, डीआरटी-।।, दिल्ली के कार्यालय में दे चुके होंगे, जो सुरक्षित मूल्य से कम नहीं है, ऑनलाइन ई-नीलामी में भाग लेने हेतु ग्राह्य होंगे जो 09-03-2022 को अप. 03.00 बजे और अप. 04.00 बजे के बीच आयोजित की जाएगी। नीलामी समाप्त होने के आखिरी 5 मिनट में कोई बोली आने पर नीलामी समाप्त होने का समय स्वतः 5 मिनट आगे बढ़ जाएगा।
11. बोलीदाता संबंधित सम्पत्ति हेतु अपनी बोली रू. 1,00,000/- (रू. एक लाख मात्र) के गुणज में बढ़ाएंगे।
12. असफल बोलीदाता ईएमडी ई-नीलामी बिक्री प्रक्रिया समाप्त होने के तत्काल पश्चात सीधे वसूली अधिकारी-।।, डीआरटी-।।, दिल्ली से प्राप्त कर सकेंगे।
13. सफल/उच्चतम बोलीदाता को बोली/बिक्री मूल्य की 25 प्रतिशत राशि का डिमांड ड्राफ्ट/पे ऑर्डर वसूली अधिकारी-।।, डीआरटी-।।, दिल्ली, खाता आर.सी. सं. 34/2016 के पक्ष में अगले बैंक कार्यदिवस के अप. 04.00 बजे तक तैयार कर इस न्यायाधिकरण में जमा करना होगा, जिसमें असफल रहने पर ईएमडी जब्त कर ली जाएगी।
14. क्रेता को बिक्री मूल्य की शेष 75 प्रतिशत राशि वसूली अधिकारी-।।, डीआरटी-।।, दिल्ली, खाता आर.सी. सं. 34/2016 के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर के माध्यम से, वसूली अधिकारी-।।, डीआरटी-।।, दिल्ली के पास सम्पत्ति की ई-नीलामी की तिथि से 15वें दिन अथवा पूर्व, उस तिथि को छोड़कर, और 15वां दिन रविवार या अवकाश दिवस होने की स्थिति में 15वें दिन के बाद पहले कार्य दिवस को रजिस्ट्रार, डीआरटी-।।, दिल्ली के पक्ष में रू. 1000/- तक 2 प्रतिशत निरोध शुल्क तथा रू. 1000/- से ऊपर सकल राशि पर 1 प्रतिशत निरोध शुल्क के साथ जमा करनी होगी। (शेष 75 प्रतिशत राशि डाक द्वारा जमा करने की स्थिति में यह वसूली अधिकारी को उपरोक्तानुसार प्राप्त हो जानी चाहिए)। निर्धारित अवधि के भीतर भुगतान में चूक की स्थिति में, बिक्री की नई उद्घोषणा के बाद, सम्पत्ति की बिक्री दोबारा की जाएगी। चूककर्ता क्रेता द्वारा जमा की गई राशि, बिक्री संबंधी खर्चे काटकर, यदि अधोहस्ताक्षरी द्वारा उपयुक्त समझा जाता है, सरकारी खाते में जब्त कर ली जाएगी तथा सम्पत्ति या उसके किसी अंश की अनुवर्ती बिक्री से प्राप्त होने वाली राशि के संबंध में चूककर्ता क्रेता के सभी दावे जब्त माने जाएंगे।
15. सीएचएफआई/सीएच बैंक को बिक्री उद्घोषणा की सूचना सीडी'ज को दस्ती, स्पीड पोस्ट, कुरियर के माध्यम से तथा सम्पत्ति के सुप्रकट भाग में चस्पा करने द्वारा और इसके आसपास के क्षेत्र में ढोल पीटकर देने और सूचना की एक प्रति इस न्यायाधिकरण के सूचना पट पर चस्पा करने का निर्देश दिया जाता है।
16. बिक्री उद्घोषणा की सूचना क्षेत्र में पर्याप्त व्यापक प्रसार वाले अंग्रेजी और स्थानीय भाषा के समाचारपत्रों में भी प्रकाशित करवाई जाए।
17. सीएचएफआई/सीएच बैंक को समाचारपत्रों में विज्ञापन प्रकाशन की पुष्टि करने तथा प्रकाशन के मूल प्रमाण सुनवाई की अगली तिथि को प्रस्तुत करने का निर्देश दिया जाता है।
18. अधोहस्ताक्षरी के पास किसी भी या सभी बोलियों को स्वीकार या अस्वीकार करने, यदि स्वीकार्य नहीं पाई जाती हैं, अथवा बिना कोई कारण बताए किसी भी समय नीलामी प्रास्थगित करने का अधिकार सुरक्षित है तथा इस संबंध में उनका निर्णय अंतिम मान्य होगा।

सम्पत्ति की अनुसूची

बिक्री की जा रही सम्पत्ति का वर्णन	सम्पत्ति या उसके किसी भाग पर निर्धारित राजस्व	सम्पत्ति के संबंध में देय किसी ऋणभार का विवरण	सम्पत्ति के बाबत पेश किया गया कोई दावा तथा अन्य कोई ज्ञात विवरण जो सम्पत्ति की प्रकृति और मूल्य को प्रभावित करता है।
फ्लैट नंबर पीपी/डी-1201, 12वां तल, प्लॉट नंबर 1/2, वैभव खंड, इंदिरापुरम-201010, उत्तर प्रदेश	ज्ञात नहीं	ज्ञात नहीं	ज्ञात नहीं

ई-नीलामी बिक्री सूचना की तामील, तामील के प्रमाणों (ट्रैक परिणामों सहित यथा स्पीड पोस्ट तथा कुरियर) तथा दस्ती तामील के प्रमाण, समाचारपत्रों में प्रकाशन के मूल प्रमाण और ई-नीलामी के प्रयोजन हेतु वेबसाइट पर व्यापक प्रचार के प्रमाण प्रस्तुत करने हेतु वाद 18-02-2022 को सूचीबद्ध किया जाए।

(दत्तात्रेय बाजपेयी)
वसूली अधिकारी-।।,
डीआरटी-।।, दिल्ली

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank — शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005

निम्नलिखित कर्जदार/रों ने उनके द्वारा बैंक से प्राप्त की गई ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज के भुगतान में चूक की है और ये ऋण अनार्जक आस्तियों (एनपीए) के रूप में श्रेणीबद्ध किए गए हैं। उनको, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अधीन एक सूचना उनके अंतिम ज्ञात पतों पर प्रेषित की गई थी, हालांकि यह सुपुर्द नहीं की जा सकी और इसलिए एतदद्वारा उनको इस सार्वजनिक सूचना द्वारा अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह-कर्जदार/गारंटर का नाम (ऋण खाता संख्या) एवं पता	प्रत्याभूत आस्ति/प्रवर्तित की जाने वाली आस्ति का सम्पत्ति पता	प्रेषित सूचना की तिथि/सूचना की तिथि तक बकाया राशि	एनपीए तिथि
1.	जसजीत सिंह, संगीता सिंह, स्पैल बाइंडर्स प्रोडक्शन प्रा. लि., मकान नंबर 175, सेक्टर 9 बी, चंडीगढ़, पंजाब / खाता : एलबीडीईएल00001049917	प्लॉट नंबर 4621, कुतब एन्क्लेव, फेज-4, हरियाणा, गुरूग्राम	23/09/2021 Rs. 11,51,099.77/-	08/04/2021
2.	हिमानी, मनोज कुकरेती, सी 1/1901 जीएच 01, सेक्टर-16 बी, ग्रेटर नोएडा, ईको, नोएडा, विलेज 2 ग्रेटर नोएडा / खाता एलबीडीईएल00004007153 एवं एलबीडीईएल00004102479	फ्लैट नंबर 1901, 19वां तल, टावर सी 1, सुपरटेक ईको विलेज 2, प्लॉट नंबर जीएच 01, सेक्टर-16 बी, नोएडा	22/09/2021 Rs.7,99,005.02/- Rs. 27,66,087.68/-	06/05/2021
3.	राहुल गुप्ता, दिनेश कुमार गुप्ता, ई 28, बीटा 1, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, नोएडा, उत्तर प्रदेश / खाता : एलबीजीएचजैड00004308675	फ्लैट नंबर 30, प्लॉट नंबर सी 06, डेल्टा 1, कावेरी सिटी सेंटर, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश	22/09/2021 Rs. 35,86,974/-	06/05/2021
4.	मनोज कुमार, अंशुल शर्मा, फ्लैट नंबर बी 607, टावर बी अजनारा होम्स, सेक्टर-16 बी, नोएडा, उत्तर प्रदेश /खाता एलबीजीएचजैड00004861411 एवं एलबीजीएचजैड00005341948	यूनिट नंबर बी-606, टावर बी, 7वां तल, अजनारा होम्स, प्लॉट नंबर जीएच 03, सेक्टर-16 बी, नोएडा, उत्तर प्रदेश	23/09/2021 Rs.15,53,111/- Rs.2,93,338/-	07/06/2021
5.	राहुल गुप्ता, दिनेश कुमार गुप्ता, ई 28, बीटा 1, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, नोएडा, उत्तर प्रदेश / खाता : एलबीजीएचजैड00005389938	फ्लैट नंबर 30, प्लॉट नंबर सी 06, डेल्टा 1, कावेरी सिटी सेंटर, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश	22/09/2021 Rs. 6,74,812/-	06/05/2021
6.	नीतू राय, अनुपम राय, सी-19, पाकेट-6, केन्द्रीय विहार, सेक्टर-82, नोएडा, उत्तर प्रदेश /खाता एलबीएनओडी00002875389 एवं एलबीएनओडी00002892074	फ्लैट नंबर 102, प्रथम तल, ब्लॉक यॉर्कशायर महागुन मीडोज, प्लॉट नंबर एससी 01/ए-3, सेक्टर-150, उत्तर प्रदेश	08/10/2021 Rs. 1,35,58,372/- Rs.9,65,341/-	01/07/2021
7.	कुमार मनीष राज, वंदना सिंह, फ्लैट नंबर जी-004, टावर जी, आम्रपाली सिलिकॉन सिटी, सेक्टर-76, नोएडा, उत्तर प्रदेश / खाता : एलबीएनओडी00003332063	फ्लैट नंबर 1705, 17वां तल, महागुन मीडोज ब्लॉक यॉर्कशायर, प्लॉट नंबर एससी 01/ए-3, सेक्टर-150, उत्तर प्रदेश	04/10/2021 Rs. 1,13,86,663/-	02/07/2021
8.	बिलाल अहमद, मोनशिना खातून, एच नंबर 185, मिर्जापु, सेक्टर-12, पाल आटा चक्की, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश/खाता : एलबीएनओडी00004090712	दुकान नंबर एफएफ-214, फ्लोर नंबर 1, प्लॉट नबर सी 1 ए-जीएच 01, गौड़ सिटी सेंटर - शॉप्स, सेक्टर-04, ग्रेटर नोएडा	23/09/2021 Rs. 10,81,264/-	12/06/2021
9.	प्रणय प्रकाश, कल्पना मिश्रा, बीएफ-14 सी, डीडीए फ्लैट्स, मुनीरका, नई दिल्ली / खाता नंबर : एलबीएनओडी00004776228	फ्लैट नंबर 2001, 20वां तल, महागुन मीडोज ब्लॉक यॉर्कशायर, प्लॉट नंबर एससी 01/ए-3, सेक्टर-150, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर- 201301, उत्तर प्रदेश	04/10/2021 Rs. 1,19,71,123/-	02/07/2021
10.	बिलाल अहमद, मोनशिना खातून, एच नंबर 185, मिर्जापु, सेक्टर-12, पाल आटा चक्की, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश /खाता : एलबीएनओडी00005344625	दुकान नंबर एफएफ-214, फ्लोर नंबर 1, प्लॉट नबर सी 1 ए-जीएच 01, गौड़ सिटी सेंटर - शॉप्स, सेक्टर-04, ग्रेटर नोएडा	23/09/2021 Rs. 2,11,818/-	12/06/2021
11.	दीपक बवेजा, पूनम, वार्ड नंबर 9, ऐन्टा कालोनी, सफीदों जींद, जींद, हरियाणा/खाता : एलबीपीएनपी00005130571 एवं एलबीपीएनपी00005130574 एवं एलबीडीईएल00005335489	खेवट नंबर 1760, खाता नंबर 2045, खसरा नंबर एन 76, किला नंबर 29, शिव कालोनी, सफीदों, जींद, हरियाणा	23/09/2021 Rs.20,73,235/- Rs.7,60,571/- Rs.1,39,818/-	12/06/2021

सूचना प्रदान करने हेतु वैकल्पिक कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त कर्जदार/रों तथा/अथवा उनके गारंटरों (जैसा लागू है) को बकाया राशि का भुगतान इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की सलाह दी जाती है, अन्यथा आगे वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

तिथि : 29 जनवरी, 2022 — प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : दिल्ली/एनसीआर — आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

प्रदूषण प्रमाणपत्र के बिना नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

नई नीति यह सुनिश्चित करने में हमारी मदद करेगी कि प्रदूषण फैलाने वाले वाहन न चलें : राय

- सरकार राजधानी में पीयूसी को जल्द करेगी अनिवार्य

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केजरीवाल सरकार जल्द ही पंपों पर पेट्रोल और डीजल भरने के लिए पीयूसी प्रमाणपत्र अनिवार्य करेगी।

ड्राफ्ट को अधिसूचित करने से पहले दिल्ली वालों की राय के लिए रखा जाएगा। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि नीति यह सुनिश्चित करने में सरकार की मदद करेगी कि प्रदूषण फैलाने वाले वाहन सड़कों पर न दौड़े और लोग स्वच्छ हवा में सांस ले सकें। गोपाल राय ने शुक्रवार को बताया कि दिल्ली सरकार द्वारा यह एक बहुत ही महत्वाकांक्षी नीति लाई जा रही है। दिल्ली समेत उत्तर भारत को विशेष रूप से सर्दियों में गंभीर वायु प्रदूषण का सामना पड़ता है।

इस नीति के लागू होने के बाद वाहनों को पंपों पर ईंधन भरवाते समय पीयूसी प्रमाण पत्र को अनिवार्य रूप से साथ रखना होगा। इस प्रकार, राज्य में हर वाहन के प्रदूषण के स्तर को समय-समय पर जांच किया जाएगा।

नीति प्रभावी रूप से यह सुनिश्चित करने में मदद करेगी कि प्रदूषण फैलाने वाले वाहन सड़कों पर न चलें। इस ड्राफ्ट को जनता की राय के लिए रखा जा रहा है और अधिसूचित होने से पहले समीक्षा की जा रही है। पर्यावरण मंत्री की सलाहकार रीना गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने वैध पीयूसी प्रमाणपत्रों से पेट्रोल-डीजल की खरीद को जोड़कर एक और क्रांतिकारी कदम उठाया है।

यह सभी नागरिकों के लिए स्वच्छ हवा सुनिश्चित करने के लिए केजरीवाल सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। विभाग के अनुभव के अनुसार पेट्रोल पंपों पर पीयूसीसी की जांच अत्यधिक प्रभावी तरीके से होती है। इस वजह से पेट्रोल पंपों पर वाहनों में ईंधन भरने के लिए पीयूसी प्रमाणीकरण अनिवार्य करने का प्रस्ताव लाया गया है। दिल्ली के खराब वायु गुणवत्ता स्तर को देखते हुए इस कदम से सड़कों पर गैर-प्रदूषणकारी वाहन देखने को मिलेंगे। नीति की स्वीकृति के साथ-साथ सरकार इस नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए तकनीकी आधारित पद्धतियां स्थापित करने पर भी काम कर रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पीयूसी प्रमाण पत्र की जांच के संबंध में वाहन मालिकों के साथ-साथ पेट्रोल पंप मालिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और लंबी कतारें न लगें। इन विधियों में आरएफआईडी जैसी तकनीक भी शामिल हो सकती है।

10 जोनों में 966 केंद्र

प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाणपत्र, वाहनों के प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पंजीकृत पीयूसी केंद्रों के माध्यम से जारी किया जाता है। दिल्ली में 10 जोन में लगभग 966 ऐसे केंद्र है। यह वाहनों के प्रदूषण की निगरानी और उत्सर्जन मानदंडों के अनुसार वाहनों की फिटनेस प्रमाणित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रदूषण स्तर परीक्षण निरीक्षकों द्वारा समय-समय पर जांच भी की जाती है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पीयूसी केंद्रों द्वारा सही प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं।

अलीपुर में युवक की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के अलीपुर में कुछ अज्ञात लोगों ने 38 वर्षीय एक व्यक्ति की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान हिरांकी गांव के प्रमोद कुमार के तौर पर हुई है। कुमार के खिलाफ भी हत्या की कोशिश और शस्त्र अधिनियम के तहत मामले दर्ज हैं।

उन्होंने बताया कि अलीपुर थाना पुलिस को गुरूवार रात करीब सवा 11 बजे सूचना मिली कि कुछ अज्ञात लोगों ने एक व्यक्ति पर गोलियां चलाईं और मौके से फरार हो गए।

पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तर) बृजेंद्र कुमार यादव ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने कुमार पर गोली चलाई थी, जिसे हैदरपुर के मैक्स अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उन्होंने बताया कि अपराध जांच दल ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, जहां नौ खाली कारतूस मिले। पुलिस ने बताया कि वे संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर रहे हैं और जांच जारी है।

संक्षिप्त समाचार

अनुसंधान एंव शिक्षण संस्थान का नामकरण

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने शक्ति नगर क्षेत्र स्थित अनुसंधान एंव शिक्षण संस्थान का नामकरण स्वं श्री महेश चंद्र शर्मा के नाम से महेश चंद्र शर्मा अनुसंधान एंव शिक्षण संस्थान किया गया । इस अवसर पर स्थायी समिति के अध्यक्ष, जोगी राम जैन, नेता सदन, छैल बिहारी गोस्वामी, केशवपुरम वार्ड समिति के अध्यक्ष, योगेश वर्मा, केशवपुरम वार्ड समिति की उपाध्यक्षा, सीमा गुप्ता, भारत विकास परिषद दिल्ली सेंट्रल के अध्यक्ष राकेश शर्मा व अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। इस अवसर पर महापौर राजा इकबाल सिंह ने कहा की महेश चंद्र शर्मा दिल्ली के पूर्व महापौर थे और उन्होंने विभिन्न पदों पर रहते हुए नागरिकों के लिए लोक कल्याण के कार्य किए। महेश चंद्र शर्मा वर्ष 1971 से 2017 तक दिल्ली नगर निगम की शिक्षा समिति सदस्य, उपाध्यक्ष व अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दी।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव संभव : आरजीसीआईआरसी

डॉ. वंदना जैन

नई दिल्ली। सर्वाइकल कैंसर वैसे तो भारत में महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसर में से एक है, लेकिन इससे बहुत आसानी से बचाव भी संभव है। राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी) के विशेषज्ञों ने यह बात कही। आरजीसीआईआरसी की गायनी ओंकोलॉजी कंसल्टेंट डॉक्टर वंदना जैन ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर का शुरुआती स्तर पर ही पता लगाना संभव है, क्योंकि इसमें 10 से 15 साल तक प्री-कैंसरस स्टेज रहता है और पैप स्मियर जैसी सामान्य जांच से इसका पता लग सकता है, जिससे कैंसर को बढ़ने से रोकना संभव है। हर तीन साल में महिलाओं को पैप टेस्ट की सलाह दी जाती है। साथ ही 30 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं को एचपीवी टेस्ट भी कराना चाहिए।

दक्षिणी निगम में 20 लाख लगे टीके: महापौर

नई दिल्ली। महापौर मुकेश सुर्यान ने अतिरिक्त आयुक्त ड़ॉ सोनल स्वरूप व क्षेत्रीय उपायुक्त अवनीश कुमार के साथ पश्चिमी जोन के उत्तम नगर वार्ड का निरीक्षण किया। महापौर ने स्थानीय पार्षद आभा चौहान की उपस्थिति में क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में स्थानीय लोगों से बातचीत कर, निगम द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं के बारे में फीडबैक लिया। महापौर क्षेत्र ने टीकाकरण केन्द्र का भी दौरा किया और केन्द्र पर आये नागरिकों से बातचीत की। निरीक्षण के दौरान महापौर ने सुनिश्चित किया कि केन्द्र पर टीकाकरण प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। उन्होंने कहा कि दक्षिणी निगम ने कोरोना से बचाव के लिये अबतक 20 लाख से अधिक टीके लगाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया फिर शुरू

जिनके लाइसेंस 1 फरवरी 2020 से 31 फरवरी 2022 के बीच खत्म हो रहे, उनकी वैधता 31 मार्च तक बढ़ी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अगर आप गाड़ी चलाते हैं तो आपके पास ड्राइविंग लाइसेंस होना बेहद जरूरी है। बिना डीएल के गाड़ी सड़क पर नहीं चला सकते हैं।

दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग ने ड्राइविंग लाइसेंस की स्किल टेस्ट और लर्निंग लाइसेंस के टेस्ट को फिर से शुरू कर दिया है। इस संबंध में परिवहन विभाग ने शुक्रवार को डीएल और लर्निंग लाइसेंस से संबंधित परीक्षण को बहाल करने का आदेश दिया। कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण की वजह पिछले दिनों लाइसेंस प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी।इसे पहले परिवहन विभाग द्वारा जिनके लाइसेंस 1 फरवरी 2020 से 31 फरवरी 2022 के बीच खत्म हो रहे थे। उनकी वैधता 31 मार्च 2022 तक बढ़ाई गई थी। राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस के नए वैरियंट ओमीक्रोन से संक्रमित मरीजों की संख्या में वृद्धि के चलते ड्राइविंग लाइसेंस और लर्निंग लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया स्थगित कर दी गई थी।

दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) द्वारा कोरोनावायरस की स्थिति में सुधार के मद्देनजर कुछ प्रतिबंधित गतिविधियों को दोबारा शुरू करने की अनुमति देने के बाद राजधानी में ड्राइविंग लाइसेंस और लर्निंग लाइसेंस से जुड़े परीक्षण भी बहाल कर दिए गए हैं।

परिवहन विभाग के आदेश में कहा गया है, डीएल और लर्निंग लाइसेंस (एलएल) से जुड़े टेस्ट के आयोजन पर लगी रोक तत्काल प्रभाव से वापस ली जाती है। सभी जिला परिवहन कार्यालय (डीटीओ) डीएल और एलएल टेस्ट से जुड़ी गतिविधियों को बहाल करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएंगे। आदेश में कहा गया है, सभी क्षेत्रीय उपायुक्त (परिवहन) और डीटीओ को यह सुश्चित करने का निर्देश दिया जाता है कि टेस्ट के दौरान कोविड-19 दिशानिर्देशों का कड़ाई से अनुपालन हो। इसमें मास्क पहनना, सेनेटाइजेशन की व्यवस्था करना और सामाजिक दूरी पर अमल शामिल है।

गोगी गिरोह का पर्दाफाश तीन बदमाश गिरफ्तार

- दिल्ली-एनसीआर में बदमाशों को हथियारों की आपूर्ति करते थे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने राजधानी के गौतम नगर इलाके से गोगी गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नरेला निवासी अमित उर्फ कमांडर (32 साल), शाहपुर जट निवासी सन्नी (30 साल) और हरियाणा के सोनीपत निवासी अमित (21 साल) के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन सिंह ने बताया कि पुलिस ने मंगलवार की देर रात मुखबिर से मिली जानकारी पर गौतम नगर में छापेमारी की, जहां से तीनों हथियारबंद बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि उनके पास से तीन पिस्तौल और आठ कारतूस तथा एक बलेनो कार बरामद की गई हैं। उन्होंने बताया कि कमांडर पिछले कई वर्षों से विभिन्न गिरोहों से जुड़ा रहा है तथा वह दिल्ली-एनसीआर में इन गिरोहों को अवैध हथियारों की आपूर्ति करता था। पुलिस अभी इस मामले में अन्य साथियों की तलाश में जुटी हुई है।

अमित कमांडर

सन्नी

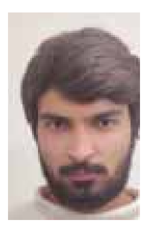

अमित

एनसीसी परेड में रंगारंग सास्कृतिक कार्यक्रम पेश करते छात्र-छात्राएं।

जिम फिर से खोलने की मांग, आज प्रदर्शन करेंगे संचालक

नई दिल्ली। कोविड पाबंदियों के चलते पिछले एक महीने से बंद दिल्ली के जिम को फिर से खोलने की मांग को लेकर जिम मालिक और उनका संगठन शनिवार को प्रदर्शन कर दिल्ली के उप राज्यपाल के कार्यालय के पास प्रदर्शन करेंगे और कोविड संबंधी पाबंदियों के तहत करीब एक महीने से बंद अपने प्रतिष्ठानों को पुनः खोलने की अनुमति देने की मांग करेंगे। डीडीएमए ने दिल्ली में सप्ताहांत कर्फ्यू हटा दिया था और बार-रेस्तरां और सिनेमाघरों को 50 फीसदी क्षमता के साथ खोलने की इजाजत दे दी थी। हालांकि, राजधानी में जिम और स्कूल अभी नहीं खुले हैं।

प्राधिकरण ने पिछले साल दिसंबर में येलो अलर्ट के तहत प्रतिबंध लगाए थे। उस समय राष्ट्रीय राजधानी में कोविड संक्रमण दर 0.5 फीसदी से अधिक हो गई थी। दिल्ली जिम संघ के उपाध्यक्ष चिराग सेठी ने कहा कि कोविड महामारी की वजह से सबसे ज्यादा नुकसान जिम मालिकों को उठाना पड़ा है और उन्हें अपने प्रतिष्ठान खोलने देने की अनुमति मिलनी चाहिए।

कोविड के 4044 नए मामले, 25 लोगों की मौत

नई दिल्ली। पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 4044 नए मामले आए तथा 25 और लोगों की मौत हो गई। वहीं, संक्रमण दर घटकर 8.60 प्रतिशत हो गई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली। स्वास्थ्य बुलेटिन के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी में नए मामलों के साथ संक्रमितों की कुल संख्या 17,64,41 जबकि मृतक संख्या 25,769 हो गई है। एक दिन पहले कुल 47,042 नमूनों की जांच की गई। दिल्ली में बृहस्पतिवार को संक्रमण के 4291 नए मामले आए थे और 34 लोगों की मौत हुई थी। वहीं, संक्रमण दर 9.56 प्रतिशत दर्ज की गई थी। बुधवार को 7498 मामले आए थे और संक्रमण दर 10.59 प्रतिशत थी। दिल्ली में 13 जनवरी को सबसे ज्यादा 28,867 मामले आने के बाद रोजाना के मामलों में कमी आने लगी। महामारी की मौजूदा लहर के दौरान 14 जनवरी को संक्रमण दर 30.6 प्रतिशत पर पहुंच गई थी। वहीं बढ़ते मामलों को देखते हुए कई कोविड सेंटर खोले थे।

76 फीसदी से अधिक किशारों को लगा पहला टीका

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में 15 से 18 वर्ष की आयुवर्ग के 76 प्रतिशत से अधिक किशोरों को कोविड-19 रोधी टीकों की पहली खुराक दी जा चुकी है। इनमें से सबसे अधिक किशोर उत्तर-पश्चिमी जिले के हैं। केन्द्र के टीकाकरण संबंधी मंच कोविन के आंकड़ों के अनुसार, 15 से 18 वर्ष की आयुवर्ग के 7.74 लाख किशोरों को 26 जनवरी तक पहली खुराक दी गई। केन्द्र सरकार ने तीन जनवरी से इस आयुवर्ग के लाभार्थियों का टीकाकरण शुरू किया था। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के1,03,921 किशोरों को पहली खुराक दी गई, जबकि उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के 1,02,425, उत्तर-पूर्वी दिल्ली के 78,107, पश्चिमी दिल्ली के 77,532 और दक्षिण-पूर्व दिल्ली के 73,070 किशोरों को कोविड-19 रोधी टीकों की पहली खुराक दी गई। वहीं, पूर्वी दिल्ली के 68,887, उत्तरी दिल्ली के 66,228, शाहदरा के 55,324, दक्षिणी दिल्ली के 54,385, मध्य दिल्ली के 48,940 और नई दिल्ली के 45,646 किशोरों को टीकों की पहली खुराक दी गई।

सौ फीसदी क्षमता के साथ चल रही मेट्रो, सफर हुआ आसान

- अब भी खड़े होकर यात्रा करने की अनुमति नहीं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में कमी आने के बाद अब शुक्रवार रात 10 बजे से सोमवार सुबह 5 बजे तक लगातार 55 घंटे तक रहने वाला वीकेंड कर्फ्यू खत्म हो गया है। इसके साथ ही दिल्ली मेट्रो की ट्रेनों में लोगों का सफर भी सामान्य हो गया है। मेट्रो ट्रेनें अब बैठने की सौ फीसद क्षमता के साथ रफ्तार भर रही है, लेकिन ट्रेनों में खड़े होकर सफर की अनुमति नहीं है। इससे पहले वीकेंड कर्फ्यू के चलते ट्रेनों का परिचालन 15-20 मिनट के अंतराल पर किया जाता था, लेकिन अब सोमवार से लेकर रविवार तक पूर्व की तरह दिल्ली मेट्रो का परिचालन फिर सामान्य हो जाएगा। सूत्रों के कहना है कि अगले कुछ दिनों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में कमी आने का सिलसिला जारी रहा तो ट्रेनों में खड़े होकर यात्रा की अनुमति भी मिल सकती है। इसके लिए यात्रियों की संख्या क्या होगी। इसका भी फैसला आने वाले दिनों में दिल्ली सरकार ले सकती है।

इन नियमों का करना होगा पालन

मेट्रो स्टेशन परिसर में कोरोना प्रोटोकाल का पालन करना होगा, खासकर शारीरिक दूरी का नियम मानना होगा और मास्क भी लगाना होगा। इन नियमों का पालन नहीं करने पर 200 रुपये के चालान का प्रावधान है। मेट्रो में खड़े होकर यात्रा करने की कोशिश की तो अगले स्टेशन पर उतार दिया जाएगा।

बीटिंग रिट्रीट समारोह के कारण दो स्टेशनों के गेट चार घंटे के लिए रहेंगे बंद

विजय चौक पर होने वाले बीटिंग रिट्रीट समारोह के मद्देनजर मेट्रो के दो स्टेशनों से दोपहर बाद से आवागमन के लिए बंद रहेगा। परेड जब खत्म हो जाएगी उसके बाद इन्हें खोला जाएगा। मेट्रो के अनुसार येलो लाइन पर सेवाओं में मामूली बदलाव बीटिंग रिट्रीट समारोह के कारण पहले की गई घोषणा के अनुसार होगा। इसके अनुसार येलो लाइन के केंद्रीय सचिवालय और उद्योग भवन मेट्रो स्टेशनों पर मेट्रो सेवाएं दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक उपलब्ध नहीं होंगी। इसके अलावा इस अवधि के दौरान केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन पर यात्रियों को येलो लाइन से वायलेट लाइन यानी लाइन 6 और इसके विपरीत में इंटरचेंज की अनुमति होगी। इन स्टेशनों पर शाम साढ़े छह बजे सामान्य सेवाएं बहाल कर दी जाएंगी।

विजय चौक से ट्रैफिक भी रहेगा डायवर्ट

विजय चौक यातायात के लिए दोपहर दो बजे से रात साढ़े नौ बजे तक बंद रहेगा। समारोह को देखने के लिए विजय चौक, राष्ट्रपति भवन, नॉर्थ ब्लॉक, साउथ ब्लॉक और संसद भवन सहित इंडिया गेट के समीप बड़ी संख्या में लोग लोग पहुंचेंगे। वीवीआइपी मूवमेंट व लोगों की भीड़ को देखते हुए कई मार्गों पर यातायात प्रतिबंधित रहेगा। संयुक्त आयुक्त यातायात विवेक किशोर के मुताबिक 29 को दोपहर दो से रात साढ़े नौ बजे तक नई दिल्ली जिले के कई रास्ते बंद रखे जाएंगे। मुख्य कार्यक्रम विजय चौक पर होगा इसलिए विजय चौक सहित आसपास की सड़कें रफी मार्ग पर सुनहरी मस्जिद और कृषि भवन के बीच, रायसीना रोड व कृषि भवन से विजय चौक की ओर, दारा शिकोह रोड से कृष्णा मेनन मार्ग और सुनहरी मस्जिद से विजय चौक की ओर, विजय चौक और सी हेक्सागोन के बीच राजपथ पर वाहनों के चलने की इजाजत नहीं होगी।

वसूली अधिकारी-।। का कार्यालय
ऋण वसूली न्यायाधिकरण-।।, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

आर.सी. सं. 406/2015 — **ई-नीलामी बिक्री सूचना** — दिनांकित : 14-01-2022

आईसीआईसीआई बैंक बनाम श्री हरीश कुमार गोस्वामी

आदेश

मेरे आदेश दिनांकित 14-01-2022 के अनुसार उक्त वसूली प्रमाणपत्र में निम्नवर्णित सम्पत्ति दिनांक 05-03-2022 को सार्वजनिक ई-नीलामी द्वारा बेची जाएगी :-

नीलामी बिक्री वेबसाइट :- www.bankeauctions.com के माध्यम से "ऑनलाइन ई-नीलामी" होगी
नीलामी की तिथि एवं समय : 05-03-2022 को अप. 03.00 बजे और अप. 04.00 बजे के बीच
(अप. 04.00 बजे के बाद 5 मिनट के विस्तारों सहित, यदि अपेक्षित है)

सम्पत्ति का वर्णन

क्र. सं.	सम्पत्ति का वर्णन	सुरक्षित मूल्य (रू. में)	धरोहर राशि जमा (ईएमडी) (रू. में)
1.	मकान नंबर 1007, खसरा नंबर 204, एनएच-24, भीम नगर, मवई, लोनी, गाजियाबाद-201001	(रू.) 8,55,000/-	(रू.) 85,500/-

नियम और शर्तें

1. नीलामी बिक्री वेबसाइट पोर्टल : www.bankeauctions.com के माध्यम से "ऑनलाइन ई-नीलामी" होगी।
2. ईएमडी "वसूली अधिकारी-।।, डीआरटी-।।, दिल्ली खाता आर/सी सं. 406/2015" के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर के माध्यम से जमा करनी होगी। ईएमडी के लिए उक्त डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर, पहचान पत्र (निर्वाचन आई कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस/पासपोर्ट), जिसमें आगे संचार/पत्रव्यवहार के लिए पता होना चाहिए, की स्व-सत्यापित प्रति तथा पैन कार्ड की स्व-सत्यापित प्रति और कम्पनी के मामले में कम्पनी के निदेशक मंडल द्वारा पारित प्रस्ताव की प्रति अथवा कोई अन्य दस्तावेज, जो कम्पनी का प्रतिनिधि/प्राधिकार धारक होने की पुष्टि करता है, की प्रति के साथ वसूली अधिकारी-।।, डीआरटी-।।, दिल्ली के कार्यालय में अधिकतम 03-03-2022 अप. 4.00 बजे तक पहुंच जाना चाहिए। उसके बाद प्राप्त ईएमडी अथवा ईएमडी के भुगतान के मूल प्रमाण पर विचार नहीं किया जाएगा।
3. ईएमडी सन्निहित लिफाफे पर "आरसी सं. 406/2015" तथा प्रेषक का विवरण अर्थात पता, ई-मेल आईडी और मोबाइल नम्बर इत्यादि शीर्षांकित किया जाना चाहिए।
4. सम्पत्ति की बिक्री "जैसा है जहां है आधार" तथा "जो है जैसा है आधार" पर की जा रही है।
5. बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे अपनी बोली देने तथा ई-नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने से पहले नीलामी बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए पोर्टल www.bankeauctions.com अच्छी तरह पढ़ लें तथा/अथवा श्री मोहित चड्ढा, क्षेत्रीय ऋण प्रबंधक, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, द्वितीय तल, वीडियोकॉन टावर, झंडेवालान एक्सटे., दिल्ली, मोबाइल नंबर 9650957770, ई-मेल : mohit.chadhaa@icicibank.com से सम्पर्क करें।
6. भविष्यलक्षी बोलीदाताओं से पोर्टल पर स्वयं को पंजीकृत करवाना तथा ईएमडी जमा करने के बाद, मैसर्स सी1 इंडिया प्रा. लि., उद्योग विहार, फेज-2, बिल्डिंग नंबर 301, गुरूग्राम, हरियाणा - 122015, फोन नंबर 7291981124/25/26 सम्पर्क व्यक्ति : श्री विनोद चौहान मोबाइल नंबर 9813887931, ई-मेल आईडी : delhi@ciindia.com and support@bankeauctions.com से यूजर आईडी/पासवर्ड पर्याप्त अग्रिम में प्राप्त किया जाना अपेक्षित है, जो उपरोक्त ई-नीलामी में बोलीदान के लिए अनिवार्य है।
7. इच्छुक बोलीदाता ईएमडी जमा करने के बाद, मैसर्स सी1 इंडिया प्रा. लि., उद्योग विहार, फेज-2, बिल्डिंग नंबर 301, गुरूग्राम, हरियाणा - 122015, फोन नंबर 7291981124/25/26 सम्पर्क व्यक्ति : श्री विनोद चौहान मोबाइल नंबर 9813887931, ई-मेल आईडी : delhi@ciindia.com तथा support@bankeauctions.com से ई-नीलामी पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।
8. केवल वे बोलीदाता ऑनलाइन ई-नीलामी में भाग लेने हेतु ग्राह्य होंगे जो वैध यूजर आईडी एवं पासवर्ड और डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर के माध्यम से ईएमडी भुगतान पुष्टि के धारक हैं।
9. संभावित खरीदार साइट का निरीक्षण 17-02-2022 तथा 18-02-2022 को 10.30 बजे से 04.00 बजे तक कर सकते हैं।
10. इच्छुक बोलीदाता जो 03-03-2022 तक अपनी बोलियां, जो सुरक्षित मूल्य से कम नहीं है, वसूली अधिकारी-।।, डीआरटी-।।, दिल्ली के कार्यालय में दे चुके होंगे, जो सुरक्षित मूल्य से कम नहीं है, ऑनलाइन ई-नीलामी में भाग लेने हेतु ग्राह्य होंगे जो 05-03-2022 को अप. 03.00 बजे और अप. 04.00 बजे के बीच आयोजित की जाएगी। नीलामी समाप्त होने के आखिरी 5 मिनट में कोई बोली आने पर नीलामी समाप्त होने का समय स्वतः 5 मिनट आगे बढ़ जाएगा।
11. बोलीदाता संबंधित सम्पत्ति हेतु अपनी बोली रू. 50,000/- (रू. पचास हजार मात्र) के गुणज में बढ़ाएंगे।
12. असफल बोलीदाता ईएमडी ई-नीलामी बिक्री प्रक्रिया समाप्त होने के तत्काल पश्चात सीधे वसूली अधिकारी-।।, डीआरटी-।।, दिल्ली से प्राप्त कर सकेंगे।
13. सफल/उच्चतम बोलीदाता को बोली/बिक्री मूल्य की 25 प्रतिशत राशि का डिमांड ड्राफ्ट/पे ऑर्डर वसूली अधिकारी-।।, डीआरटी-।।, दिल्ली, खाता आर.सी. सं. 406/2015 के पक्ष में अगले बैंक कार्यदिवस के अप. 04.00 बजे तक तैयार कर इस न्यायाधिकरण में जमा करना होगा, जिसमें असफल रहने पर ईएमडी जब्त कर ली जाएगी।
14. क्रेता को बिक्री मूल्य की शेष 75 प्रतिशत राशि वसूली अधिकारी-।।, डीआरटी-।।, दिल्ली, खाता आर.सी. सं. 406/2015 के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर के माध्यम से, वसूली अधिकारी-।।, डीआरटी-।।, दिल्ली के पास सम्पत्ति की ई-नीलामी की तिथि से 15वें दिन अथवा पूर्व, उस तिथि को छोड़कर, और 15वां दिन रविवार या अवकाश दिवस होने की स्थिति में 15वें दिन के बाद पहले कार्य दिवस को रजिस्ट्रार, डीआरटी-।।, दिल्ली के पक्ष में रू. 1000/- तक 2 प्रतिशत निरोध शुल्क तथा रू. 1000/- से ऊपर सकल राशि पर 1 प्रतिशत निरोध शुल्क के साथ जमा करनी होगी। (शेष 75 प्रतिशत राशि डाक द्वारा जमा करने की स्थिति में यह वसूली अधिकारी को उपरोक्तानुसार प्राप्त हो जानी चाहिए)। निर्धारित अवधि के भीतर भुगतान में चूक की स्थिति में, बिक्री की नई उद्घोषणा के बाद, सम्पत्ति की बिक्री दोबारा की जाएगी। चूककर्ता क्रेता द्वारा जमा की गई राशि, बिक्री संबंधी खर्चे काटकर, यदि अधोहस्ताक्षरी द्वारा उपयुक्त समझा जाता है, सरकारी खाते में जब्त कर ली जाएगी तथा सम्पत्ति या उसके किसी अंश की अनुवर्ती बिक्री से प्राप्त होने वाली राशि के संबंध में चूककर्ता क्रेता के सभी दावे जब्त माने जाएंगे।
15. सीएचएफआई/सीएच बैंक को बिक्री उद्घोषणा की सूचना सीडी'ज को दस्ती, स्पीड पोस्ट, कुरियर के माध्यम से तथा सम्पत्ति के सुप्रकट भाग में चस्पा करने द्वारा और इसके आसपास के क्षेत्र में ढोल पीटकर देने और सूचना की एक प्रति इस न्यायाधिकरण के सूचना पट पर चस्पा करने का निर्देश दिया जाता है।
16. बिक्री उद्घोषणा की सूचना क्षेत्र में पर्याप्त व्यापक प्रसार वाले अंग्रेजी और स्थानीय भाषा के समाचारपत्रों में भी प्रकाशित करवाई जाए।
17. सीएचएफआई/सीएच बैंक को समाचारपत्रों में विज्ञापन प्रकाशन की पुष्टि करने तथा प्रकाशन के मूल प्रमाण सुनवाई की अगली तिथि को प्रस्तुत करने का निर्देश दिया जाता है।
18. अधोहस्ताक्षरी के पास किसी भी या सभी बोलियों को स्वीकार या अस्वीकार करने, यदि स्वीकार्य नहीं पाई जाती हैं, अथवा बिना कोई कारण बताए किसी भी समय नीलामी प्रास्थगित करने का अधिकार सुरक्षित है तथा इस संबंध में उनका निर्णय अंतिम मान्य होगा।

सम्पत्ति की अनुसूची

बिक्री की जा रही सम्पत्ति का वर्णन	सम्पत्ति या उसके किसी भाग पर निर्धारित राजस्व	सम्पत्ति के संबंध में देय किसी ऋणभार का विवरण	सम्पत्ति के बाबत पेश किया गया कोई दावा तथा अन्य कोई ज्ञात विवरण जो सम्पत्ति की प्रकृति और मूल्य को प्रभावित करता है।
मकान नंबर 1007, खसरा नंबर 204, एनएच-24, भीम नगर, मवई, लोनी, गाजियाबाद-201001	ज्ञात नहीं	ज्ञात नहीं	ज्ञात नहीं

ई-नीलामी बिक्री सूचना की तामील, तामील के प्रमाणों (ट्रैक परिणामों सहित यथा स्पीड पोस्ट तथा कुरियर) तथा दस्ती तामील के प्रमाण, समाचारपत्रों में प्रकाशन के मूल प्रमाण और ई-नीलामी के प्रयोजन हेतु वेबसाइट पर व्यापक प्रचार के प्रमाण प्रस्तुत करने हेतु वाद 18-02-2022 को सूचीबद्ध किया जाए।

(दत्तात्रेय बाजपेयी)
वसूली अधिकारी-।।,
डीआरटी-।।, दिल्ली

हिमालय क्वीन ट्रेन के फर्रुखनगर तक विस्तार की प्रक्रिया शुरू

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह को दी जानकारी

राव इंद्रजीत सिंह की ओर से रेलवे सलाहकार बोर्ड सदस्य गोयल को भेजा पत्र

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

रेलवे सलाहकार बोर्ड के सदस्य डा. डीपी गोयल द्वारा हिमालय क्वीन ट्रेन का गुरुग्राम-रेवाड़ी ट्रेन रूट पर फर्रूखनगर तक विस्तार की मांग पर अब कार्यवाही शुरू हो गई है। इस पत्र पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की ओर से केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह को अगवत कराया गया है। साथ ही केंद्रीय सांख्यिकी कार्यक्रम क्रियान्वयन व योजना राज्य मंत्री की ओर से डा. डीपी गोयल के नाम पत्र भेजकर इस मामले में कार्यवाही की सूचना दी है।

दिल्ली सराय रोहिल्ला से चंडीगढ़ (कालका जी) तक संचालित की जा रही है हिमालय क्वीन एक्सप्रेस ट्रेन के फर्रूखनगर में ठहराव को लेकर रेलवे सलाहकार बोर्ड के सदस्य डा. डीपी गोयल ने प्रयास किए थे। डा. गोयल के अनुसार उन्होंने हिमालय क्वीन एक्सप्रेस ट्रेन संख्या-14095/96 का गुरुग्राम के फर्रूखनगर तक विस्तार की बात कही थी। इस ट्रेन के माध्यम से विभिन्न क्षेत्र गुरुग्राम से सीधे जुड़े जाएंगे। यहां आने-जाने में लोगों को सहूलियत होगी।

डा. डीपी गोयल।

जेडआरयूसीसी सदस्य होने के नाते उन्होंने गुहार लगाई कि दिल्ली सराय रोहिल्ला जंक्शन से कालकाजी तक जाने वाली हिमालय क्वीन एक्सप्रेस ट्रेन का फर्रूखनगर तक विस्तार करें। फर्रूखनगर से यह ट्रेन संचालित होगी तो लोगों को और अधिक सहूलियत होगी। डा. डीपी गोयल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव व केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह का आभार जताया है। साथ ही उम्मीद जताई कि जल्द ही इस ट्रेन का विस्तार फर्रूखनगर तक होने पर यात्रियों को सुविधा मिल जाएगी।

अब 250 नहीं मात्र 50 रुपये में होगा रैपिड एंटीजन टेस्ट

गुरुग्राम। राज्य सरकार की हिदायत के अनुसार गुरुग्राम जिला में कोरोना के रैपिड एंटीजन टेस्ट के रेट 250 रुपये से घटाकर 50 रुपये किए गए हैं। अब कोई भी लैब 50 रुपये से अधिक जांच के लिए नहीं ले सकते।

सिविल सर्जन डा. विरेंद्र यादव ने जिला के सभी निजी अस्पतालों तथा प्राईवेट लैबोरेटरियों को लिखित रूप में आदेश जारी करते हुए चेतावनी दी है कि इन आदेशों की अवहेलना करने पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 के तहत कार्यवाही की जाएगी। कोरोना के रैपिड एंटीजन टेस्ट के रेट 50 रूप्ये कर दिए गए हैं। सिविल सर्जन ने कहा कि कोरोना संक्रमण होने का संदेह होने पर टेस्ट जरूर करवाएं, ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। कोरोना के अन्य प्रकार के टेस्ट का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इस महामारी से संबंधित 4 अन्य टेस्ट भी होते हैं।

टूटी सड़क, जलभराव से परेशान हैं अटलांटिस सोसायटी के निवासी

जीएमडीए के सीईओ से शिकायत देकर की समाधान की मांग

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सेक्टर-31 मे रहेजा अटलांटिस अपार्टमेंट्स के सामने वाली सड़क कई वर्षों से टूटी हुई है और जलभराव बहुत अहम मुद्दा है। कुछ समय की बारिश में ही सड़क पर पानी भर जाता है। वहां की निवासी डॉ. सारिका वर्मा और कमांडर राहुल गुप्ता ने अटलांटिस रेजिडेंट्स एसोसिएशन की तरफ से जीएमडीए के सीईओ सुधीर राजपाल से मिलकर समस्या के समाधान की मांग की है।

डॉ. सारिका वर्मा ने बताया कि पिछले 12 वर्ष से एनएच-48 से रहेजा अटलांटिस की तरफ सड़क सड़क की देखरेख नहीं हुई है। सड़क पूरी तरह से टूट चुकी है। रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने कई बार एमसीजी और सीएम विंडो पर इसके बारे में शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

अक्टूबर 2021 मे निगम कमिश्नर से मिलकर इस सड़क के रिपेयर की कार्रवाई शुरू हुई थी। चार महीने बाद नए जेई ने कह दिया कि सड़क नहीं बन सकती। मास्टर प्लान में यह सड़क शामिल नहीं है। आरडब्ल्यूए के मुताबिक एमसीजी के कागजों में यह सड़क एमसीडी के अधीन ही आती है।

जीएमडीए के सीईओ को सड़क बनाने के लिए मांग पत्र सौंपते रहेजा एटलांटिस के सदस्य।

डॉ. सारिका ने बताया जीएमडीए सीईओ सुधीर राजपाल ने उन्हें आश्वासन दिलाया है कि जलभराव की समस्या का समाधान वाटर हार्वेस्टिंग पिट्स के जरिए करवाया जाएगा। ग्रीन बेल्ट को ठीक-ठाक करवाया जाएगा। उन्होंने एमसीजी कमिश्नर मुकेश अहूजा जी से भी बात करके जल्द से जल्द सड़क ठीक कराने की दरखास्त की। उम्मीद करते हैं कि आदेशों का जल्द पालन होगा और रहेजा अटलांटिस और सेक्टर-31 के नागरिकों को राहत मिलेगी।

गरीबों को नि:शुल्क डायलिसिस सुविधा देगा रोटरी सेंटर

गुरुग्राम के कादीपुर स्थित रोटरी डायलिसिस सेंटर का शुभारंभ करते अतिथि।

गुरुग्राम। रोटरी ब्लड सेंटर कादीपुर में शुक्रवार को डायलिसिस की सुविधा भी शुरू हो गई। यहां बनाए गए डायलिसिस सेंटर का मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन अनूप मित्तल ने शुभारंभ किया।

अनूप मित्तल ने अपने संबोधन में कहा कि बहुत ही खुशी की बात है कि रोटरी क्लब के प्रयास से गुरुग्राम में रोटरी डायलिसिस सेंटर का शुभारंभ हुआ। इस सेंटर को संचालित करने का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को नि:शुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराना है। सभी रोटेरियन के सहयोग से इस उद्देश्य को पूरा किया जाएगा। रोटरी ब्लड सेंटर के प्रेसिडेंट एवं वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. मुकेश शर्मा ने कहा कि रोटरी ब्लड सेंटर पूरे देश में बीमार और जरूरतमंद लोगों को ब्लड उपलब्ध कराने और उनकी जीवन की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। डॉ. मुकेश शर्मा ने कहा कि गुरुग्राम औद्योगिक रूप से विकसित शहर है। मल्टीनेशनल कंपनियां होने के कारण यहां पर श्रमिक और मजदूर तबके के लोगों की संख्या अधिक है। आर्थिक रूप से कमजोर थैलेसीमिया पीड़ित लोगों को इलाज के लिए कहीं भटकने की जरूरत ना पड़े, इसे ध्यान में रखते हुए डायलिसिस सेंटर का संचालन किया जा रहा है।

उद्घाटन अवसर पर जनरल सेक्रेटरी रोटेरियन कंवल सिंह यादव, रोटरी क्लब गुरुग्राम के प्रेसिडेंट रोटेरियन गजेंद्र कुमार, असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन रविंद्र जैन, रोटेरियन दीपक तलवार, रोटेरियन डॉ. सुशील खुराना आदि मौजूद रहे।

लाला लाजपत राय की जयंती पर हुआ कार्यक्रम

होडल। अग्रवाल पुरानी जीटी रोड स्थित अग्रवाल भवन के प्रांगण में शुक्रवार को महान स्वतंत्रता सेनानी पंजाब केसरी लाला लाजपात राय की 157वीं जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारत विकास परिषद के प्रांतीय संयोजक डा. जेके मित्तल ने की।

इस मौके पर अग्र बंधुओं ने लाला लाजपात राय की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। लाला लाजपत राय की जयंती के अवसर पर अग्रवाल भवन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ लाला लाजपत राय की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस मौके पर डा. मित्तल ने कहा कि लाला लाजपत राय भारत के एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्हें पंजाब केसरी भी कहा जाता था। उन्होंने कहा कि लालाजी के विचार व देश के प्रति उनका समर्पण आज भी हम सबको प्रेरणा देता है। मां भारती के लिए उन्होंने अपने प्राणों की आहूति दी। लालाजी की बलिदान व त्याग की भावना पूरे भारत के लिए एक प्रेरणाश्रोत है। उन्होंने कहा कि वह संपूर्ण भारत में राष्ट्रीयता की भावना एवं स्वतंत्रता की अलख जगाने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी थे।

अपनी संस्कृति रूपी जड़ों से जुड़े रहना जरूरी: साध्वी रोशनी बाई

मानव उत्थान सेवा समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालु।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम/रोहतक

मानव उत्थान सेवा समिति की ओर से मानव धर्म के प्रणेता सतपालजी महाराज की शिष्या साध्वी रोशनी बाई की अध्यक्षता में गणतंत्र दिवस एवं श्रद्धेय विभूजी महाराज के पावन जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में इंद्रा कालोनी स्थित शिवकुमार गुप्ता के मकान पर सद्भावना संत सम्मेलन का आयोजन किया गया।

साध्वी रोशनी बाई ने कहा कि मानव उत्थान सेवा समिति देश, धर्म मर्यादा में रहकर सनातन धर्म से जीवन सार्थक कर सकता है। इसलिए यह भारत भूमि संतों के आशीर्वाद से ही वंदनीय है। हम सबको अपने देश के प्रति अच्छी सोच रखनी चाहिए। देश के विकास में हर व्यक्ति को भागीदार बनना चाहिए। अपने लिए तो पशु-पक्षी भी जीते हैं।

अपना पेट वे भी भरते हैं। भगवान ने सिर्फ इंसान को सोचने, समझने, बोलने की क्षमता दी है। इसलिए इंसान सब काम सोच-समझकर करता है। इंसान को चाहिए कि वह समाज में अपनी बेहतर सेवाएं दें। अपनी संस्कृति को भी बचाने में आगे आएं। आज पाश्चात्य संस्कृति बढ़ती जा रही है। यह भारतीय संस्कृति के लिए सही नहीं है। हमें अपनी संस्कृति को ही अपनाना चाहिए। हमारी पौराणिक परम्पराएं घर-परिवार को एकता के सूत्र में बांधती हैं, लेकिन पाश्चात्य संस्कृति से हमें नुकसान पहुंच रहा है। हमारी भावनाएं, संवेदनाएं अपनी संस्कृति में ही हैं।

हमें अपनी पीढ़ियों को अपनी संस्कृति से ना केवल अवगत कराना चाहिए, बल्कि अपने रहन-सहन, खान-पान के तौर-तरीके भी सिखाने चाहिए, ताकि हमारी संस्कृति पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रहे। इस अवसर पर विशेष सहयोगी शिवकुमार गुप्ता, मानव सेवा दल समिति के सदस्य डा. विरेंद्र स्वामी, सूबेदार रामफल, रविकांत, सतबीर, रोहतास, उपमंडल प्रमुख कृष्ण कुमार, राजेश भट्टी, हरिओम शर्मा आदि मौजूद रहे।

दो दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर बैठक हुई

कैलाश मंगला। होडल

नेशनल हाइवे स्थित डबचिक टूरिज्म कॉप्लेक्स के प्रांगण में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान राजेश शर्मा व जिला सचिव योगेश शर्मा ने ब्लॉक कार्यकारिणी की बैठक ली। बैठक की अध्यक्षता ब्लाक प्रधान उदयवीर सौरोत ने की और संचालन ब्लाक सचिव देवेन्द्र नम्बरदार ने किया। राजेश शर्मा व योगेश शर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार को बताना चाहिए कि इस देश में जनवरी 2004 से पहले और जनवरी 2004 के बाद सेवा में लगे कर्मियों पर अलग-अलग पेंशन क्यों लागू है। सभी कर्मियों पर एक समान पुरानी पेंशन स्कीम लागू क्यों नहीं की जा रही है।

उन्होंने यह सवाल किया कि एक राष्ट्र में दो प्रकार की नौकरी (कच्ची व पक्की) नौकरी क्यों है, जबकि काम दोनों प्रकार के कर्मचारी एक जैसा करते थे। सरकार सभी प्रकार के कच्चे कर्मचारियों को पक्का कर एक राष्ट्र व एक समान कर्मचारी का सिद्धांत लागू क्यों नहीं कर रही है। उन्होंने दावा किया कि आगामी 23-24 फरवरी को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व होगी। हड़ताल का संयुक्त किसान मोर्चा ने भी समर्थन का ऐलान किया है।

जिला प्रधान राजेश शर्मा व ब्लॉक प्रधान उदय वीर सौरोत व ब्लाक सचिव देवेन्द्र नम्बरदार ने बताया कि 23-24 फरवरी को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल की प्रमुख मांगों में एनपीएस रद्द कर पुरानी पेंशन बहाली, ठेका प्रथा समाप्त कर कच्चे कर्मियों को पक्का करने, पक्का होने तक समान काम समान वेतन व सेवा सुरक्षा प्रदान करने, छंटनी ग्रस्त कर्मचारियों का समायोजन हो, कच्ची भर्ती बंद हो और कौशल रोजगार निगम भंग हो, नेशनल मुद्रीकरण पाइपलाइन योजना के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों एवं परिसंपत्तियों को बेचने पर रोक लगाने, खाली पड़े लाखों पदों को पक्की भर्ती से भर बेरोजगारों को रोजगार व जनता को बेहतर जन सुविधाएं प्रदान करने, लेबर कोड्स, एचआरए के स्लैब में बदलाव करने, पेंशनर्स की 65,70,75 व 80 वर्ष आयु पर बेसिक पेंशन में पांच प्रतिशत बढ़ोतरी करना आदि शामिल हैं।

शहीद सचिन के नाम पर अलीपुर में बनाएं पीएचसी

सोहना। अलीपुर ग्राम पंचायत ने एसडीएम को उपायुक्त के नाम ज्ञापन पत्र सौंपते हुए शहीद सचिन डागर के नाम पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित किए जाने की मांग की है।

इसके साथ दो अन्य मांगों भी मांगी गई है। अलीपुर निवासी 24 वर्षीय सचिन डागर देश की रक्षा करते हुए कश्मीर के कूपवाड़ा में 17 जनवरी को दिल का दौरा पड़ने से शहीद हो गया था। शुक्रवार को अलीपुर में शहीद सचिन डागर को सामूहिक रूप से श्रद्धांजलि देने के लिए सभा का आयोजन किया। यह श्रद्धांजलि सभा गांव के राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रखी गई।

क्या है तीन मुख्य मांगें

ग्राम पंचायत की तरफ से जिन तीन मांगें रखी गई हैं। उसमें गांव के राजकीय सीनियर सैकेंडरी स्कूल का नाम शहीद सचिन डागर के नाम पर रखा जाए। दूसरी मांग गुरुग्राम-सोहना एलिवेटेड मांग के साथ गांव को आने वाली सड़क के मोड़ पर मुख्य द्वार बनाया जाए। तीसरी मांग गांव में शहीद के सम्मान में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोला जाए।

एसडीएम को दिया मांग पत्र

ग्राम पंचायत की निवर्तमान सरपंच ममता डागर ने बताया कि उपायुक्त के नाम एसडीएम जितेन्द्र गर्ग को शुक्रवार को ग्रामीणों द्वारा मांग पर सौंपा गया है। एसडीएम ने ग्रामीणों को जल्द से जल्द उपायुक्त तक मांग पत्र को पहुंचाने का आश्वासन दिया है।

घाटी में टूटी हुई रिटर्निंग वॉल दे रही मौत को न्योता

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना घाटी में टूटी हुई रिटर्निंग वॉल जान लेवा हादसों को दावत दे रही है। घाटी में कभी भी टूटी हुई दीवार की वजह से चालक के साथ जानलेवा हादसा हो सकता है। सोहना से तावडू जाने वाले मार्ग की घाटी में सड़क के साथ-साथ बनी सुरक्षा दीवार 4 से 5 स्थानों पर टूटी हुई है। टूटी हुई दीवार से स्थान पर कभी भी बाइक-स्कूटी से लेकर भारी वाहन टूटी हुई दीवार से गहरी खाई में कूद सकता है। सर्दी के मौसम में कोहरा छा जाने पर घाटी की टूटी दीवार वाहन चालकों को नजर तक नहीं आती है।

सोहना घाटी में टूटी सुरक्षा दीवार जान लेवा हादसों को दावतें दे रही है।

टूटी दीवार लोगों की जान का खतरा

घाटी के साथ-साथ बने मकानों में रहने वाले लोगों की टूटी हुई दीवारों ने रातों की नींद व दिन का चैन छीना हुआ है क्योंकि जहां-जहां से घाटी की सुरक्षा दीवार टूटी है। वहां पर पक्के मकान बनाकर रह रहे लोगों की वाहन कूदने से जान को खतरा है। बाल किशन का कहना है कि घाटी से अभी तक भारी वाहन ही दीवारों को तोड़कर 20 से 30 फुट गराई में गिरे हैं। घाटी की टूटी दीवारों को लोक निर्माण विभाग टूटी दीवारों का निर्माण नहीं करा रहा है।

ऐसा कहते हैं अधिकारी

लोक निर्माण विभाग के एसडीओ अजीत सिंह ने बताया कि टूटी दीवारों का निर्माण कराने के लिए इस्टीमेट बनाकर पंचकूला स्थित उच्चाधिकारियों के कार्यालय में मंजूरी के लिए भेजा हुआ है। बजट आने के साथ ही दीवारों का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

दबंगों ने पीड़िता के मकान पर किया कब्जा

मकान खाली कराने के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है पीड़िता

पीड़ितों को दबंगों से जानमाल का भी बना हुआ है खतरा

पायनियर समाचार सेवा। होडल

कस्बा हसनपुर के गांव सहनौली में मकान पर दबंगों द्वारा किए गए कब्जे को खाली कराने के लिए मां-बेटे दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं। पीड़ितों द्वारा पुलिस के समक्ष गुहार लगाने के बावजूद भी उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। पीड़ित पुलिस पर दबंगों से मिलीभगत के आरोप लगा रहे हैं। पीड़ितों को दबंगों से जानमाल का भी खतरा बना हुआ है।

थाना हसनपुर के अंतर्गत गांव सहनौली निवासी महिला कमला देवी ने हसनपुर थाना पुलिस को दी शिकायत में कहा कि 2017 में उसके पुत्र शिवदत्त ने गांव सहनौली में एक 150 वर्गगज प्लॉट का सौदा सुरेश को पूरे रुपये देकर किया था। उसने शिकायत में बताया कि वह दोनों मां-बेटा प्लॉट में घर बनाकर रहने लगे, लेकिन 2020 में सुरेश ने उसी प्लॉट का सौदा गांव काशीपुर निवासी रणबीर के साथ कर दिया। उसने बताया कि शिवदत्त ने इस मामले की शिकायत पुलिस व अदालत को दी थी। कमला देवी ने बताया कि जब हम मां-बेटे बाहर गए थे तो रणबीर ने हमारे मकान का ताला तोड़कर उस मकान पर जबरन कब्जा कर लिया। महिला ने बताया कि जब मैं तथा मेरा पुत्र घर पर पहुंचे तो वहां पहले ही दर्जनों महिला-पुरूष मौजूद थे और उन्होंने हमारे साथ मारपीट की और हमें वहां से भगा दिया। पीड़िता ने बताया कि उन्होंने हमारे घर में रखे कीमती सामान, सोना-चांदी व नगदी आदि को भी अपने कब्जे में ले लिया। पीड़िता ने बताया कि उन्होंने इस मामले की शिकायत हसनपुर थाना पुलिस से की, लेकिन पुलिस ने दबंगों के साथ सांठगांठ कर हमारी कोई मदद नहीं की। पीड़िता ने बताया कि जब पुलिस ने हमारी गए ना सुनी तो हमने अदालत का सहारा लिया। अदालत से मकान खाली करने के आदेश आने के बाद भी दबंगों ने हमारा मकान खाली नहीं किया। पीड़िता ने बताया कि वह मकान खाली कराने के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं। इस मामले में हसनपुर थाना प्रभारी मोहरपाल सिंह का कहना है कि उन्होंने पीडिता की शिकायत पर मामला दर्ज किया हुआ है।

नप का सड़कों किनारे लगे अवैध होर्डिंगों पर शिकंजा कसना शुरू

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

नगर परिषद ने क्षेत्र में अवैध रूप से स्थापित होर्डिंगों पर शिकंजा कसना शुरु कर दिया है। बीते दो दिन में चला अभियान में 50 से 60 होर्डिंग हटाए गए। जिसके चलते होल्डिंग माफि याओं में हड़कंप मच गया है। नगर परिषद अधिकारी जल्द ही सड़कों व सार्वजनिक स्थलों को होल्डिंग हटाने का दावा कर रहे हैं।

शहर से गुरुग्राम, पलवल, नूंह, तावडू को जाने वाले मार्गों पर अवैध होर्डिंग लगे हुए हैं। विज्ञापन माफिया बगैर किसी सरकारी अनुमति के अपने अवैध कारोबार को अंजाम दे रहे हैं। जिससे नगर परिषद को हर माह लाखों रुपये का आर्थिक घाटा हो रहा है। किंतु बावजूद इसके ऐसे कारोबार को अंजाम देने वाले बेखौफ होकर अपना कार्य कर रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि विज्ञापन माफियाओं को नेताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। जिसके कारण ये खेल बेरोकटोक चल रहा है। माफियाओं ने इलाके को पूर्ण रूप से पाट डाला है। जिन्होंने बगैर प्रशासनिक अनुमति लिए जबरन सार्वजनिक स्थलों, दीवारों, खम्भों, फुटपाथ आदि पर विज्ञापन होल्डिंग लगाकर जबरन अतिक्रमण कर डाला है। जिनपर नेताओं व कमर्शियल आदि के विज्ञापन अंकित हैं। माफिया लोग विज्ञापन व होर्डिंग दाताओं से मोटी रकम वसूलते हैं। यह अवैध कारोबार कई वर्षों से चल रहा है। वहीं इस अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए गुरुवार से नगर परिषद ने अभियान शुरू किया। जो शुक्रवार को जारी रखते हुए अवैध होल्डिंगों को हटाया गया। जिसके चलते माफि याओं में बेचैनी व्याप्त है।

नगर परिषद के कर्मचारी गुरुग्राम मार्ग पर टंगे अवैध होल्डिंगों को हटाते हुए।

ऐसा कहते हैं अधिकारी

नगर परिषद के म्यूनिसिपल इंजीनियर सुशील ठाकरान कहते हैं कि अवैध होर्डिंग्स को अभियान चलाकर हटा दिया गया है। यह कार्यवाही नियमित रूप से चलती रहेगी। उन्होंने यह भी बताया कि परिषद जल्द ही विज्ञापन नीति को लागू करेगी। जिसका प्रारूप प्रशासन को भेज दिया है। जिसके रेटों का निर्धारण होने के बाद टेंडर दिया जाएगा।

युवाओं को कौशल रोजगार निगम पोर्टल से मिलेगा कॅरियर

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार द्वारा युवाओं को करियर संबंधी जानकारी देने के उद्देश्य से हरियाणा कौशल रोजगार निगम पोर्टल लांच किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से युवाओं को करियर सम्बन्धी जानकारी देकर उनका कौशल विकास किया जाएगा।

डीसी डॉ. यश गर्ग ने बताया कि युवाओं को पोर्टल के माध्यम से हरियाणा के सरकारी विभाग, निगम, बोर्ड, विश्वविद्यालय व अन्य सरकारी संस्थान आदि में रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा, जिसके लिए प्रार्थी को पोर्टल पर ऑनलाईन पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण करने के लिए परिवार पहचान पत्र सहित अन्य दस्तावेज व प्रमाण पत्र होने अनिवार्य है। डीसी ने बताया कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम के पोर्टल पर राज्य के युवा विभिन्न पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। सरकार द्वारा इस प्रणाली पर रखे गए कर्मचारियों को ईपीएफ, ईएसआई आदि जैसी सभी सुविधाओं का लाभ भी प्रदान किया जाएगा।

45 वर्षों में दो करोड़ पेड़ लगा चुके पीपल बाबा

सिरसा के रहने वाले थे पीपल बाबा के पिता

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

पर्यावरण संरक्षण को 45 वर्षों से अनवरत साधना में लगे पीपल बाबा के जन्मदिवस और स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव पर हरियाली क्रांति अभियान ने इस वर्ष पीपल-बरगद पौधारोपण का सबसे बड़ा अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है।

पीपल बाबा के संरक्षण में गुरुग्राम के मानेसर के कर्मा लेक लैंड में दुनिया की सबसे बड़ी पीपल व बरगद के पौधों की नर्सरी की शुरुआत पिछले वर्ष की गई है। इसे इस वर्ष और विस्तार देने की योजना है, ताकि जरुरत के मुताबिक पौधों का उत्पादन हो सके। बीते 45 वर्षों में पीपल बाबा 2 करोड़ 30 लाख पेड़ लगा चुके हैं। हरियाली क्रांति अभियान के जन्मदाता व गिव मी ट्री ट्रस्ट के संस्थापक पीपल बाबा का जन्म गणतंत्र दिवस के दिन 26 जनवरी 1966 को चंडीगढ़ में हुआ था। इनके पिता सिरसा के रहने वाले थे और वर्तमान में वे पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार में रहकर एनसीआर सहित देश के कोने-कोने में हरियाली क्रांति की मूहिम चला रहे हैं। अपने शिक्षक से प्रभावित हो पीपल बाबा 10 वर्ष की उम्र से ही पौधारोपण मुहिम से जुड़ गये। आज वे हरित क्रांति, श्वेत क्रांति की तर्ज पर देशव्यापी हरियाली क्रांति अभियान चला रहे हैं।

गुरुग्राम के मानेसर कर्मा लेक लैंड में युवाओं को पर्यावरण के प्रति जागरुक करते पीपल बाबा।

लॉकडाउन में 100 करोड़ से अधिक पौधे हुए बर्बाद : पीपल बाबा के मुताबिक मानेसर के कर्मा लेक लैंड स्थित नर्सरी की सुरक्षा व पानी की उचित व्यवस्था है। देश का राष्ट्रीय वृक्ष बरगद और हरियाणा का राजकीय वृक्ष पीपल है, जिससे यहां से बरगद व पीपल के पौधों को लगाने का संदेश पूरे देश में जायेगा। उन्होंने बताया कि कोरोना लॉकडाउन के दौरान देश में 100 करोड़ से अधिक पौधों की नर्सरी बर्बाद हुई। उनका प्रयास है, इस वर्ष पौधारोपण को धार देकर इसके प्रभाव को कुछ कम किया जाए। उन्होंने कहा, अबतक वे 18 राज्यों के 205 जिलों में पौधारोपण अभियान चलाए, जिसमें 17 हजार से ज्यादा स्वयंसेवक जुड़कर देश में हरियाली क्रांति अभियान की अलख जगा रहे हैं।

गुरुग्राम-एनसीआर में लगाए हैं 13 लाख से अधिक पेड़

गुरुग्राम सहित एनसीआर में ही हरियाली क्रांति अभियान के तहत 13 लाख से ज्यादा पौधे लगाये गये, जो अब पेड़ बन चुके हैं। नोएडा के सेक्टर 115 में नोएडा अथारिटी के 10 एकड़ जमीन में 68 हजार पेड़ों का जंगल तैयार किया है, जिसे हरित उपवन कहते हैं। इसके आलावा जौनापुर स्थित बाबा नीम करौली मंदिर के आसपास अरावली रेंज में भी एक बड़ी हरित पट्टी विकसित किया जा रहा है। ग्रेटर नोएडा में 2 लाख पेड़, मेरठ में नीम अभियान के अंतर्गत 5 लाख पेड़, लखनऊ में 3 लाख पेड़ों का हरित क्षेत्र अटल उदय उपवन तैयार किया। अब पीपल बाबा की टीम देश में हरियाली क्रांति अभियान के अंतर्गत गांवों को गोद लेकर पौधे लगाकर हरियाली क्रांति चला रहे हैं।

पायनियर
नई दिल्ली, शनिवार, 29 जनवरी , 2022

10 माह में साढ़े 10 हजार लोग बने आवारा पशुओं का शिकार

नगर निगम का पशु पकड़ने का दस्ता साबित हो रहा सफेद हाथी

निगम की टीम 311 ऐप पर आई शिकायतों को कर रही बंद

कविता। फरीदाबाद

बीके में बच्चे को रैबीज का इंजेक्शन लगाता फार्मासिस्ट।

रैबीज के इंजेक्शन लगवाने को लगी लम्बी लाइन।

जिले में आवारा पशुओं का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। नगर निगम द्वारा आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए कितनी भी टीमें क्यों न गठित कर रखी हो, लेकिन इसके बावजूद जिले में आवारा पशुओं के काटने संबंधित मामले दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। दिसंबर में आवारा पशुओं के काटने संबंधित मामले 1926 आए हैं।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा दर्शाए गए वर्ष 2021 के आकड़ों के मुताबिक बादशाह खान अस्पताल में मार्च से नवंबर माह तक कुल 10,742 मरीज आवारा पशुओं के काटने संबंधित इंजेक्शन लगवाने के लिए आए थे। इन आकड़ों को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिले में आवारा पशुओं का कहर कितना बढ़ रहा है। जबकि नगर निगम के पास आवारा पशुओं को पकड़ने का दस्ता भी मौजूद है। यह दस्ता पशुओं को पकड़ने की बजाए क्या कर रहा है। इस बारे में किसी को नहीं पता। वहीं 311 ऐप पर शिकायत करने वालों की शिकायतों पर सुनवाई नहीं की जा रही है। एनएच-दो निवासी की एक व्यक्ति की शिकायत पर बिना जांच के शिकायत बंद कर दी गई। पीड़ित के द्वारा एक बार फिर शिकायत दी गई है।

जानकारी के मुताबिक आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए नगर निगम द्वारा एक दस्ता बनाया हुआ है, लेकिन अब तक इस दस्ते ने शहर से आवारा पशुओं को नहीं पकड़ा है। जिससे शहर के लोगों का आवारा पशुओं ने जीना दुर्भर कर रखा है। लोग आये दिन श्वान, बिल्लियों और बन्दरों के काटने का शिकार बन रहे हैं। इन मरीजों की संख्या प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। दिसंबर माह में आवारा पशुओं के काटने के मरीजों की संख्या बीके अस्पताल की में 1926 थी। जिसमें नए मरीजों की संख्या 765 है। बीपीएल कार्ड वाले मरीजों की संख्या 66 व पैसे देकर इंजेक्शन लगवाने वाले मरीजों की संख्या 1860 थी। अस्पताल के फार्मासिस्टों ने बताया कि आवारा कुत्तों के काटने संबंधित मामले इस माह अधिक बढ़े हैं।

गत वर्ष आने वाले मरीज

माह	बीपीएल कार्ड	भुगतान	कुल
जनवरी	000	000	000
फरवरी	000	000	000
मार्च	24	542	566
अप्रैल	35	1001	1036
मई	21	297	318
जून	42	984	1026
जुलाई	73	1092	1165
अगस्त	56	1033	1189
सितंबर	45	966	1011
अक्टूबर	55	1191	1246
नवंबर	62	1297	1359
दिसंबर	66	1860	1926

दशहत फैलाने के लिए हथौड़ा गैंग ने सरेआम युवकों को बेरहमी से मारा

वीडियो वायरल होते ही थाना ओल्ड ईवीआर ने एक आरोपी को किया काबू

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वायरल वीडियो में सरियों से युवक के हाथ-पैरों पर चोट मारते हमलावर।

गिरफ्तार आरोपी की जानकारी देते पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह।

बीती रात सेक्टर 18 में स्थित एक ढाबे के बाहर कुछ युवकों ने एक युवक को दबोचकर बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। आरोपी दशहत फैलाने के लिए हथौड़े और तंदूर के सरियों से युवक पर बेरहमी से वार पर वार कर रहे थे, जिसका वीडियो किसी ने वायरल कर दिया। सूचना मिलते ही थाना ओल्ड फरीदाबाद की ईआरवी 181 मौके पर पहुंच गई और एक आरोपी को काबू कर लिया। जबकि अन्य भागने में कामयाब हो गए। थाना ओल्ड फरीदाबाद प्रभारी दिनेश ने बताया कि आरोपी साहिल, निकी और अर्जुन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी इंदिरा कॉम्पलैक्स निवासी साहिल को मौके से ही काबू कर लिया।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि आरोपियों ने बीती रात करीब नौ बजे हुड्डा मार्केट-सेक्टर-18 के कार्तिक रेस्टोरेंट के पास तीन बदमाशों ने एक युवक को तंदूर में रोटी सेकने वाली सरियों से हाथ-पैरों पर चोट मारी है। डायल 112 इआरवी 181 इंचार्ज सब इंस्पेक्टर बेगराज की टीम ने एक आरोपी साहिल को काबू कर लिया है। अन्य दो आरोपी निकी और अर्जुन मौके से फरार होने में कामयाब हो गए। पीड़ित व्यक्ति को इआरवी 181 द्वारा बीके हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी और पीड़ित गांव मवई का रहने वाले है। पीड़ित तोसीम उर्फ वसीम अपने दोस्तों के साथ हुड्डा मार्केट-सेक्टर-18 कार्तिक रेस्टोरेंट्स में खाना खा रहा था।

वहीं तीनों आरोपी भी खाना खाने आ रए थे। जिन्होंने ड्रिंक कर रखी थी। दोनों पक्ष आपस में एक दूसरे को जानते हैं। उनमें किसी बात को लेकर तूतू-मैं-मैं हुई जो हाथापाई में बदल गई। मौके पर मौजूद लोगों ने छुट-छुड़ावा करा दिया। तीनों आरोपियों ने रेस्टोरेंट से बाहर आकर तंदूर की सरिया लेकर तोसीम के बाहर आने पर हमला कर दिया था। जिसमें पीड़ित तोसीम को काफी चोट आई। मौके पर ही इआरवी 181 इंचार्ज सब इंस्पेक्टर बेगराज अपनी टीम के साथ पहुंचे और आरोपी साहिल को काबू कर लिया। अन्य दो आरोपी फरार हो गए थे। मौके पर पहुंची इआरवी 181 घायल तोसीम को बीके हॉस्पिटल लेकर गई। इआरवी 181 ने आरोपी साहिल को थाना पुलिस के हवाले कर दिया। पीड़ित की मां के बयान पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फरार आरोपी निकी और अर्जुन को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। दोनों पक्ष आवारा किस्म के युवक हैं।

महामारी अलर्ट : दस फरवरी तक बंद रहेंगे स्कूल और कॉलेज

जिले में दस फरवरी, प्रातः 5 बजे तक लागू रहेंगी पाबंदियां

पब्लिक मीटिंग्स, रैली, धरने, प्रदर्शनों पर भी रोक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिलाधीश जितेन्द्र यादव ने कहा कि जिला फरीदाबाद को सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार प्रदेश में कोरोना के बढ़ते केसों के चलते सरकार ने महामारी अलर्ट सुरक्षित हरियाणा के तहत मिनी लॉकडाउन की पाबंदिया जारी कर दी हैं। जिलाधीश जितेन्द्र यादव ने कहा कि जिला में कोविड के प्रकोप के चलते 26 जनवरी से 10 फरवरी तक सभी राजकीय व प्राइवेट स्कूल, कॉलेज, पॉलीटेक्निक, आईटीआई, कोचिंग इंस्टीट्यूट, लायब्रेरी तथा ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहेंगे। स्कूलों में 15 से 18 वर्ष आयु के किशोरों के लिए सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अलावा जिला में मॉल और मार्केट शाम सात बजे तक ही खुले रखे जा सकते हैं। बार और रेस्टोरेंट 50 प्रतिशत सीटिंग क्षमता के साथ ही संचालित होंगी।

जिलाधीश जितेन्द्र यादव ने जिला में यह दिशा-निर्देश हरियाणा राज्य आपदा प्रबंधन अथॉरिटी के चेयरमैन तथा हरियाणा के मुख्य सचिव ने जारी किए महामारी अलर्ट-सुरक्षित हरियाणा आपदा प्रबंधन एक्ट 2005 के सैक्शन 51 से 60 के आदेशानुसार जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार जिला में अंतिम संस्कार और विवाह समारोह में क्रमश 50 और 100 लोगों से ज्यादा भाग नहीं ले सकते हैं, उन्हें भी कोविड अनुकूल व्यवहार तथा सोशल डिस्टेंसिंग नियमों का पालन करना होगा। एनजीओ तथा शहरी स्थानीय निकायों को पब्लिक में मास्क वितरण की सलाह दी गई है। जिला में 'नो मास्क नो सर्विस' का दृढ़ता से पालन किया जाएगा। कोविड अनुकूल व्यवहार का उल्लंघन करने वालों तथा मास्क नहीं पहनने और सोशल डिस्टिंसिंग आदि का पालन नहीं करने वालों पर 500 रुपये जुर्माना किया जाएगा। संस्थान यदि इन नियमों की अवहेलना करता है तो उस पर पांच हजार रुपये जुर्माना होगा। उन्होंने आगे कहा कि रात्रि 11 बजे से सुबह पांच बजे तक आवागमन पर प्रतिबंध रहेगा।

रियल एस्टेट के नाम पर धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वर्ष 2019 में, मैसर्स आरवीए रियलकॉन प्राइवेट लिमिटेड के नाम से रियल एस्टेट का काम करने वाली कंपनी के नाम पर सैकड़ों लोगों से करोड़ों की ठगी करने वाले आरोपी नंदकिशोर को पुलिस चौकी सेक्टर-11 की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी के विरुद्ध दिल्ली, उत्तरप्रदेश व फरीदाबाद में उक्त कंपनी के अंतर्गत मकान व जमीन बेचने का झांसा देकर ठगी करने के दो दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं। जिनमें से सबसे ज्यादा, 25 केस उत्तरप्रदेश के गौतमबुद्धनगर के विभिन्न थानों में दर्ज हैं। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने इस मामले में जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी नंदकिशोर अपने अन्य साथियों के साथ उक्त कंपनी का विज्ञापन दिखाकर सौदा पक्का कर लेता था। इसके बाद ग्राहकों से अग्रिम राशि लेकर अपना ऑफिस दूसरी जगह शिफ्ट होने की बात कहकर फरार हो जाता था।

आम आदमी पार्टी का सीपी ऑफिस पर प्रदर्शन

अपराधियों को संरक्षण देने वालों पर हो कार्यवाही : भड़ाना

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस कमिश्नर के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता।

आम आदमी पार्टी ने पुलिस कमिश्नर फरीदाबाद के मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। पकंज शर्मा मुरादाबाद के नारे भी लगाए। डबुआ थाने के अंतर्गत 5 दिसंबर को एक 14 वर्ष की लड़की गायब हुई थी, जो 17 तारीख को एक पार्क में बैठे हुई मिली थी। पार्क में घूमने आए लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लड़की का बयान कराया और फिर पुलिस ने लड़की का मेडिकल कराया, जिसमें लड़की से बलात्कार की पुष्टि हो जाती है, लेकिन अभी तक पुलिस ने दोषी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है और परिजनों ने यह भी बताया कि आरोपी परिजनों को जान से मारने की धमकी भी दे रहा है। इसी मुद्दे को लेकर आज आम आदमी पार्टी ने पुलिस कमिश्नर के कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इस मुद्दे पर आम आदम पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मवीर भड़ाना ने कहा डबुआ कॉलोनी की 14 वर्षीय बेटी के साथ बलात्कार हुआ यह बहुत दुखद बात है और सबसे बड़ी दुखदाई बात यह है कि बलात्कारी एक महीने बाद गिरफ्तार होता है। उन्होंने कहा कि बिटिया और बिटिया के परिवार को डराने धमकाने का जो काम किया है इससे वह अपनी दबंगई दिखाकर परिवार को डरा रहा है। उस परिवार से दबाव में बयान दिलवाए हैं कि ऐसा कुछ नहीं हुआ है, बलात्कार हुआ ही नहीं है इसी वजह से पुलिस ने उसे आज तक अरेस्ट नहीं किया है न उसके ऊपर आज तक कोई कानूनी कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि मैं और आम आदमी पार्टी के सारे कार्यकर्ता सभी साथी इस दलित परिवार पीड़ित परिवार के साथ हैं। इनको जो जाति सूचक शब्द बोले गए हैं और डराया धमकाया गया है। आम आदमी पार्टी दलित परिवार के साथ खड़ी है। यहां हम यह मांग करने आए हैं पंकज शर्मा जो मुख्य आरोपी है, उसको जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और उसके खिलाफ जल्द से जल्द कानूनी कार्रवाई की जाए। हम परिवार के साथ अंत तक हैं। जहां भी परिवार को इंसाफ दिलाने के लिए जाना होगा, हम परिवार के साथ हमेशा तत्पर हैं। आखिरी दम तक दलित परिवार के साथ हम हैं।

बैठक में सरकार के खिलाफ गरजे कर्मचारी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बिजली निगम के सब डिवीजन कार्यालय पर नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन करते बिजली निगम के कर्मचारी।

हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड वर्करज यूनियन की केंद्रीय कमेटी के आह्वान पर प्रदेश के समस्त बिजली कर्मियों ने सब डिवीजनों पर गेट मीटिंग करते हुए अपना रोष व्यक्त कर आगामी आंदोलन की शुरुआत की। प्रदेश के कर्मचारियों में निगम मैनेजमेंट व सरकार की रोजाना नये-नये नियमों और कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ भारी आक्रोश है। कर्मचारियों ने दिन-रात एक करके इस महकमे को घाटे से मुनाफे की ओर उबारने का काम किया है। साथ ही कोरोना काल में हरेक कर्मचारी ने अपनी जान को जोखिम में डाल कर निर्बाध बिजली आपूर्ति कराई बल्कि सम्पूर्ण प्रदेश में लगे लॉकडाउन को सफल बनाने काम किया।

सुनील खटाना प्रदेश महासचिव, सर्कल सचिव सनतराम लाम्बा, केंद्रीय कमेटी के सतीश छाबड़ी सहित चारों यूनिटों के प्रधान जिनमें ओल्ड फरीदाबाद से लेखराज चौधरी, एनआईटी फरीदाबाद के प्रधान विनोद शर्मा, बल्लभगढ़ के प्रधान कर्मवीर व ग्रेटर फरीदाबाद के प्रधान सुनील कुमार आदि कर्मचारी नेताओं ने संबोधित करते सरकार व मैनेजमेंट पर आरोप लगाते हुए बताया कि जब पूरा विश्व इस वैश्विक महामारी की चपेट में आर्थिक संकट से जूझ रहा था। ऐसे समय मे भी बिजली कंपनियों की राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में बिजली निगम को देश मे दूसरे स्थान पर लाकर प्रदेश का नाम रोशन का काम किया, लेकिन बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है, कि जब देश मे लॉकडाउन लगा था तब हमारी सरकार कर्मचारियों के लिये तोहफे में ऑनलाइन ट्रान्सफर पॉलिसी को लाकर कर्मचारियों को कोसों दूर करने का काम किया। इतना ही नही सीमित साधन व संसाधनों के साथ साथ मैन पावर की कमी से जूझते इस महकमे में राइट टू सर्विस एक्ट को लागू कर कर्मचारियों को प्रताड़ित करने का काम किया। प्रदेश में हजारों कच्चे कर्मचारी जो एक लम्बे समय से पक्का होने बाट जोह रहे थे और सरकार ने सत्ता में आने से पूर्व एक कलम से उन कच्चे कर्मियों को पक्का करने के वायदे करे थे, उन्हें पक्का करना तो दूर की बात सरकार ने कौशल रोजगार निगम बनाकर कई वर्षो से लगे कच्चे कर्मचारियों के वर्तमान वेतन को भी कम करने व इससे स्थाई भर्ती पर पूर्ण विराम लगाने काम सरकार कर रही है। श्रमिकों के 26 कानूनों को तोड़ मरोड़ कर पूंजीपतियों को चार कानूनों में तब्दील करने का काम किया व ना तो कोरोना काल मे जान गंवाने वाले बिजली कर्मियों के आश्रितों को 50 लाख रुपये मुआवजा मिला और ना ही वर्तमान में कार्यरत कर्मचारी को कोरोना वारियर्स का दर्जा प्राप्त हुआ बल्कि सरकार ने इस कोरोना महामारी की आड़ में कर्मचारियों का 18 महीने के डीए तक को रोके बैठी है। बिजली बिल संशोधन के नाम पर विभागों का निजीकरण करने पर आमादा है।

हमारी मुख्य मांगों में एनपीएस प्रणाली को बंद कर पुरानी पेन्शन बहाली कराना, कच्चे कर्मचारियों को जब तक पक्का नहीं किया जाता तब तक सर्वोच्चय न्यायालय के आदेशानुसार समान काम समान वेतनमान देना, कर्मचारियों के लिये पूर्णतः कैशलेस मेडिकल चिकित्सा सुविधा बिना सशर्त लागू करना, एक्सग्रेसिया पॉलिसी लागू करना, फ्री यूनिट्स लागू करना, जोखिम भत्ता देना, क्लेरिकल कर्मियों को वर्दी देना, समुचित टी एन्ड पी सहित संसाधन देना आदि माँगें हैं जिनपर निगम और सरकार चुप्पी साध रहे हैं। इन सभी मांगों के साथ-साथ 31 जनवरी को प्रदेश की सभी डिवीजन कार्यालयों पर प्रदर्शन होंगे व 08 फरवरी को प्रदेश के सभी सर्कल कार्यालयों पर, 14 फरवरी को हिसार मुख्यालय पर, 17 फरवरी को पंचकूला मुख्यालय पर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किये जायेंगे।

अमृता हॉस्पिटल में लगा वैक्सीनेशन कैम्प

अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में वैक्सीनेशन कैम्प।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

देश में कोरोना एक बार फिर से पैर पसार रहा है। कोरोना जैसी महामारी पर विजय पाने के लिए सभी आगे आ रहे है। इसी कड़ी में अमृता इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस हॉस्पीटल, फरीदाबाद में वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन किया गया।

कैम्प जिला स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत चल रहे सीएचसी सेंटर खेड़ी कला द्वारा लगाया गया। सीएचसी सेंटर के डॉ. गजेन्द्र अधाना की देखरेख में लगाए गए इस कैम्प में 180 लोगों को टीका लगाया गया। डॉ. अधाना ने बताया कि कैम्प में कोविशिल्ड 160 को लगाई गई और कोवैक्सीन की डोज 20 लोगों को लगाई गई। जिसमें 60+ लोगों को बूस्टर डोज भी लगाए गए। इस कैंप में खेड़ी की मेडिकल टीम द्वारा कोविड वैक्सीनेशन किया गया। इस टीकाकरण के दौरान कोविड प्रोटोकोल का पालन किया गया। इस मौके पर अमृता इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस हॉस्पिटल से स्वामी निजामृतानंद पुरी ,स्वामी स्वप्रकाशामृता के अलावा डॉ. हिमालय गुप्ता आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

मास्क वितरित किए

लोगों को मास्क वितरित करते एसएचओ कोतवाली हुकुम सिंह, एसएचओ एनआईटी जयवीर सिंह और पुलिस की आवाज संस्था के पदाधिकारी।

फरीदाबाद। 73 वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में कोरोना नामक महामारी से बचाव के लिए पुलिस की आवाज (एनजीओ) की टीम ने एसएचओ हुकम सिंह (पुलिस स्टेशन कोतवाली फरीदाबाद) व एसएचओ जयवीर (पुलिस स्टेशन एनआईटी फरीदाबाद) के साथ मिलकर एनआईटी एक और पांच की मार्केट में मास्क वितरित किये। एनजीओ के सदस्यों ने लोगों को मास्क पहनकर घर से बाहर निकलने के लिए जागरूक किया। उन्होंने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि मास्क न पहनने वालों, यातायात नियमों का पालन न करने वालों और नो पार्किंग में वाहन खड़े करने वाले लोगों के चालान कटवाने में पुलिस का सहयोग करें।

निगमायुक्त ने 311 ऐप के माध्यम से किया निरीक्षण

नगर निगम के कर्मचारियों की 311 ऐप द्वारा हाजिरी का निरीक्षण करता निगम अधिकारी।

फरीदाबाद। निगमायुक्त यशपाल ने निगम के सहायक अभियंताओं, कनिष्ठ अभियन्ताओं, सफाई निरीक्षकों, एएसआई, सफाई दरोगा के साथ एक ऑनलाइन बैठक की और बैठक में फरीदाबाद 311 ऐप के माध्यम से सफाई कर्मचारियों की हाजरी का निरीक्षण करने, विभिन्न अनियमितताऐं जैसे-दुकानदारों द्वारा सरकारी जमीनों पर कब्जा करना, कूड़ा-करकट इधर-उधर फैंकना, सरकारी इमारतों पर पोस्टर लगाना आदि के खिलाफ चालान जारी करने बारे निर्देश दिये। इसी श्रृंखला में उपस्थिति का निरीक्षण करने के लिए सहायक अभियंताओं/ कनिष्ठ अभियन्ताओं, सफाई निरीक्षकों/एएसआई/सफाई दरोगा की विभिन्न टीमों का गठन किया गया और इन टीमों ने 27 और 28 जनवरी को फरीदाबाद 311 ऐप के माध्यम से सुबह 8 बजे और दोपहर 1 बजे उपस्थिति का निरीक्षण किया और अपनी-2 रिपोर्ट निर्धारित प्रोफार्मा में 3.00 बजे अतिरिक्त निगमायुक्त कार्यालय में भेजी। निगमायुक्त ने बताया कि 27 जनवरी के निरीक्षण के दौरान कुल 2906 कर्मचारियों में से 327 कर्मचारी अनुपस्थित पाये गये, जबकि 28 जनवरी के निरीक्षण के दौरान 124 कर्मचारी अनुपस्थित पाये गये। इन सभी अनुपस्थित कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। निगमायुक्त ने आगे बताया कि ऐसे निरीक्षण वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी समय समय पर किये जायेंगे।

परीक्षा को लेकर अभाविप के कार्यकर्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

जेसी बोस विश्वविद्यालय परीक्षा को लेकर ज्ञापन देते अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद फरीदाबाद के सदस्य।

फरीदाबाद। जेसी बॉस विश्वविद्यालय में परीक्षा संबंधी आ रही समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद फरीदाबाद के कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सौंपा। जिला मीडिया संयोजक रवि पांडे ने कहा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद छात्रों हितों के लिए निरन्तर संघर्षरत है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा की तिथि जारी किया गया है। जिसके कारण दूसरे राज्यों में रहने वाले छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इंजीनियरिंग के छात्रों के गेट के महत्वपूर्ण परिक्षाएं भी जोकि दिनाक 5, 6, 12, 13 फरवरी को है। वहीं विवि द्वारा 8 फरवरी से परिक्षाओं की डेटसीट जारी किया गया है। जिस कारण दूर करने छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा, दूरदराज के विद्यार्थियों के आने के लिए 10 दिनों का समय बहुत कम है। कुछ विद्यार्थी डबल वेक्सीनेटेड नहीं हैं, उनकी दूसरी डोज की नियत तिथि फरवरी के बाद है, उनका क्या होगा? अभाविप मांग करती है कि परिक्षा की तिथि बढ़ाई जाएं। जैसे महत्वपूर्ण मांगों को लेकर रजिस्ट्रार वाईएमसीए विश्वविद्यालय डॉ. सुनील कुमार गर्ग ने ज्ञापन लेते हुए कहा कि आपकी मांगों को हम विश्वविद्यालय वीसी के समक्ष रखेंगे। इस अवसर पर पलवल जिला संयोजक हितेश वशिष्ठ, राहुल, सुमित, सोनिया, कुमार, दीपक, अमन, हिमांशु, कुणाल, सौरव, कनिका उपस्थित रहे।

शहीदों को दी जाएगी श्रद्धांजलि : सतबीर मान

फरीदाबाद। अतिरिक्त उपायुक्त सतबीर मान ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों को 30 जनवरी को मौन श्रद्धांजलि दी जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकारी हिदायतों के अनुसार स्वतंत्रता संग्राम के शहीद सेनानियों को जिला के सभी सरकारी कार्यालयों में 30 जनवरी को दो मिनट का मौन धारण करके स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों श्रद्धांजलि दी जाएगी।

कोरोनाः एक मौत, 407 पॉजिटिव और 1061 ने जीती जंग

कोरोना की जांच करवाता एक व्यक्ति।

फरीदाबाद। जिले में 407 नए कोरोना संक्रमित मरीज सामने आए हैं। वहीं जिला स्वास्थ्य विभाग ने एक मौत होने की पुष्टि की है। कोविड-19 के मृतकों की संख्या का आंकड़ा 733 पर पहुंच गया है। जिले में एक्टीव केस 5440 हो गए है। जिसमें होम आईसोलेशन में 5318 और अस्पताल में दाखिल मरीजो की संख्या 122 है। जिसमें 27 ऑक्सीजन, आईसीयू 26 और 6 वैंटीलेटर पर हैं। जिले में राहत की बात यह रही कि 1061 मरीज स्वस्थ्य हो गए हैं। वहीं स्वस्थ्य होने की दर 94.98 प्रतिशत हो गई है। वहीं दूसरी तरफ कोरोना के निजी और सरकारी प्रयोगशालाओं में अधिक से अधिक सैम्पल जांच किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में पिछले 24 घंटे में कुल 4005 सैम्पल जांच किए गए। वहीं निजी में लिए गए 867 और सरकारी में लिए गए 3018 सैम्पलों की रिपोर्ट आनी शेष है। लेकिन राहत की बात यह है कि करंट सैम्पल पॉजिटिवी रेट जिले में 10.16 प्रतिशत है। 407 नए आए सैम्पलों में सेक्टर-तीन से 28, सेक्टर- 8 से 22, सेक्टर-15 से 23, ग्रीन फिल्ड कालोनी से 14, सेक्टर-82 से 11, सेक्टर-दो से 12 और बाकी मरीज अन्य एरियों से शामिल है।

शहीद लाला लाजपत राय की 157वीं जयंती मनाई

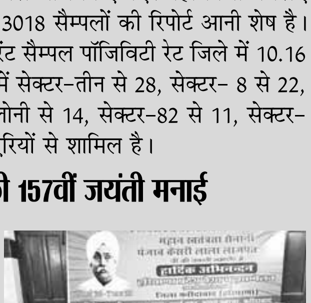

फरीदाबाद। हरियाणा प्रदेश वैश्य महा सम्मेलन की जिला फरीदाबाद इकाई द्वारा शुक्रवार को वीर शहीद लाला लाजपत राय जी का 157वां जयंती महोत्सव मनाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय वैश्य महा सम्मेलन के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश गुप्ता ने शिरकत की। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अमन गोयल, महामंत्री समीर गुप्ता एवं आकाश गुप्ता ने की। सर्वप्रथम सभी ने मिलकर लाला लाजपतराय जी की प्रतिमा को नमन किया और श्रद्धांजलि अर्पित की। ओम प्रकाश गुप्ता ने लाला लाजपतराय जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी मौत अंग्रेजी हुकूमत की ताबूत की आखिरी कील थी। उन्होंने देश में व्याप्त छुआछूत के खिलाफ लंबा संघर्ष किया। इस मौके पर हरियाणा प्रदेश वैश्य महासम्मेलन के जिला अध्यक्ष अमन गोयल ने कहा कि लाला लाजपतराय जी ने अनाथ राहत आंदोलन की नींव रखी।

बालों का निर्यात

संबंधित उद्योग अनुपस्थित

भारत बालों का निर्यात करता है, पर भारत में बाल उत्पाद उद्योग नहीं है। मनुष्यों के बाल समस्या का कारण बन सकते हैं, पर अब भारत सरकार यथार्थ के प्रति जागरूक हो रही है। भारत के पास यह ऐसा उत्पाद है जो कभी कम नहीं पड़ेगा, मुफ्त मिलता है तथा इसका दुनिया भर में निर्यात होता है। लेकिन भारत को इस संपदा का कोई लाभ नहीं मिलता है क्योंकि वह बाल उत्पाद उद्योग का नेतृत्व नहीं करता है और केवल निर्यातक है। अप्रैल-नवंबर के बीच बालों का निर्यात 144.6 मिलियन डालर था। महामारी के कारण इसमें 2020-21 में 15.28 मिलियन डालर की कमी आ गई है। निर्यात पर व्यापक स्मगलिंग का भी प्रभाव पड़ा है। स्मगलर कटे बाल एकत्र कर उनको अवैध रूप से कुछ पूर्वी एशियाई देशों को भेज देते हैं। आरोप है कि वहां बालों का प्रसंस्करण कर उनको चीन भेजा जाता है जहां उनके विग व हेयरपीस बना कर अच्छे मुनाफे पर निर्यात किया जाता है। बाल उत्पाद निर्यातक तथा राजस्व खुफिया निदेशालय सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद स्मगलिंग नहीं रोक सके हैं। अनुमान है कि अब भी लगभग 16,000 टन मानव बाल स्मगल होते हैं। आखिरकार इस सप्ताह विदेश व्यापार महानिदेशालय ने मानव बालों को नियंत्रित निर्यात श्रेणी में डाल दिया है। इससे वास्तविक निर्यातकों को लाभ हो सकता है। लेकिन समय आ गया है कि उद्योग बालों का निर्यात करने के बजाय बाल उत्पादों का निर्यात करे। निर्यात उत्पादों में मूल्य संवर्धन पर भी चर्चा हो रही है। विदेशी

मुद्रा प्राप्त करने के लिए विग व हेयरपीसों का निर्यात हो सकता है और अब इसे यथार्थ में बदलना चाहिए।

भारत में दुनिया के 80 प्रतिशत सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले बाल पाए जाते हैं। ये सब पूजास्थलों पर दान में प्राप्त होते हैं। तिरुमला मंदिर भारत में इसका सबसे बड़ा स्रोत है। यदि बालों का निर्यात बंद कर दिया जाए तो भारत का बाल उत्पाद निर्यात वार्षिक 3 बिलियन डालर हो सकता है और कुछ सालों में यह बढ़ कर 6 बिलियन डालर तक पहुंच सकता है। महत्वपूर्ण बात है कि निर्यात बंद करने से पिछले कुछ सालों में खोए गए 8.6 लाख रोजगार वापस आ सकते हैं और यह नए रोजगार भी पैदा कर सकता है। भारत के लिए बाल उद्योग मे नेतृत्व प्राप्त करना कठिन नहीं है। हालांकि, इसके लिए बाल संग्राहकों, एग्रीगेटरों, उत्पाद निर्माताओं व निर्यातकों में जिम्मदारी की भावना होना चाहिए जिसका फिलहाल अभाव है। उदाहरणार्थ, गैर-मंदिर क्षेत्रों जैसे सैलूनों व गांवों से बाल संग्रह अभी संगठित नहीं है। सुनियोजित संग्रह से कबाड़ियों को नियमित रोजगार मिल सकता है। इससे पाइपों व सीवरों में बाल फंसने की घटनायें कम होंगी तथा बढ़ता प्लंबिग खर्च घटेगा। भारत को उन देशों से प्रतियोगिता करने के लिए संश्लेषित बाल सामग्री और उत्पादों का निर्यात भी करना चाहिए जहां प्राकृतिक बालों की कमी है। लेकिन संश्लेषित बाल उत्पाद बनाने वाले पालीमर के उत्पादन से पर्यावरणीय समस्यायें भी सामने आ सकती हैं और यह एक समस्या है। भारतीय निर्माताओं को बाल उत्पादों के जीवन चक्र के बारे में भी शोध करने की आवश्यकता है। वर्तमान समय में बालों का जीवन कम होता है और उनको कचरा समझा जाता है। यदि रिसाइक्लिंग, रिकंडीशनिंग व पुन: निर्माण की चक्रीय अर्थव्यवस्था बनाई जाए तो इससे बालों की मांग नियंत्रित करने में भी सहायता मिल सकती है।

टेक्सास प्रकरण में पाकिस्तानी हाथ

अफगानिस्तान में अमेरिकी-नाटो बलों की अनुपस्थिति में पूरे देश में दुष्ट तत्व पाक-समर्थित आतंकियों व आत्मघाती हमलावरों को प्रशिक्षण देने लगे हैं।

नंदिनी सिंह
(लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं)

टेक्सास के एक यहूदी पूजास्थल सिनोगाग में हुए बंधक संकट को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 'आतंकी घटना' कहा था। चार बंधकों की रिहाई तथा उनको बंधक बनाने वाले हमलावर की मौत से इस खतरनाक संकट से मुक्ति मिली। इसने एक बार फिर अलकायदा और पाकिस्तान के बीच संबंध उजागर किए हैं। एफबीआई ने बंधक बनाने वाले की पहचान ब्रिटिश नागरिक मलिक फ़ैज़ल अकरम के रूप में की है। वह अमेरिकी जेल से 'लेडी अलकायदा' कही जाने वाली आतंकी की रिहाई की मांग कर रहा था जो पाकिस्तान में जन्मी तंत्रिकाविज्ञानी आइफा सिद्दीकी है। तथाकथित लेडी अलकायदा के मामले ने पाकिस्तान सरकार, अलकायदा और तालिबान के बीच संपर्क उजागर किए हैं क्योंकि इस्लामाबाद ने अमेरिकी जेल से आइफा सिद्दीकी की रिहाई के लिए आतंकी समूहों से हाथ मिलाए थे। बंधक बनाने वाले मलिक फैज़ल अकरम ने टेक्सास के सिनोगाग पर सबथ में हमला बोला और गोली से उड़ा देने तक वह लोगों को बंधक बनाए रहा।

वह 'लेडी अलकायदा' की रिहाई की मांग करता रहा जो अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों की हत्या के प्रयास के लिए संघीय जेल में 86 साल की सजा काट रही है। यह जेल बंधक बनाने वाले स्थान से 30 मील से भी कम दूरी पर है। सिद्दीकी को 2008 में अफगानिस्तान में साइनाइड तथा ब्रुकलिन ब्रिज व इम्पायर स्टेट बिल्डिंग पर हमले की योजनाओं के साथ गिरफ्तार किया गया था। उसे अमेरिका प्रत्यर्पित कर 2010 में सजा दी गई। उसकी रिहाई की मांग से पाकिस्तानी अवस्थापना की मिलीभगत वाले एक आतंकी व जिहादी समूह का खुलासा हुआ है। अमेरिकी नागरिकों को बंधक बनाने वाले पाकिस्तान व अफगानिस्तान के आतंकी समूहों ने अमेरिकी सरकार को सिद्दीकी की रिहाई के बदले अमेरिकी नागरिक छोड़ने का प्रस्ताव किया था। इस संकट से स्पष्ट है कि अलकायदा, तालिबान व पाकिस्तान सरकार के बीच कैसी मिलीभगत है और वे एक दूसरे की सहायता कर रहे हैं। समान लक्ष्यों से वे आतंकी नेटवर्कों को सक्रिय रखते हैं।

पाकिस्तान में सिंध स्थित कराची के एक सुन्नी परिवार में पैदा आफिया अध्ययन के लिए अमेरिका गई थी। 9-11 के बाद वह कुछ समय के लिए पाकिस्तान लौटी। 2003 में अफगान युद्ध के दौरान 9-11 हमलों के गिरफ्तार दोषियों में शामिल तथा गुंआंटानामो जेल में बंद पाकिस्तानी इस्लामवादी उग्रवादी खालिद शेख मुहम्मद ने आसिफा को अलकायदा की फाइनेंसर व संदेशवाहक बताया था। उसे बाद में एफबीआई ने अपनी आतंकी सूची में रखा और वह इसमें शामिल एकमात्र महिला थी। पाकिस्तानी उसे 'राष्ट्रीय सम्मान व उत्पीड़न' का प्रतीक मानते हैं और खबरिया मीडिया ने शुरुआत से ही लगातार उसकी सुनवाई को 'फर्जी' व 'राजनीतिक' बताया है। जुलाई, 2019 में वाशिंगटन की यात्रा पर गए पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने सुझाव दिया था कि सिद्दीकी को पाकिस्तानी डाक्टर शकील अफरीदी के बदले रिहा किया जा सकता है। शकील पर आरोप है कि उसने अमेरिकनों को ओसामा बिन लादेन की पहचान की पुष्टि की थी और इसके बाद हुए हमले में लादेन मारा गया। इसके पहले अमेरिका में पाकिस्तानी दूतावास ने तीन सदस्यीय बचाव समिति बनाई थी जो सुनवाई के दौरान अलकायदा आतंकी का बचाव करने वाले सरकारी बचावकर्ताओं की सहायता कर रही थी। पाकिस्तान सरकार ने सुनवाई में सिद्दीकी की सहायता करने वाले तीन वकीलों को 2 मिलियन डालर भुगतान भी किया था। इससे स्पष्ट हो जाता है कि पाकिस्तान सरकार कैसे खुलेआम अलकायदा आतंकियों का समर्थन करती है, अलकायदा आतंकियों को पालती-पोसती तथा उनका प्रयोग करती है। इस बीच वह अमेरिकनों को झूठे आश्वासन भी देती रही कि अलकायदा के सफाए में उनका साथ दे रही है। यह स्थिति 2021 में अफगानिस्तान में तालिबानों के मजबूत होने तक बनी रही। आतंकी समूहों ने आफिया की सजा का बदला लेने के लिए अनेक हमले किए थे इससे स्पष्ट होता हे कि विदेशी नागरिकों व अन्य धर्मानुयाइयों पर हमलों के मामले में अलकायदा, तालिबान, तहरीके तालिबान पाकिस्तान, हक्कानी नेटवर्क या जेईएम सभी एक हैं। वे पाकिस्तानी अवस्थापना के सहयोग से 'इस्लाम के दुश्मनों' पर निशाना लगाते हैं।

तहरीके तालिबान पाकिस्तान-टीटीपी प्रमुख हकीमुल्ला महसूद द्वारा आफिया की सजा के बदले में 2009 में अफगानिस्तान के कैंप चपमान पर हमले का वीडियो जारी किया था जिसमें सीआईए के सात वरिष्ठ अधिकारी मारे गए थे। 2010 में टाइम्स स्क्वायर कार बम प्रयास के एक दिन बाद महसूद द्वारा जारी वीडियो में सिद्दीकी का बदला लेने का वादा किया गया था। इस हमले में पाकिस्तान में जन्मे फैजल शहजाद का हाथ था जिसके संबंध जैशे मुहम्मद व हकीमुल्ला महसूद से थे। तालिबान ने लेडी अलकायदा की सजा के बदले 2009 में पकड़े गए अमेरिकी सैनिक बोवे बरगदाही को मारने की धमकी दी थी। बरगदाही को बाद में गुआंटानामो जेल में बंद पांच लोगों की रिहाई के बदल 2014 में छोड़ा गया था। सितंबर, 2010 में तालिबान ने अफगानिस्तान में स्काटिश सहायता कर्मी लिंडा नारगोंव का अपहरण कर लिया था और जोर दिया था कि उसकी रिहाई केवल सिद्दीकी के छोड़े जाने पर ही होगी।

लेकिन बाद में एक दुर्घटना में नारगोंव की मौत हो गई थी। जुलाई, 2011 में तहरीके तालिबान के उप-प्रमुख वलीउर रहमान ने घोषणा की थी कि वे सिद्दीकी के बदले दो स्विस नागरिकों को रिहा कर सकते हैं जिनका बलूचिस्तान से अपहरण किया गया था। यह स्विस युगल मार्च, 2012 में भागने में सफल रहा था। दिसंबर, 2011 में अलकायदा नेता अयमान अल जवाहिरी ने अमेरिकन सहायता कार्यकर्ता वारेन वीनस्टीन के बदले सिद्दीकी की रिहाई की मांग की थी जिसे अगस्त, 2011 में पाकिस्तान में पकड़ा गया था। वीनस्टीन जनवरी, 2015 में एक ड्रोन हमले में दुर्घटनावश मारा गया था।

अलकायदा, तालिबान, टीटीपी व अनेक अन्य संबंधित संगठन अमेरिकनों व यूरोपियनों का अपहरण कर उनके बदले सिद्दीकी की रिहाई की मांग करते रहे हैं। ऐसे में टेक्सास सिनोगाग घटना अनेक सालों से जारी घटनाओं की श्रृंखला में नवीनतम है। पाकिस्तान द्वारा सिद्दीकी की रिहाई पर लगातार जोर देने से यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या उनकी रिहाई के लिए किए जाने वाले अपहरण व बंधक बनाने की प्रक्रिया पाकिस्तान के कहने पर थी या इनके प्रति पाकिस्तान की सहमति थी?

इन आतंकी गतिविधियों में पाकिस्तान की भूमिका अधिकाधिक संदिग्ध होती जा रही है। अन्य देशों में पकड़े जाने पर पाकिस्तान पाक-मूल के आतंकियों से अपना पल्ला झाड़ता रहा है, पर उसने आफिया के मामले में ऐसा कुछ नहीं किया। अगस्त, 2009 में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री यूसुफ रजा गिलानी ने अपने आवास पर सिद्दीकी की बहन से मुलाकात कर उनको आश्वासन दिया था कि पाकिस्तान से अमेरिका से उनकी रिहाई की मांग करेगा। 2010 में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने अफगानिस्तान व पाकिस्तान में विशेष अमेरिकी दूत रिचर्ड होलब्रूक से सिद्दीकी को पाकिस्तान-अमेरिका कैदी अदला-बदली समझौते के अंतर्गत पाकिस्तान प्रत्यर्पित करने की प्रार्थना की थी। यह जिहादियों व पाकिस्तान के बीच मिलीभगत का स्पष्ट प्रमाण है क्योंकि इन कैदियों में अलकायदा के साथ प्रतिबंधित जैशे मुहम्मद के कैदी भी शामिल थे जिन्होंने पाकिस्तान में भी आतंकी घटनाओं को अंजाम दिया था।

टेक्सास सिनोगाग का नवीनतम बंधक संकट तथा अफ-पाक में लेडी अलकायदा की रिहाई की मांग करने वाली अफ-पाक में हुई ऐसी ही घटनाओं से स्पष्ट है कि अलकायदा का खतरा बना हुआ है। अफगानिस्तान पर तालिबानी कब्जे से स्थिति और गंभीर हुई है। अफगानिस्तान में अमेरिकी-नाटो बलों की अनुपस्थिति में पूरे देश में दुष्ट तत्व पाक-समर्थित आतंकियों व आत्मघाती हमलावरों को प्रशिक्षण देने लगे हैं। इनका समर्थन पाकिस्तान सरकार व आईएसआई कर रहे हैं। यह खतरनाक परिदृश्य है और दुनिया इसके प्रति जितनी जल्दी जागरूक हो उतना ही अच्छा होगा।

यूपी में चुनावी वादों की भरमार

"एक समझदार मतदाता से अपेक्षित है कि वह मतदान पूर्व गारंटी की संकीर्ण सीमा से परे लोकतंत्र को स्वस्थ और जीवंत बनाए रखने के लिए एक उचित विकल्प चुनें।"

वीरेंद्र सिंह रावत
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

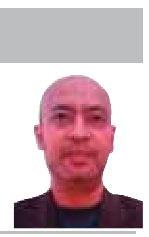

उत्तर प्रदेश में चुनावी बुखार तेज होने के साथ, प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त उपहार देने के चुनाव पूर्व वादे चुनावी राज्य के क्षितिज को भर रहे हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) ने वादाखिलाफी का बीड़ा उठाया है। कांग्रेस और तुलनात्मक रूप से नई प्रवेश करने वाली आम आदमी पार्टी (आप) ने भी जोश के साथ फ्रीबी पॉट में मसाला डाला है। ये मुफ्त बिजली, बेरोजगारी भत्ता, लक्षित वर्गों के लिए पेंशन, फसल ऋण माफी, लड़कियों के लिए मुफ्त दोपहिया वाहन आदि से संबंधित हैं।

यह देखते हुए कि यूपी में लगभग 28 मिलियन बिजली उपभोक्ता हैं, जिनमें से घरेलू कनेक्शन में 24 मिलियन शामिल हैं, वादा किया गया है। प्रतिस्पर्धी राजनीतिक दलों द्वारा मुक्त सत्ता के लिए मीडिया और जनता में समान रूप से अधिकतम चर्चा पैदा कर दी है। दिल्ली में अपने लाभकारी अनुभव से एक पत्ता लेते हुए, जहां वह सत्ताधारी पार्टी है, ,क्क ने सत्ता में आने पर घरेलू उपभोक्ताओं को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा की है। इसने यूपी सरकार बनाने पर बकाया बिजली बिल माफ करने और किसानों को मुफ्त बिजली देने का भी वादा किया।

इसके अलावा, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी लाभार्थियों को 5,000 रुपये प्रति वर्ष बेरोजगारी भत्ता देने की घोषणा की थी। चुनाव पूर्व गणित में पीछे नहीं रहने के लिए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी सभी घरों को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का ऐलान किया. यादव ने केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ हालिया विरोध प्रदर्शन के दौरान मारे गए किसानों के परिजनों को 25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का वादा किया।

इस बीच, कांग्रेस ने वादा किया है कि अगर राज्य में तीन दशक से अधिक के राजनीतिक जंगल के बाद सबसे पुरानी पार्टी अगली यूपी सरकार बनाती है तो लड़कियों को स्मार्टफोन और इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन दिए जाएंगे। इसके अलावा, पार्टी ने विधवाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए पेंशन बढ़ाने, आशा (मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता) और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए मानदेय बढ़ाने, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, साल में तीन मुफ्त गैस सिलेंडर आदि की बात की है।

दिलचस्प बात यह है कि राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) ने अगली सरकार बनाने पर पीएम-किसान सम्मान निधि योजना के तहत अनुग्रह भुगतान को 6,000 रुपये से बढ़ाकर 12,000 रुपये करने का वादा किया है। इस बीच, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अभी तक अपना आधिकारिक चुनावी घोषणापत्र जारी नहीं किया है, जिसे पार्टी %संकल्प पत्र% कहती है। पार्टी को 2017 के यूपी चुनावों में फसल ऋण माफी के अपने चुनाव पूर्व वादे से काफी फायदा हुआ था। सत्ता में आने के बाद, योगी आदित्यनाथ की भाजपा सरकार ने 4 अप्रैल, 2017 को अपनी पहली कैबिनेट बैठक में लगभग 36, 000 करोड़ रुपये के फसल ऋण को माफ करने की मंजूरी दी थी, जिससे 8.6 मिलियन छोटे और सीमांत किसानों को लाभ होने का अनुमान था। प्रमुख फसल ऋण माफी योजना को पार्टी के लिए गेम चेंजर बताया गया।

2021-22 के लिए लगभग 8,500 करोड़ रुपये के अपने हालिया अनुपूरक बजट में, योगी सरकार ने पिरामिड वर्गों के निचले हिस्से के लिए लगभग 4,000 करोड़ रुपये आवंटित किए, जैसे कि असंगठित कामगार, जिसमें खेत मजदूर, बटाईदार, और रेहड़ी-पटरी वाले शामिल हैं। सामाजिक सुरक्षा भुगतान या डोल। इसके अलावा, वरिष्ठ नागरिकों और किसानों की पेंशन योजनाओं के लिए 670 करोड़ रुपये आवंटित किए गए, जिसमें उनके भुगतान को 500 रुपये से बढ़ाकर 1,000 रुपये प्रति माह कर दिया गया। इससे राज्य में 56 लाख से अधिक बुजुर्गों को लाभ होने का अनुमान है। विकलांगों के लिए वित्तीय अनुदान को दोगुना कर दिया गया और शिक्षामित्रों के मानदेय में 2,000 रुपये प्रति माह की वृद्धि की गई। मुफ्त उपहार समाज की अधूरी आकांक्षाओं और जरूरतों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि दूसरी ओर, उन्होंने चुनाव पूर्व प्रलोभनों की प्रवृत्ति पर लाभ प्राप्त करने के लिए एक कलंक लगाया। एक समझदार मतदाता से यह अपेक्षा की जाती है कि वह मतदान पूर्व गारंटी की संकीर्ण सीमा से परे भारतीय लोकतंत्र को स्वस्थ और जीवंत बनाए रखने के लिए अपना वोट डालने से पहले एक सूचित विकल्प चुनें।

आप की बात

परीक्षा में धांधली

आरआरबी-एनटीपीसी के परीक्षा-परिणाम में धांधली का आरोप लगाते हुए बिहार और उत्तर प्रदेश के छात्र आंदोलित हैं। गुस्साए अभ्यर्थियों ने एकाधिक ट्रेनों को भी आग के हवाले कर दिया, सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाकर अपनी मांगें मनवाना क्या उचित है! निस्संदेह, विरोध एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा लोग अपनी शिकायत या नाराजगी जाहिर करते हैं, मगर यह भी सच है कि किसी भी हिंसक विरोध का समर्थन नहीं किया जा सकता।सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाकर अपनी मांगें मनवाना क्या उचित है?! सरकारी महकमों में बड़े पैमाने पर पद खाली हैं, मगर सरकारें उन्हें भरने की प्रक्रिया शुरू नहीं करतीं, जिसे लेकर बार-बार सवाल उठते रहे हैं। अगर कुछ विभागों में रिक्तियां निकलती भी हैं, तो उनकी प्रक्रिया इतनी विलंबित कर दी जाती है कि अभ्यर्थी वर्षों उसके इंतजार में बैठे रहते हैं। सरकारी नौकरियों में भारी रिश्वत लेकर पिछले रास्ते से नियुक्तियां देना आम बात है !उस पर आरक्षण सामान्य छात्रों के अवसर बहुत कम कर देता है !और उक्त आंदोलन में चुनावी बेला में विपक्षी दलों ने तुरंत फुरंत अपना सपोर्ट दे दिया! राष्ट्रीय संपत्ति की हानि से उन्हें कोई लेना देना नहीं है!

– **सुभाष बुड़ावनवाला**, रतलाम

जहरीली शराब से मौतें

जहरीली शराब देश मे हर वर्ष जहरीली शराब पीने से हजारों लोगों की मौतें होती है। कुछ सामूहिक मामलों की खबरे ही प्रकाश में आने के बाद कार्रवाईयां होती है। रायबरेली में जहरीली शराब पीने से 12लोगों की मौत और अनेको लोग अस्पाल में भर्ती है।प्रदेश में सख्त कानून लागू होने के बावजूद भी अवैध शराब के व्यवसाय में लिप्त लोगो पर लगाम नही लग पा रही है। इसके पूर्व भी कई जिलों में शराब पीने से मौत होने की घटनाएं हो चुकी है। देशी शराब के ठेके पर जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत हुई। आबकारी विभाग और स्थानीय पुलिस प्रशासन पर सवाल उठ रहे है। जहां लोग अवैध बिक्री और तस्करी पुलिस विभाग और आबकारी विभाग के बिना मुश्किल मानते है। घटित घटनाओं में आबकारी विभाग और कुछ पुलिस कर्मियों को निलंबित कर खानापूर्ति कर दी जाती है।कोई भी सूबे में अबतक जहरीली शराब मामले में प्रभावी कार्यवाही नही हुई। जिससे अवैध शराब का कारोबार चलता रहता है। सरकारी ठेके पर यदि जहरीली शराब बिकेगी तो लोगों के विश्वास को भी धोखा मिल रहा है।सरकारी ठेके से उन्हें प्रमाणित शराब ही मिलनी चाहिये।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव, उन्नाव

पुरस्कार का अपमान

अत्यंत दुखद है कि बुद्धदेव भट्टाचार्य, जो 11 वर्षों तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे उन्होंने पद्म भूषण लेने से मन कर दिया। जबकि सरकारी सूत्रों के अनुसार उनकी पत्नी से फ़ोन पर बात करके उनको इस पुरूस्कार के बारे में अवगत करा दिया गया था उसके बावजूद बुद्धदेव भट्टाचार्य ने घोषणा होने के पश्चात जिस तरीके से पुरूस्कार लेने से इंकार किया उससे इतने बड़े पुरस्कार का भी अपमान होता है। भले ही उनकी विचारधारा भाजपा की विचारधारा से नहीं मिलती हो लेकिन राष्ट्रीय पुरूस्कार इन सब राजनीती और विचारधार से ऊपर होते हैं। वैसे वह पहले वामपंथी नेता नहीं है जिन्होंने राष्ट्रीय पुरुस्कार ठुकराए हों, उनसे पहले एम् इस नम्बूदरीपाद, ज्योति बासु भी ऐसा कर चुके है। जहां तक गुलाम नबी की बात है तो उनके कई साथियों ने इसकी प्रशंसा की वहीं जयराम रमेश ने कटाक्ष करते हुए इसकी आलोचना की जिससे कांग्रेस के दो धड़े सामने आ गए। चूंकि आज़ाद उन 23 नेताओं में से एक हैं जिन्होंने सोनिआ गांधी को पत्र लिखकर नेतृत्व बदलाव की बात की थी।

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

"**यह** हमारा पवित्र राष्ट्रीय कर्तव्य है कि हमारे वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों द्वारा सुझाई गई सावधानियों का पालन करें।

– **रामनाथ कोविंद**
राष्ट्रपति

अफगान लड़कियों को स्कूलों में लौटना चाहिए, महिलाओं को पर जाना चाहिए। हमारा धर्म इसकी अनुमति देता है।

– **हामिद करज़ई**
पूर्व अफगान राष्ट्रपति

मैं इस पुरस्कार (पद्म) के बारे में कुछ नहीं जानता। अगर उन्होंने मुझे यह पेशकश करने का फैसला किया है, तो मैं इसे स्वीकार करने से इंकार कर देता हूं।

– **बुद्धदेब भट्टाचार्य**
पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री"

वोटरों का निर्दलीयों पर घटता भरोसा

कमल दुबे। लखनऊ

लोकतंत्र में जनता की आवाज विधानसभा में उनके चुने प्रतिनिधि बुलंद करते हैं लेकिन चुनाव दर चुनाव निर्दलीयों से मतदाताओं का भरोसा घटा है। आंकड़े गवाह हैं कि सूबे की सबसे बड़ी पंचायत में निर्दलीयों की मौजूदगी लगातार कम हुई है। राजनीति विशेषज्ञ इसे दलीय व्यवस्था की मजबूती बता रहे हैं तो राजनेता इसको लोकतंत्र की मजबूती।

इस विधानसभा चुनाव के लिए जब सभी दल सत्ता तक पहुंचने के लिए अपनी ताकत झोंके हैं। ऐसे में बिना दल के चुनाव में किस्मत आजमाने वालों की संख्या घटती नजर आ रही हैं। ऐसा नहीं कि निर्दलों के चुनाव में भागीदारी नहीं की बल्कि जनता ने उन पर भरोसा कम ही जताया है। वर्ष 2002 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों पर नजर डाले तो देखेंगे कि यूपी के 403 विधानसभा क्षेत्रों में से 14 में निर्दलीयों ने परचम फहराया था। इनमें कैराना से मदन भैया अनूपशहर से होशियार सिंह सिकन्दराऊ से अमर सिंह यादव, फर्रुखाबाद से विजय सिंह, राजपुर से महेश चन्द्र, रारी से धनंजय सिंह, मऊ से मुख्तार अंसारी, बरहज से दुर्गा प्रसाद मिश्रा, पिपराइच से जितेन्द्र जायसवाल, मोहनलालगंज से आरके चौधरी, मलिहाबाद से कौशल किशोर, बरेली से शहजिल इस्लाम, पुवांया से मिथलेश कुमार और हसनपुर से देवेन्द्र नागपाल जीते थे। प्रदेश के हर हिस्से की जनता ने अपने बीच में रहने वाले लोगों को विधानसभा

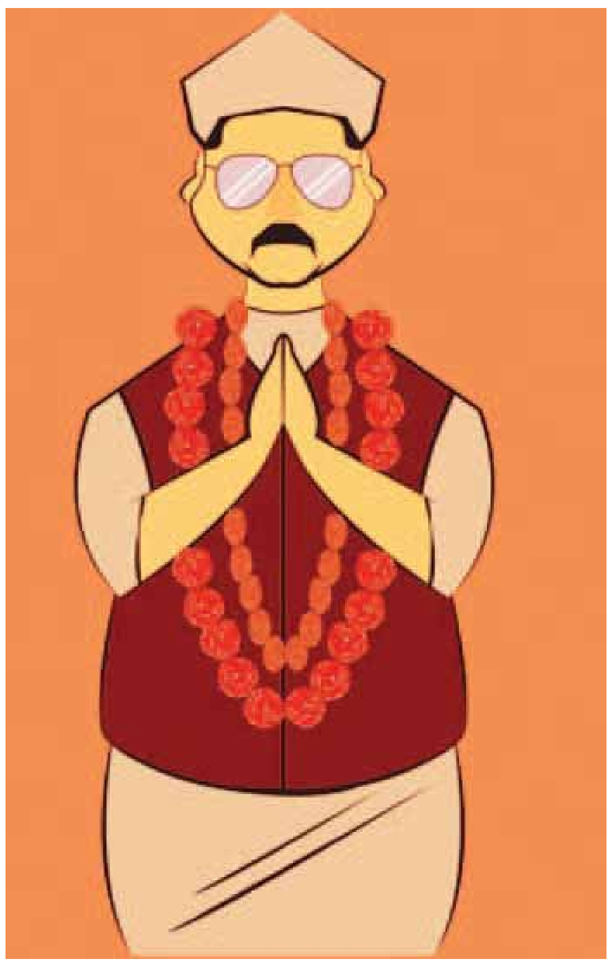

चुनाव में भेजने का मत दिया था।

2007 में गठित 15वीं विधानसभा में निर्दल चुनाव जीतने वाली की संख्या में कमी आयी और जनता की कसौटी पर आठ जन प्रतिनिधि भी खरे उतरे और विधानभवन की दहलीज में दाखिल हो सके। इनमें रायबरेली से अखिलेश सिंह, कुंडा से रघुराज प्रताप सिंह, बिहार सुरक्षित से विनोद कुमार, सहजनवा से यशपाल सिंह, शिकोहाबाद से अशोक यादव, जसराना से राम प्रकाश यादव, मुरादनगर से राजपाल त्यागी और मुजफ्फराबाद से इमरान मसूद बिना किसी दल के चुनाव जीतने में कामयाब हुए थे। 15वीं विधानसभा में पहली बार किसी गैर कांग्रेसी सरकार को विधानसभा में पूर्ण बहुमत मिला और बसपा अध्यक्ष मायावती पूर्ण बहुमत की पांच वर्ष तक सरकार चलाने में कामयाब हुई।

2012 में गठित 16वीं विधानसभा में एक बार फिर निर्दलीय विधायकी जीतने वालों की संख्या कम होकर छह ही रह गयी। इस चुनाव में फर्रुखाबाद से विजय सिंह, बाबागंज से विनोद कुमार, कुंडा से रघुराज प्रताप सिंह, सकलडीह से सुशील सिंह, सैयदराजा से मनोज कुमार व दुद्धी से रूबी प्रसाद ने बिना किसी दल के सहारे जनता का समर्थन लेकर जीत हासिल की। इस चुनाव में समाजवादी पार्टी को पूर्ण बहुमत मिला और बसपा दूसरे व भाजपा तीसरे नम्बर की पार्टी बन गयी थी।

17वीं विधानसभा की तस्वीर ही अलग थी। इस बार तो सिर्फ तीन निर्दलीय ही माननीय बन पाये थे और प्रदेश में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला। समाजवादी पार्टी तब सत्ता से बाहर होकर दूसरे पायदान पर आ गयी थी। तब सिर्फ कुंडा से रघुराज प्रताप सिहं, बाबागंज से विनोद कुमार और गोरखपुर के नौतनवां से अमनमणि त्रिपाठी ही निर्दल चुनाव जीत पाये थे। इस बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकार का नेतृत्व किया और 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव में इस बार कुंडा से लगातार जीत दर्ज करने वाले विधायक रघुराज प्रताप सिंह ने अपना जनसत्ता दल बना लिया है। ऐसे में 18वीं विधानसभा में निर्दलीय विधायकों की संख्या कितनी होगी यह तो नतीजों से पता चलेगा।

साइबर स्पेस पर थिरकती चुनावी राजनीति

● दिग्गज भी निर्भर हैं नई तकनीक पर

कमल दुबे। लखनऊ

कोरोना महामारी ने अगर दुनियाभर को भारी दर्द दिया है तो वही उसने जीने का नया रास्ता भी दिखाया है। वर्क फ्राम होम हो या फिर वर्चुअल कार्यक्रमों का आयोजन हो। सब कुछ कोरोना महामारी की देन है। देश के सबसे बड़े राज्य यूपी में हो रहा विधानसभा का चुनाव भी पहली बार नये अन्दाज यानी कि साइबर स्पेस में लड़ा जा रहा है।

आयोग ने पहले ही शुरुआती दिनों में रैलियों और पदयात्रा सहित कार्यक्रमों पर रोक लगा दी है। ऐसे में चुनाव मैदान से ज्यादा साइबर स्पेस में लड़ा जा रहा है। चुनाव के मद्देनजर सभी दलों ने वाररूम तैयार कर रखे हैं। अपने साइबर योद्धाओं के जरिये विजय की उम्मीद लगाये बैठे हैं। भारतीय जनता पार्टी हो या फिर समाजवादी पार्टी। बीएसपी से लेकर कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी तक अपने शीर्ष नेताओ के फालोवरों की संख्या बढ़ाने में लगे हैं। कुछ नेताओं ने तो अपने ट्विटर व इंस्टाग्राम से लेकर फेसबुक तक को मैनेज करने के लिए निजी स्तर पर लोगों को लगा रखा है। बात करें भारतीय जनता पार्टी की तो फेसबुक से लेकर ट्विटर पर भाजपा के नेता सबसे ज्यादा हैं। कई नेताओ के फालोवर पिछले कुछ दिनों में बढ़े हैं।

भाजपा के शीर्ष नेताओ में पीएम नरेन्द्र मोदी का बोलबाला है। पीएम की एक ट्वीट सीधे करोड़ों

फालोवर तक जाती है। इसके साथ ही पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को ट्विटर पर पीएम के बाद सबसे ज्यादा 28 मिलियन लोग फालो करते हैं। बात यूपी के नेताओ की करें तो इसमें यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ सबसे आगे है। उन्हें ट्विटर पर 16.9 मिलियन लोग फालो करते हैं। इसी क्रम में केशव मौर्य को 3.4 दिनेश शर्मा को 2.2 व प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह को 1.1 मिलियन लोग फालो करते हैं। इसमें वह फालोवर भी शामिल हैं जो पार्टी के सभी टॉप लीडरशिप को फालों करते हैं।

भाजपा के शीर्ष नेताओ की तरह ही यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की भी धाक है। उनकी एक ट्वीट को 15.5 मिलियन लोग फालो करते हैं। इस मामले में कांग्रेस नेता व पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी को 19.5 मिलियन लोग फालो करते हैं और ट्विटर पर लोकप्रिय नेताओ में फालोवर के लिहाज से वह पीएम मोदी व अमित शाह के बाद तीसरे स्थान पर आते हैं। यूपी कांग्रेस की प्रभारी व पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी भी साइवर स्पेस में अपनी जगह बनाये हैं। उनकी हर ट्वीट 4.4 मिलियन लोगों तक जाती है। इस मामले में हर दिन वह औसतन दस से ज्यादा ट्वीट करती हैं।

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष व यूपी की पूर्व सीएम मायावती भी ट्विटर पर बेहद सक्रिय रहती हैं। आये दिन विपक्षी दलों पर हमले के लिए वह साइबर प्लेत्तटफार्म का सहारा लेती हैं। खास तौर पर कोविड काल में उन्होंने ट्विटर को एक मंच के रूप में इस्तेमाल किया है। इसी दल के राष्ट्रीय महासचिव एससी मिश्रा को 42 हजार से ज्यादा लोग ट्विटर पर फालो करते हैं। आम आदमी पार्टी के नेता व राज्यसभा सांसद संजय सिंह इस मामले में 1.7 मिलियन फालोवर के साथ अपने दल के नेताओ में अग्रणी हैं।

अब दलों की बात करें तो भाजपा ने सबसे पहले 2014 के लोकसभा चुनाव में साइबर रूम बनाया और तभी से उनकी मीडिया टीम लगातार इस प्लेटफार्म के जरिये पार्टी और सरकार की आवाज को जनता के बीच ले जाती है। यूपी में युवा मतदाताओं की संख्या काफी ज्यादा है। पहली बार के मतदाता बने युवा भी अच्छी संख्या में हैं। यह मतदाता आमतौर पर सोशल मीडिया का भी जमकर इस्तेमाल करते हैं। हर दिन वह औसतन दो घंटे फेसबुक से लेकर ट्विटर व इंस्ट्राग्राम को देते हैं। ऐसे में इन मतदाताओ को आकर्षित करने के लिए कुछ नेता ट्विटर पर तेजी से आये हैं और कई दलों ने तो फेसबुक व ट्विटर पर 20 हजार फालोवर का मानक ही प्रत्याशी के लिए लगा रखा है। भाजपा के साथ ही कांग्रेस, समाजवादी पार्टी के भी अपने वाररूम हैं। इनमें कार्यकर्ताओ के माध्यम से साइबर स्पेस के जरिये अपनी बात को तेजी से रखने का काम हो रहा है। कोरोना काल में आयोग ने बड़ी रैलियों पर अभी रोक लगा रखी है। ऐसे में पीक टाइम कर भाजपा से लेकर सपा, बसपा कांग्रेस व आम आदमी पार्टी के ट्वीट खासतौर पर देखे जा सकते हैं। किसी नेता की ज्वाइनिंग हो या फिर प्रत्याशियों के टिकटों का ऐलान। सब इसी मंच पर होने लगा है और उसको तेजी से वायरल भी कराया जा रहा है। ट्वीट व रिट्वीट से लेकर लाइक को इसका मानक बनाया जाने लगा है। चुनाव में किस दल को इसका फायदा सबसे ज्यादा मिला यह तो नतीजों के बाद ही तय होगा।

दलितों को अपने पाले में करने की सभी दलों में होड़

अभिषेक रंजन। लखनऊ

● बीजेपी के चरखा दांव से विपक्षी दल हैरान

● पश्चिम यूपी में सरकार व संगठन के मंत्रियों-पदाधिकारियों ने डाला डेरा

यूपी की राजनीति में दलितों का वोट सरकार बनवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यही कारण है कि सभी दल इस वोट बैंक को अपने पाले में करने के लिए हर जतन कर रहे हैं लेकिन बीजेपी ने दलितों को लेकर जो चरखाा दांव चला है उससे विपक्षी दल परेशान हो गए हैं। इस दांव को बीजेपी अपने विभिन्न अभियानों के जरिए मूर्त रूप दे रही है। साथ ही बीजेपी ने अपने टिकट बंटवारे में जो रणनीति अपनाई है उससे प्रमुख विपक्षी दल सपा हैरान है। पश्चिम यूपी में सर्वाधिक सीटें जीतकर आई बीजेपी ने पहले और दूसरे चरण के मतदान को लेकर अपने टिकट बटवारे में दलितों को तव्वजो तो दी ही साथ ही टिकट काटने में कैची भी थोड़ी संभाल कर चलाई है। कांग्रेस के लड़की हूं लड़ सकती हूं के स्लोगन के मुकाबले बीजेपी ने भी महिलाओं के प्रतिनिधित्व को प्राथमिकता दी है। इसमें दलित समाज की महिलाओं को भी टिकट दिया है।

इन सबके बीच बीते 14 जनवरी को सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में झुंगिया गेट फर्टिलाइजर रोड स्थित दलित समाज के अमृतलाल भारती के घर सहभोज में शामिल होकर जाति के नाम पर जारी राजनीति के इस दौर में सामाजिक समरसता का बड़ा संदेश दिया। सीएम योगी ने जमीन पर बैठकर प्रेमभाव से खिचड़ी खाई और अपने दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और गुरु ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ की उस परंपरा को और समृद्ध किया जिसे उन्होंने जातीय भेदभाव को समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ाया था। भारती के यहां आयोजित सहभोज में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री ने बिना किसी औपचारिकता के जमीन पर बैठकर भोजन किया। पत्तल में परोसी गई खिचड़ी और कुल्हड़ में पानी। यूपी में सीएम योगी द्वारा दलित के घर भोजन करने जाने को विपक्षी दलों ने चुनावी स्टंट बताया है। विपक्षी दल भी दलितों को साधने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं। दलितों के घर भोजन करने की रणनीति में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी पीछे नहीं हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने पहली बार समाजवादी आंबेडकर वाहिनी का गठन कर दिया है। आंबेडकर जयंती पर अयोध्या की तरह दलित दीपावली मनाने का ऐलान किया था। हाथरस कांड के एक साल पूरा होने पर अखिलेश अपने कार्यकर्ताओं से हर महीने की 30 तारीख को हाथरस की बेटी का स्मृति दिवस मनाने के लिए कह चुके हैं। बीएसपी प्रमुख मायावती का तो कोई भाषण दलितों के हक की बात के बिना पूरा ही नहीं होता। वह दलित महापुरुषों के मान-सम्मान की बात करने के साथ खुद को भी दलितों के सम्मान से जोड़ती हैं। इसलिए यूपी विधानसभा चुनाव में सभी पार्टियों के दलित प्रेम की वजह साफ दिखाई देती है।

अब अगर बीजेपी के दलित एजेंडे की बात करें तो केंद्र से लेकर योगी सरकार के मंत्री और संगठन के लोग दलितों के घर मोदी-योगी सरकार के काम-काज की रिपोर्ट लेकर उनके घर पहुंच रहे हैं और सहभोज कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। सरकार और संगठन के लोग दलितों के घर जाकर उन्हें बीजेपी का पटका पहनाकर फोटो खिचवा रहे हैं। बीजेपी ने टिकट बटवारे से लेकर दलितों के घर पहुंचने की रणनीति का असर अब दिखे लगा है। पश्चिम यूपी में बीजेपी के नेतओं की आमद तेज हो गई है। बीजेपी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा नगीना, मुजफ्फरनगर, गजरौला,अमरोहा, मुरादाबाद व मेरठ विधानसभाओं के पदाधिकारियों के साथ बैठकें की और दलितों के घर-घर जाकर संपर्क अभियान को तेज कर दिया है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अलीगढ़, बुलन्दशहर में घर-घर सम्पर्क करके चुनाव प्रचार किया तो वहीं बुलन्दशहर में सामाजिक व्यक्तियों के साथ बैठक कर रहे है। इन सामाजिक व्यक्तियों में बीजेपी दलितों का प्रतिनिधित्व अधिक करवाती है। इसी प्रकार से बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष देवबंद में घर-घर सम्पर्क व प्रमुख सामाजिक व्यक्तियों के साथ बैठक कर रहे हैं। दोनों डिप्टी सीएम व सांसद और केंद्रीय मंत्रियों ने पश्चिम यूपी में डेरा डाल दिया है।

अवसरवादिता की चाहत में बदलती गई इनकी निष्ठा

सतीश सिंह। लखनऊ

स्वामी प्रसाद मौर्य

डॉ. धर्म सिंह सैनी

दारा सिंह चौहान

रोशनलाल वर्मा

भगवती प्रसाद सागर

डॉ. मुकेश वर्मा

बृजेश कुमार प्रजापति

अवतार सिंह भड़ाना

इस बार उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव का रण सज चुका है। सभी दलों के अधिकतर प्रत्याशी मैदान में आ चुके हैं तो कुछ आने वाले हैं। इनमे कई ऐसे नेता हैं जिनकी कोई विचारधारा नहीं है सिर्फसरकार के साथ बने रहना ही इनकी महत्वाकांक्षा है। यह बात दीगर है कि उनके पार्टी की सरकार बहुमत न होने के चलते न बन पाई हो पर सियासत के केंद्र में यह हमेशा बने रहना चाहते हैं। इसमें बसपा से निकले नेताओं की एक सूची है। जिन्होंने 2012 से बसपा से चुनाव लड़ा तो 2017 में भाजपा में अब 2022 में सपा से मैदान में ताल ठोंक रहे हैं।

लगातार तीन चुनावों में अलग अलग पार्टियों से लड़ने वालों में प्रमुख रूप से स्वामी प्रसाद मौर्य, डॉ. धर्म सिंह सैनी, दारा सिंह चौहान, रोशनलाल वर्मा, भगवती प्रसाद सागर, ब्रजेश कुमार प्रजापति जैसे लोग शामिल है। बसपा छोड़ने के बाद इन नेताओ ने भाजपा का दामन थामा। चुनाव लड़े और विधायक बने फिर मंत्री। पांच साल भाजपा सरकार के साथ रहते हुए मलाई काटी और चुनाव की अधिसूचना जारी होते ही इनकी विचारधारा समाजवादी हो गई। यानी तीसरे चुनाव में लगातार 2012 फिर 2017 और अब 2022। अब इस चुनाव में दलबदल करने वाले कितने जीतेंगे या फिर कितने किनारे लगेंगे यह तो चुनावी नतीजों के सामने आने के बाद पता चल पाएगा। पर लगातार तीन विधानसभा चुनाव अलग अलग पार्टियों से चुनाव लड़ने वाले नेता दलबदल के समय भले ही विचारधारा की आड़ लेते हों लेकिन सच यह है कि उनकी कोई विचारधारा नहीं होती। वे जिस दल में जाते हैं उसकी ही विचारधारा का गुणगान करने लगते हैं जबकि कुछ समय पहले तक उसकी निंदा.भर्त्सना कर रहे होते हैं। विडंबना यह है कि मतदाता भी इनके बहकावे में आ जाते हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य

स्वामी प्रसाद मौर्य के बारे कथन है कि यह फैमिली फर्स्ट के फार्मूले पर जरूर अमल करते हैं। अक्टूबर 1996 में डलमऊ विधानसभा सीट से चुनकर विधानसभा पहुंचने वाले मौर्य ने वर्ष 2002 के विधानसभा चुनाव में भी इसी सीट से जीत दर्ज की थी। वर्ष 2007 से लेकर 2017 का विधानसभा चुनाव पडरौना विधानसभा सीट से लड़ा और लगातार तीन बार से वे वहां से जीत दर्ज करते आ रहे हैं। वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव में बसपा के टिकट पर चुने गए थे। स्वामी प्रसाद मौर्य पर ये आरोप रहा है कि वो पार्टी में अपने बेटे बेटियों को मनमुताबिक टिकट न मिलने पर पार्टी छोड़ते रहे हैं। बसपा में रहते हुए लगातार मंत्री बनते रहे स्वामी प्रसाद मौर्य को लेकर दावा है कि 2016 में उन्होंने इसलिए बसपा छोड़ी थी क्योंकि उनकी बेटी संघमित्रा और बेटे उत्कर्ष को मनमुताबिक सीट से पार्टी ने टिकट नहीं दिया था। 2017 विधानसभा चुनाव से पूर्व बीजेपी का दामन थामने के बाद स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी तो बदायूं से बीजेपी के ही टिकट पर सांसद बनीं लेकिन बेटा उत्कर्ष बीजेपी का टिकट पाकर भी हार गया। आरोप है कि इस बार भी टिकट चाह रहे थे लेकिन बीजेपी से न मिलते देख पाला बदल लिया और सपा में शामिल हो गए।

डॉ. धर्म सिंह सैनी

स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ ही डॉ धर्म सिंह सैनी ने बसपा छोड़ कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। इसके बाद भाजपा ने 2017 के विस चुनाव में नकुड़ सीट से ही लड़वाया था जिसमें उन्होंने जीत दर्ज की थी। योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल में वह आयुष राज्यमंत्री थे। डॉ धर्म सिंह सैनी 2002 में सरसावां सीट से बसपा के टिकट पर पहली बार विधायक बने थे। इसके बाद 2007 में दोबारा सरसावां से बसपा के टिकट पर विधायक बने और बसपा सरकार में बेसिक शिक्षा मंत्री रहे। इसके बाद 2012 में तीसरी बार बसपा के टिकट पर ही नकुड़ से विधायक बने। इसके बाद 2017 में उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया और नकुड़ से विधायक बने। वहीं सैनी इस चुनाव में सपा के टिकट पर मैदान में हैं।

दारा सिंह चौहान

दारा सिंह चौहान दल बदलने में माहिर हैं। डीएवी पीजी कॉलेज आजमगढ़ से राजनीतिक सफर की शुरूआत के बाद यह काफी दिनों तक कांग्रेस संगठन में बतौर पदाधिकारी रहे। 1996 में सपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव ने उन्हें राज्यसभा भेजा था। 2000 में कार्यकाल पूरा होने पर फिर 2000 से 2006 तक राज्यसभा में सपा का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद वे बसपा में शामिल हो गए। बसपा सुप्रीमो मायावती ने उन्हें घोसी लोकसभा सीट से 2009 में चुनाव लड़ाया। जीतकर वे पहली बार लोकसभा सदस्य बने। 2014 में फिर बसपा के टिकट पर लोकसभा के लिए मैदान में उतरे लेकिन बीजेपी के हरिनारायण राजभर से हार गए। 2014 के बाद बदले समीकरण के चलते उन्होंने 2015 में बीजेपी की सदस्यता ग्रहण कर ली। 2017 के विधानसभा चुनाव में वे बीजेपी के टिकट पर मऊ की मधुवन सीट से निर्वाचित हुए और योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री बने। पांच साल कैबिनेट मंत्री रहने के बाद फिर सपा में लौट आये हैं।

रोशनलाल वर्मा

रोशनलाल वर्मा ने 2007 में बसपा से निगोही सीट से पहला विधानसभा चुनाव लड़ा था। उन्हें जीत मिली थी। उसके बाद 2012 में उन्होंने बसपा से ही दूसरा चुनाव जीता। 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा में शामिल हुए और लगातार तीसरी जीत हासिल की इस बार सपा के टिकट पर मैदान में है। रोशनलाल वर्मा ने अपना राजनीतिक सफर 1985 में शुरू किया था। पहली बार निगोही किसान सेवा सहकारी समित के अध्यक्ष बने। लगातार तीन बार इसका चुनाव जीते। ग्राम विकास बैंक की शाखा अध्यक्ष का चुनाव जीता। उप ब्लाक प्रमुख का चुनाव जीते और फिर ब्लाक प्रमुख बने।

भगवती प्रसाद सागर

बसपा सरकार में सेवायोजन राज्यमंत्री रहे भगवती प्रसाद सागर ने वर्ष 2007 का विधानसभा चुनाव मऊरानीपुर से लड़ा। विधायक बने फिर मंत्री रहे। 2012 में उन्होंने बसपा छोड़कर खुद को राजनीति से दूर कर लिया और योग गुरु से जुड़ गए। हालांकि यह स्थिति सिर्फ एक चुनावी सत्र तक ही रहा। 2017 में सागर भाजपा के टिकट पर बिल्हौर से लड़े और फिर से विधायक बने। इस बार सपा के टिकट पर मैदान में हैं।

डॉ. मुकेश वर्मा

शिकोहाबाद से भाजपा के विधायक डॉ. मुकेश वर्मा इस बार सपा के टिकट पर मैदान में हैं। डॉ. मुकेश वर्मा 2017 के चुनाव से पूर्व भाजपा में शामिल हुए थे। इससे पहले वे बहुजन समाज पार्टी में थे। 2012 का विधानसभा चुनाव उन्होंने बसपा से लड़ा था और दूसरे नंबर पर रहे थे।

बृजेश कुमार प्रजापति

स्वामी प्रसाद मौर्य ने जब पूर्व में बहुजन समाज पार्टी को छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में आए थे तब बृजेश प्रजापति ने भी बहुजन समाज पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ली थी। बृजेश कुमार प्रजापति ने 2012 का चुनाव बसपा के टिकट पर लड़ा था लेकिन हार गए थे। वह 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर तिंदवारी विधानसभा में विधायक बने थे। इस बार चुनाव में तिंदवारी विधानसभा में समाजवादी पार्टी ने अपना उम्मीदवार बनाया है।

अवतार सिंह भड़ाना

फरीदाबाद के रहने वाले 64 साल के अवतार सिंह भड़ाना का राजनीतिक सफर लंबा रहा है। कांग्रेस के टिकट पर वह फरीदाबाद से तीन बार और मेरठ से एक बार सांसद रह चुके हैं। इसके बाद साल 2017 में भाजपा के टिकट से मुजफ्फरनगर की मीरापुर विधानसभा सीट पर उन्होंने चुनाव लड़ा और चुनाव जीता। वह 2019 का लोकसभा चुनाव फरीदाबाद से कांग्रेस के टिकट से लड़े किंतु हार गए। इस बार अवतार सिंह भड़ाना आरएलडी से गौतमबुद्धनगर की जेवर सीट से विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राणे मैदान से हटे

गोवा चुनाव

भाषा। पणजी

गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रतापसिंह राणे ने खुद को चुनावी दौड़ से हटा लिया है। कांग्रेस ने राज्य में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए राणे को उनकी पारपंरिक सीट पोरियम से टिकट दिया था। चुनाव न लड़ने का उनका फैसला कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

इस संबंध में राणे की प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। हालांकि, कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने इस बात की पुष्टि की कि पूर्व मुख्यमंत्री ने पार्टी को चुनाव न लड़ने के अपने फैसले से अवगत कराया है। राणे के करीबी सूत्रों ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी पुत्रवधू देविया राणे से सीधा मुकाबला टालने के लिए चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। देविया राणे, पोरियम से बतौर भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतर रही हैं। छह बार गोवा के मुख्यमंत्री रह चुके 87 वर्षीय राणे लगातार 11 मर्तबा पोरियम से विधायक चुने जा चुके हैं।

कांग्रेस के एक प्रवक्ता ने कहा, प्रतापसिंह राणे ने पार्टी को सूचित किया है कि वह पोरियम से चुनाव नहीं लड़ेंगे। इसके बाद कांग्रेस ने उनके स्थान पर अन्य प्रत्याशी का चयन कर लिया है। भाजपा ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे की पत्नी देविया राणे को पोरियम से उम्मीदवार बनाया है। चर्चा थी कि प्रतापसिंह राणे पोरियम से उम्मीदवारी के लिए कांग्रेस को अपनी पत्नी विजया देवी का नाम सुझा सकते हैं। हालांकि, बृहस्पतिवार को पार्टी की ओर से जारी संशोधित सूची में रणजीत राणे को पोरियम से कांग्रेस उम्मीदवार घोषित कर दिया गया। खबरों के मुताबिक, देविया राणे के नाम का ऐलान करने से पहले भाजपा ने प्रतापसिंह राणे को पोरियम से पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए राजी करने की कोशिश की थी। गोवा में प्रमोद सावंत के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने बतौर विधायक 50 साल पूरे करने पर प्रतापसिंह राणे को आजीवन कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया था। राणे 1972 में महाराष्ट्रवादी गोमंतक पार्टी (एमजीपी) के टिकट पर पोरियम से पहली बार विधायक निर्वाचित हुए थे। इसके बाद 2017 तक के सभी विधानसभा चुनाव उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में लड़े। उनकी पुत्रवधू देविया राणे पहली बार गोवा विधानसभा चुनाव लड़ेंगी।

गोवा में चार विधानसभा सीटों पर नेताओं की बगावत भाजपा के लिए चिंता का विषय

पणजी। गोवा विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने ज्यादातर स्थानों पर असंतुष्ट नेताओं को काबू में करने में सफलता पाई है लेकिन पणजी समेत चार सीटें पार्टी के लिए चिंता का कारण बनी हुई हैं। पणजी में पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के दिवंगत कद्दावर नेता मनोहर पर्रिकर के बेटे उत्पल पर्रिकर, सत्ताधारी पार्टी के उम्मीदवार अतानासियो मोंसेरेट के विरुद्ध निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में खड़े हैं। मोंसेरेट 2019 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए थे। उत्पल ने दावा किया है कि उनके मन में भाजपा ही है लेकिन वह इसलिए चुनाव लड़ रहे हैं ताकि कोई गलत व्यक्ति उस सीट से न जीत जाए जिसका प्रतिनिधित्व उनके (उत्पल) पिता कर चुके हैं।

उन्होंने संभवत: मोंसेरेट के खिलाफ दर्ज गंभीर मामलों की ओर इशारा किया। मांड्रेम में लक्ष्मीकांत पारसेकर ने भाजपा से इस्तीफा दे दिया है जो पार्टी की घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष थे। अब वह निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में दयानन्द सोपते के खिलाफ चुनावी मैदान में हैं जिन्होंने उन्हें कांग्रेस के प्रत्याशी के रूप में 2017 में शिकस्त दी थी। संगुएम सीट पर सावित्री कवलेकर ने बगावत कर दी है और अब वह भाजपा के उम्मीदवार सुभाष फलदेसाई के विरुद्ध लड़ रही हैं। कवलेकर, पूर्व उप मुख्यमंत्री चंद्रकांत कवलेकर की पत्नी हैं और कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आई थीं। कंभरजुआ सीट पर भाजपा को सिद्धेश को शांत रखने में सफलता मिली है जो केंद्रीय मंत्री श्रीपद नाइक के बेटे हैं। टिकट न मिलने से नाराज सिद्धेश ने निर्दलीय लड़ने का फैसला किया था। हालांकि, वर्तमान विधायक पांडुरंग मडकईकर की पत्नी और भाजपा प्रत्याशी जैनिता मडकईकर को पूर्व सहयोगी रोहन हरमलकर के खिलाफ लड़ना होगा जो कंभरजुआ से निर्दलीय उम्मीदवार हैं।

नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और अन्य ने लाला लाजपत राय को उनकी जयंती पर संसद में श्रद्धांजलि अर्पित की।

अदालत ने अनिल देशमुख, उनके बेटों के खिलाफ ईडी के आरोपपत्र का संज्ञान लिया

धन शोधन मामला

भाषा। मुंबई

मुंबई की एक विशेष अदालत ने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख और उनके दो बेटों के खिलाफ धन शोधन के एक मामले के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोपपत्र का शुक्रवार को संज्ञान लिया।

विशेष धन शोधन रोकथाम अधनियम (पीएमएलए) अदालत के न्यायाधीश, आर.एन. रोकड़े ने आरोपपत्र का संज्ञान लेने के बाद आरोपियों के खिलाफ प्रक्रिया आगे बढ़ाई। गौरतलब है कि पिछले साल दिसंबर में ईडी ने मामले के सिलसिले में 7,000 पृष्ठों का पूरक आरोपपत्र दाखिल किया था।

देशमुख के अलावा, जांच एजेंसी ने मामले में आरोपी के तौर पर उनके दो बेटों को नामजद किया था। इससे पहले जांच एजेंसी ने देशमुख के निजी सचिव (अतिरिक्त कलेक्टर रैंक के अधिकारी) संजीव पलांडे और निजी सहायक कुंदन शिंदे सहित 14 आरोपियों के खिलाफ एक आरोपपत्र दाखिल किया था। देशमुख को ईडी ने मामले के सिलसिले में पिछले साल एक नवंबर को गिरफ्तार किया था और वर्तमान में वह न्यायिक हिरासत में हैं।

भ्रष्टाचार और आधिकारिक पद के दुरूपयोग के आरोपों को लेकर देशमुख के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के पिछले साल 21 अप्रैल को एक प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद ईडी ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता तथा उनके सहयोगियों के विरूद्ध जांच शुरू की थी।

ईडी ने यह मामला बनाया है कि देशमुख ने राज्य के गृह मंत्री पद पर रहने के दौरान अपने आधिकारिक पद का कथित तौर पर दुरूपयोग किया तथा पुलिस अधिकारी (अब बर्खास्त) सचिन वाझे के जरिए मुंबई में विभिन्न बार से 4.70 करोड़ रुपए की उगाही की।

ईडी ने आरोप लगाया है कि यह धन नागपुर के श्री साईं शिक्षण संस्था को हस्तांतरित किया गया। इस शिक्षण न्यास की बागडोर देशमुख परिवार के हाथों में है। पलांडे और शिंदे ने बेहिसाबी धन का शोधन करने में अहम भूमिका निभाई थी।

पटना में जन अधिकार पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को रेलवे भर्ती बोर्ड की गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणियों की परीक्षा में कथित विसंगतियों को लेकर बिहार बंद के दौरान सड़क जाम कर प्रदर्शन किया

कोझिकोड के बाल आश्रम से लापता लड़कियां केरल व कर्नाटक में मिली

भाषा। कोझिकोड (केरल)

कोझिकोड में केरल सरकार द्वारा संचालित बाल आश्रम से लापता हुई लड़कियों के मामले की जांच कर रही पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि सभी लड़कियां केरल व कर्नाटक के विभिन्न स्थानों से बरामद की गई हैं। कोझिकोड के वेल्लिमाडूकुन्नू के बाल आश्रम से बुधवार शाम को छह लड़कियां गायब हो गई थीं।

पुलिस ने बृहस्पतिवार को उनमें से एक का बेंगलुरु के माडिवाला क्षेत्र के एक होटल में पता लगाया। दूसरी लड़की का पता मैसूरू में चला जब वह बृहस्पतिवार को देर रात को कोझीकोड के लिए बस में सवार हो रही थी।

पुलिस ने बताया कि चार अन्य का पता शुक्रवार पूर्वाह्न को मलप्पुरम जिले के निलाम्बुर के समीप इडाक्कारा में पता चला। पुलिस के अनुसार सभी को अभिरक्षा में ले लिया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक जिन चार लड़कियों के बारे में बताया जा रहा है कि वे ट्रेन से कर्नाटक से पलक्कड़ शुक्रवार सुबह पहुंचीं थी, उन्हें सड़क मार्ग से निलाम्बुर जाते हुए स्थानीय लोगों ने रोक लिया था। इस मामले की जांच चेवायूर पुलिस कर रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आश्रय स्थल से इन लड़कियों के भागने के कारण, उन्हें बाहर से मिले सहयोग आदि के बारे में सघन जांच के बाद ही पता चल पाएगा।

नकवी ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से जुड़े बयान को लेकर हामिद पर कटाक्ष किया

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने पूर्व उप राष्ट्रपति हामिद अंसारी पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा कि भारत बैशिंग ब्रिगेड इन दिनों देश की संस्कृति, संकल्प और संविधान की लिचिंग करने की स्पर्धा में लगा हुआ है। उन्होंने यह बयान उस वक्त दिया है जब हाल ही में इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल द्वारा डिजिटल माध्यम से आयोजित एक परिचर्चा में अंसारी ने कहा था कि हाल के वर्षों में उन्होंने उन प्रवृत्तियों और प्रथाओं के उद्भव का अनुभव किया है, जो नागरिक राष्ट्रवाद के सुस्थापित सिद्धांत को लेकर विवाद खड़ा करती हैं और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की एक नई एवं काल्पनिक प्रवृति को बढ़ावा देती हैं। अंसारी ने यह भी कहा था, वह नागरिकों को उनके धर्म के आधार पर अलग करना चाहती हैं, असहिष्णुता को हवा देती हैं और अशांति एवं असुरक्षा को बढ़ावा देती हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति के इस बयान की पृष्ठभूमि में नकवी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि ऐसा महसूस हो रहा है कि कुछ लोग भारत के संस्कार, संकल्प, संस्कृति, संविधान की सांप्रदायिक लिंचिंग की सुपारी लेकर काम कर रहे हैं। भारत के खिलाफ दुष्प्रचार सिंडिकेट की मोदी बैशिंग सनक भारत बैशिंग साजिश बनती जा रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने यह भी कहा कि मोदी सरकार के समावेशी विकास, सर्वस्पर्शी सशक्तिकरण के सफल परिणामों से परेशान कुछ लोग अल्पसंख्यकों को लेकर दुनिया के सामने तथ्यों-तर्कों और जमीनी हकीकत के विपरीत झूठ के झाड़ से सच के पहाड़ै को परास्त करने का पाखंडी प्रयास कर रहे हैं। नकवी के अनुसार भारतीय जनता पार्टी की सरकारों ने तुष्टीकरण के छलै कोंै समावेशी सशक्तिकरण के बलै से ध्वस्त किया है, जिसका परिणाम है कि आज समाज के सभी वर्ग सामाजिक -आर्थिक -शैक्षिक सशक्तिकरण के बराबर के हिस्सेदार-भागीदार बन रहे हैं।

भाजपा कार्यकर्ता की मौत के मामले में सीबीआई ने सात लोगों को गिरफ्तार किया

कोलकाता। बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद राजनीतिक हिंसा के मामलों की जांच कर रही सीबीआई ने कूचबिहार जिले के सीतलकुची इलाके में भाजपा कार्यकर्ता माणिक मोइत्रा की मौत के मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है। एजेंसी के सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक आरोपी कूचबिहार के एक गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि इन लोगों को कूचबिहार जिले की एक अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा। एजेंसी ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर पिछले साल अगस्त में मामला दर्ज किया था। शुरुआत में सीतलकुची के एक थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। उच्च न्यायालय ने 19 अगस्त को इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए चुनाव के बाद की हिंसा में बलात्कार और हत्या से जुड़े मामलों की जांच सीबीआई से कराने का आदेश दिया था।

कश्मीर के कुछ नेताओं ने लोगों को विभाजित करने कोशिश की : राणा

भाषा। जम्मू

भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र सिंह राणा ने शुक्रवार को कहा कि कश्मीर के कुछ नेता ऐसे हैं जो लोगों को बांटने के लिए अक्सर जम्मू जाते हैं, लेकिन उन्हें सफल नहीं होने दिया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में एक निर्वाचित सरकार की मांग करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि नौकरशाही शासन एक राजनीतिक सरकार की जगह नहीं ले सकता। पिछले साल नेशनल कॉन्फ्रेंस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राणा ने कहा, वो राजनेता जो कश्मीर से यहां (जम्मू) आते हैं और जम्मू में लोगों को बांटने की कोशिश करते हैं, वे जम्मू को उस तरह से बर्बाद करने में कामयाब नहीं होंगे, जिस तरह से उन्होंने कश्मीर को तबाह किया। पूर्व विधायक ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि जम्मू के लोग शांति से रहते हैं और सांप्रदायिक सौहार्द व भाईचारे के साथ रहते रहेंगे। उन्होंने कहा, लेकिन हम चाहते हैं कि जम्मू की आवाज मजबूत हो और जम्मू को उसका हक मिले।

● जम्मू को बर्बाद करने की भी कोशिश : भाजपा नेता का दावा

हम अपने अधिकारों के लिए लड़ते रहेंगे। कोई समझौता नहीं होगा। जम्मू-कश्मीर को 2019 में एक केंद्र शासित प्रदेश में पुनर्गठित किया गया था और इसके प्रशासन का नेतृत्व उपराज्यपाल (एलजी) करते हैं। राणा ने कहा कि नौकरशाही शासन राजनीतिक सरकार का विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा वयोवृद्ध राजनेता हैं। वह छह बार सांसद रहे और मंत्री भी रह चुके हैं।

उनके पास शासन का काफी अनुभव है। प्रशासन अच्छे तरीके से चलाया जा रहा है। राणा ने कहा, जम्मू-कश्मीर में नौकरशाही कार्यकुशल है। वे मेहनती लोग हैं। हमें जम्मू-कश्मीर की नौकरशाही और पुलिस पर गर्व है। निर्वाचित सरकार की जरूरत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधियों तक लोगों की पहुंच सुगम होती है और लोगों के प्रति उनकी जिम्मेदारी भी होती है। भाजपा नेता ने कहा, वे (निर्वाचित प्रतिनिधि) पुल होते हैं।

जम्मू कश्मीर के लोगों की उम्मीद बनकर उभरी है अपनी पार्टी : बुखारी

जम्मू। अपनी पार्टी के अध्यक्ष सैयद अल्ताफ बुखारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी जम्मू कश्मीर मे ऐसे समय में एक उम्मीद के रूप में उभरी है, जब लोगों में अलगाव और इस बात की भावना है कि उनके सरोकारों का किसी ने प्रतिनिधित्व नहीं किया। बुखारी ने कहा कि पार्टी ने विभाजनकारी राजनीति को समाप्त करने और दो क्षेत्रों - कश्मीर और जम्मू के लोगों को एकजुट करने की नीति के साथ लोगों को निराशा की स्थिति से बाहर निकालने की कोशिश की है। इस समारोह में कांग्रेस नेता अखलाक हुसैन खाखी अपने समर्थकों के साथ अपनी पार्टी में शामिल हुए। पार्टी में शामिल होने वाले नेताओं का स्वागत करते हुए बुखारी ने कहा, हमारी पार्टी जम्मू कश्मीर में उम्मीद बन कर उभरी है, जब लोगों के बीच निराशा और अलगाव की भावना है। खाखी और उनके समर्थकों के पार्टी में शामिल होने से अपनी पार्टी की जड़ें मजबूत होंगी। उन्होंने पार्टी में शामिल होने वाले नेताओं से पार्टी की नीतियों और एजेंडे को आगे ले जाने के लिए कहा।विभाजनकारी राजनीति की निंदा करते हुए बुखारी ने प्रदेश के दोनों क्षेत्रों के बीच तथा लोगों के बीच एकता बनाए रखने की वकालत की।

गुरुग्राम में शुक्रवार को आगामी बसंत पंचमी के त्योहार से पहले हिंदू देवी सरस्वती की मूर्ति तैयार करता एक कलाकार

अंत:वस्त्र के बारे में विवादित टिप्पणी करने के लिए श्वेता तिवारी पर प्राथमिकी दर्ज

भाषा। भोपाल

अपने अंत:वस्त्र के बारे में टिप्पणी के दौरान कथित तौर पर भगवान का जिक्र करने के लिए टेलीविजन अदाकारा श्वेता तिवारी के खिलाफ यहां लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मध्यप्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा द्वारा पुलिस को इस विवादस्पद टिप्पणी की जांच करने और 24 घंटे के अंदर रिपोर्ट देने का निर्देश देने के एक दिन बाद तिवारी के खिलाफ यह कार्रवाई की गई।

श्यामला हिल्स पुलिस थाने के एक पुलिस अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर कहा, भोपाल में दो दिन पहले विवादित बयान देने के मामले में श्वेता तिवारी के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने के लिए भादंवि की धारा 295 (ए) के तहत शुक्रवार तड़के दो बजे श्यामला हिल्स पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि श्वेता के खिलाफ यह मामला भोपाल के निवासी सोनू प्रजापति की शिकायत पर की गई है। प्रजापति ने आरोप लगाया है कि श्वेता द्वारा भोपाल में एक कार्यक्रम दौरान की गई भगवान के बारे में की गई विवादित टिप्पणी से उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। अधिकारी ने बताया कि अब हम श्वेता को जल्द ही नोटिस जारी कर पुलिस थाने में बुलाएंगे। यह नोटिस हम डाक से भी भेज सकते हैं और एक पुलिस दल भेजकर भी।

संपर्क किए जाने पर सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली बिट्टू शर्मा ने श्वेता के खिलाफ मामला दर्ज करने की पुष्टि करते हुए पीटीआई-भाषा को बताया, श्वेता की औपचारिक गिरफ्तारी की जाएगी और उसे पुलिस थाने से जमानत मिल जाएगी। लेकिन बाद में उसे अदालत से भी अपनी जमानत करवानी पड़ेगी।

श्वेता ने बुधवार को भोपाल में अपनी वेब सीरीज शो स्टॉपर के प्रमोशन के दौरान मीडियाकर्मियों के साथ बातचीत करते हुए कहा था, मेरी ब्रा का साइज भगवान ले रहे हैं। इस दौरान वहां पर उनके सह कलाकार भी मौजूद थे। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और हिन्दू संगठनों ने उनके इस बयान पर आपत्ति उठाई।

इसके बाद गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने इस बयान के बारे में पूछे जाने पर मिश्रा ने बृहस्पतिवार को पत्रकारों से कहा था, मैंने इसे सुना है और मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं।

ठाणे में नीम हकीम गिरफ्तार, गलत उपचार के कारण पांच लोगों की मौत

ठाणे। ठाणे जिले के मुरबाद इलाके में एक फर्जी डॉक्टर को शुक्रवार को कथित तौर पर पांच लोगों की मौत के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बताया कि उसके गलत उपचार के कारण मरने वालों में एक पिता-पुत्र भी शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि पांडुरंग घोलप धनसाई गांव में लोगों का उपचार करता था लेकिन उसके पास मेडिकल की कोई डिग्री नहीं थी और करीब 11 वर्ष पहले वह एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से चपरासी के पद से सेवानिवृत्त हुआ था। तालुका चिकित्सा अधिकारी डॉ. भारती घोटे ने पीटीआई-भाषा से कहा, 26 जनवरी को एक व्यक्ति प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचा। आरोपी ने उसे जिस स्थान पर इंजेक्शन दिया था वहां उसे बड़ा सूजन हो गया था।

कुछ समय बाद उसकी मौत हो गई और इसी तरह के सूजन के साथ एक और व्यक्ति पहुंचा। बृहस्पतिवार तक इसी तरह से तीन और लोगों की मौत हो गई।

उन्होंने बताया, पुलिस और स्वास्थ्यकर्मियों की संयुक्त टीम ने फर्जी डॉक्टर के घर पर छापेमारी की और वहां खाली बक्सा मिला लेकिन इंजेक्शन नहीं मिला। हम पता लगा रहे हैं कि उसने कौन सा इंजेक्शन लगाया। वह बिना योग्यता के लंबे समय से प्रैक्टिस कर रहा था।

नदिया में धान की खेती के लिए खेत तैयार करते किसान।

पुरस्कार की अहमियत तो तब है जब विरोधी पक्ष किसी नेता की उपलब्धियों को सम्मान दे: राज बब्बर

नई दिल्ली। गुलाम नबी आजाद को पद्म भूषण पुरस्कार दिए जाने की घोषणा के बाद से कांग्रेस के कुछ नेताओं के बीच हुई कलह की पृष्ठभूमि में पार्टी नेता राज बब्बर ने इस संदर्भ में चल रही बहस को गैरजरूरी करार देते हुए कहा है कि किसी पुरस्कार की अहमियत तो तब है जब विरोधी पक्ष किसी नेता की उपलब्धियों को सम्मान दे।

उन्होंने यह बयान उस वक्त दिया है जब जब ऐसी चर्चा है कि पूर्व सांसद बब्बर समाजवादी पार्टी में शामिल हो सकते हैं।

बब्बर ने ट्वीट किया, अवार्ड की अहमियत तो तब है जब विरोधी पक्ष किसी नेता की उपलब्धियों को सम्मान दे - अपनी सरकार में तो कोई भी ख्वाहिश पूरी कर सकते हैं लोग। पद्म भूषण को लेकर जारी बहस मुझे लगता है गैरजरूरी है।

भाजपा के 12 विधायकों के निलंबन पर कोर्ट का निर्णय एमवीए सरकार पर जोरदार तमाचा: फड़णवीस

भाषा। मुंबई

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फड़णवीस ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय के उस फैसले का स्वागत किया जिसमें उसने भाजपा के 12 विधायकों के महाराष्ट्र विधानसभा से निलंबन को असंवैधानिक और तर्कहीन करार दिया है। महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष फड़णवीस ने कहा कि शीर्ष अदालत का फैसला शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस की महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार की असंवैधानिक, अनैतिक, अनुचित, अवैध और अलोकतांत्रिक कार्वाई को लेकर उसके चेहरे पर एक और जोरदार तमांचा है। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा के 12 विधायकों को जुलाई 2021 के शेष सत्र की अवधि के बाद निलंबित करने का प्रस्ताव असंवैधानिक और तर्कहीन है। शीर्ष अदालत ने 12 विधायकों की याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया, जिन्होंने राज्य विधानसभा से एक साल के निलंबन को चुनौती दी थी।

विधायकों को अध्यक्ष के कक्ष में पीठासीन अधिकारी भास्कर जाधव के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में पिछले साल 5 जुलाई को विधानसभा से निलंबित कर दिया गया था।

फड़णवीस ने शीर्ष अदालत के फैसले पर प्रतिक्रिया करते हुए ट्वीट किया कि सत्यमेव जयते। मॉनसून सत्र के दौरान महाराष्ट्र विधानसभा में ओबीसी के लिए लड़ने वाले हमारे 12 विधायकों के निलंबन को रद्द करने के उच्चतम न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले का स्वागत करते हैं और अदालत का आभार व्यक्त करते हैं।

भारती एयरटेल में एक अरब डॉलर का निवेश करेगी गूगल

● 1.28 फीसदी हिस्सेदारी भी खरीदेगी

भाषा। नई दिल्ली

इंटरनेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी गूगल दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल में एक अरब डॉलर का निवेश करेगी।

इस करार में इक्विटी निवेश के साथ-साथ संभावित वाणिज्यिक समझौतों के लिए एक कोष भी शामिल है, जिसके तहत समझौतों को अगले पांच वर्षों के दौरान पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर मंजूरी दी जाएगी। गूगल यह निवेश गूगल फॉर इंडिया डिजिटाइजेशन फंड के तहत कर रही है। एयरटेल ने एक बयान में कहा, इस निवेश सौदे में 70 करोड़ डॉलर का इक्विटी निवेश भारती एयरटेल में 734 रुपए प्रति शेयर की कीमत पर किया जाएगा। कुल निवेश में से 30 करोड़ डॉलर की राशि वाणिज्यिक समझौतों के क्रियान्वयन के लिए होगी। भारती एयरटेल के निदेशक मंडल ने पांच रुपए के अंकित मूल्य वाले 71,176,839 इक्विटी शेयर गूगल इंटरनेशनल एलएलसी को तरजीही आधार पर 734 रुपए प्रति शेयर की कीमत पर जारी करने की मंजूरी दी है जो कुल 5,224.3 करोड़ रुपए मूल्य के हैं। भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने एक बयान में कहा, एयरटेल और गूगल नवोन्मेषी उत्पादों के जरिए भारत के डिजिटल लाभांश को बढ़ाने का दृष्टिकोण साझा करती हैं। भविष्य के लिहाज से तैयार हमारे नेटवर्क, डिजिटल मंच, अंतिम-छोर तक के वितरण और भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र के साथ हम भारत के डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार के लिए गूगल के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं। गूगल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुंदर पिचाई ने कहा, एयरटेल में हमारा वाणिज्यिक और इक्विटी निवेश हमारे गूगल फॉर इंडिया डिजिटाइजेशन फंड के स्मार्टफोन तक पहुंच, नए कारोबारी मॉडल को समर्थन देने के लिए कनेक्टिविटी बढ़ाने और डिजिटल रूपांतरण की यात्रा में कंपनियों के मदद देने के अनुरूप है।

मुंबई में एसबीआई के चेयरमैन व साथ में इंडिया आईएनएक्स के चेयरमैन बीएसई बिल्डिंग में बुल स्टैच्यू के पास पोज देते हुए

क्रेडिट सुइस के साथ वित्तीय विवाद तीन सप्ताह में सुलझाए स्पाइसजेट: न्यायालय

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने विमानन कंपनी स्पाइसजेट को स्विट्जरलैंड की कंपनी क्रेडिट सुइस एजी के साथ जारी वित्तीय विवाद के समाधान के लिए शुक्रवार को तीन सप्ताह का समय देने के साथ ही मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश के क्रियान्वयन पर भी तीन सप्ताह के लिए रोक लगा दी। उच्चतम न्यायालय ने इसे एक गंभीर मामला बताते हुए कहा कि एयरलाइन यह नहीं कह सकती कि वह एक व्यस्त संगठन है और किसी को भुगतान नहीं करेगी। स्पाइसजेट ने अपनी याचिका में मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उसने परिसमापन याचिका स्वीकार करते हुए आधिकारिक परिसमापक को किफायती सेवाएं देने वाली एयरलाइन की संपत्तियों पर कब्जा लेने का निर्देश दिया था। स्विट्जरलैंड की कंपनी क्रेडिट सुइस एजी ने उच्च न्यायालय में कहा था कि स्पाइसजेट विमान इंजनों के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉलिंग के अपने 2.4 करोड़ डॉलर के बिलों का भुगतान करने में विफल रही है। उच्चतम न्यायालय ने स्पाइसजेट की याचिका की सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय के आदेश के प्रकाशन पर रोक लगा दी। लेकिन इसी के साथ स्पाइसजेट के रवैए पर सवाल भी खड़े किए।

मुख्य न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की तीन सदस्ईय पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे की इस बात पर गौर किया कि स्पाइसजेट स्विस कंपनी के साथ मुद्दे का समाधान निकालने का प्रयास करेगी।

भारत की सोने की मांग 2021 में बढ़कर 797.3 टन पर पहुंची

भाषा। मुंबई

उपभोक्ता धारणा में सुधार और कोविड-19 से संबंधित व्यवधानों के बाद मांग में तेजी आने से भारत में सोने की खपत 2021 में बढ़कर 797.3 टन हो गई और इस वर्ष भी तेजी का रुख जारी रहने का अनुमान है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने स्वर्ण मांग रूझान 2021 रिपोर्ट में कहा कि 2021 में स्वर्ण की मांग 78.6 फीसदी की वृद्धि के साथ 797.3 टन हो गई जो 2020 में 446.4 टन थी। डब्ल्यूजीसी में क्षेत्रीय मुख्य कार्यपालक अधिकारी, सोमसुंदरम पीआर ने कहा, वर्ष 2021 ने सोने के बारे में पारंपरिक सोच की ताकत को फिर से प्रमाणित किया है और पुनरुद्धार में कई सबक दिए जो आने वाले वर्षों के लिए नीतिगत सोच को आकार देंगे। उन्होंने कहा, भारत की स्वर्ण मांग 79 प्रतिशत बढ़कर 797.3 टन हो गई, जो मुख्य रूप से चौथी तिमाही की 343 टन की असाधारण मांग का परिणाम है। यह मांग तीसरी तिमाही में व्यक्त किए गए हमारे अनुमान से भी आगे निकल गई और सबसे अच्छी तिमाही साबित हुई। वर्ष 2022 के लिए सोमसुंदरम ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य यदि जारी रहता है और कोई विशेष व्यवधान नहीं आता है तो स्वर्ण की मांग करीब 800-850 टन रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि सोने के आभूषणों की मांग पिछले वर्ष के मुकाबले 2021 में दोगुनी हो गई और महामारी से पहले के स्तर को भी लांघ कर छह वर्ष के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई। चौथी तिमाही में 265 टन की रिकॉर्ड मांग रही। मूल्य के आधार पर देखें तो आभूषणों की मांग 96 फीसदी की वृद्धि के साथ 2,61,140 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। 2020 में यह 1,33,260 करोड़ रुपए थी। कुल निवेश मांग 2021 में 43 फीसदी बढ़कर 186.5 टन हो गई। मूल्य के लिहाज से मांग 45 फीसदी की वृद्धि के साथ 79,720 करोड़ रुपए हो गई। हालांकि देश में कुल स्वर्ण पुनर्चक्रण 21 फीसदी घटकर 75.2 टन रह गया। भारत में कुल स्वर्ण आयात 165 फीसदी बढ़कर 924.6 टन हो गया।

कोटक महिंद्रा बैंक का तीसरी तिमाही में लाभ 15 प्रतिशत बढ़कर 2,131 करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की ऋणदाता कोटक महिंद्रा बैंक ने शुक्रवार को बताया कि दिसंबर 2021 में समाप्त हुई तीसरी तिमाही के लिए उसका एकल शुद्ध लाभ 15 प्रतिशत बढ़कर 2,131 करोड़ रुपए हो गया है। बैंक ने दिसंबर 2020 में समाप्त हुई तिमाही में शुद्ध लाभ1,854 करोड़ रुपए होने की जानकारी दी थी। कोटक महिंद्रा बैंक ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि चालू वित्त वर्ष में तीसरी तिमाही में एकल आधार पर उसकी कुल आय चार प्रतिशत बढ़कर 8,260.48 करोड़ रुपए हो गई जो वित्त वर्ष 2020-21 की इसी तिमाही में 7,950 करोड़ रुपए थी। एकीकृत आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ 2021-22 की अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही में 31 प्रतिशत बढ़कर 3,403 करोड़ रुपए हो या जो इससे पिछले वर्ष इसी अवधि में 2,602 करोड़ रुपए था। हालांकि एकीकृत आधार पर आय 14,671 करोड़ रुपए से कम होकर 14,176 करोड़ रुपए हो गई थी।

फ्लिपकार्ट होलसेल अपने प्लेटफॉर्म पर लेकर आया वॉइस सर्च की सुविधा

बेंगलुरु। भारत में विकसित फ्लिपकार्ट ग्रुप के डिजिटल बी2बी मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट होलसेल ने आज अपने प्लेटफॉर्म पर वॉइस सर्च फीचर को प्रस्तुत करने की घोषणा की। यह सुविधा फिलहाल हिंदी व अंग्रेजी में उपलब्ध है और इससे किराना एवं रिटेलर्स को प्रभावी ढंग से उत्पाद खोजने में मदद मिलेगी और उनके लिए प्लैटफॉर्म पर खरीदारी करना काफ़ी सुविधाजनक हो जाएगा इस समय जब भारत कोरोना की तीसरी लहर से जूझ रहा है तो ऐसे में यह नया फीचर ग्राहकों को इस काबिल बनाएगा की वे अपने घर की सुरक्षा व सुविधा में बैठे हुए उत्पादों की संपूर्ण श्रेणी तक पहुंच प्राप्त कर सकें। इसके अलावाए यह प्लैटफॉर्म पूरी तरह डिजिटल प्रक्रिया के जरिए क्विक क्रेडिट सपोर्ट भी प्रदान करता है।फ्लिपकार्ट होलसेल के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट व हेड आदर्श मेनन ने इस लांच पर कहा कि हमारा मूलभूत उद्देश्य यह है की हम नई तकनीकों व आविष्कारों के माध्यम से अपने ऐप पर खरीददारी का झंझट-मुक्त अनुभव देना चाहते हैं।

एथर एनर्जी का उत्तर प्रदेश में प्रवेश

लखनऊ। भारत की अग्रणी इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता एथर एनर्जी ने उत्तर प्रदेश में लखनऊ शहर से अपना रिटेल परिचालन शुरू किया। लालबाग स्थित एथर स्पेस के साथ भारत के सबसे तेज और स्मार्ट स्कूटरों में से एक, एथर 450 एक्स के साथ 450 प्लस को रिटेल करेगा । यह राज्य में एथर का पहला रिटेल स्टोर है और भारत में इसका 29वां स्टोर है।इस अवसर पर बोलते हुएए एथर एनर्जी के मुख्य व्यवसाय अधिकारी श्री रवनीत सिंह फोकेला ने कहाए श्उत्तर प्रदेश हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार हैए और हम विस्तार के साथ राज्य से एक महत्वपूर्ण योगदान की उम्मीद करते हैं। राज्य ने हर महीने लगभग 20ः ईवी बिक्री दर्ज की हैए और हमें लगता है कि आने वाले महीनों में ईवी के लिए विकास की प्रदेश में जबरदस्त संभावना है। एमजीएस ग्रुप की निदेशक अनन्या गुप्ता ने कहाए ष् हम एमजीएस एथर एनर्जी के साथ साझेदारी करके खुश हैं और इस तरह उत्तर प्रदेश की सड़कों पर एक बड़े खालीपन को भरने के लिए उपस्थित हैं।

सेंट्रल बैंक ने तीसरी तिमाही में 69 फीसदी लाभ अर्जित किया

नई दिल्ली। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का दिसंबर, 2021 में समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 69 फीसदी की वृद्धि के साथ 279 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बैंक ने एक साल पहले इसी अवधि में 165 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि अक्टूबर-दिसंबर, 2021 के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 6,666.45 करोड़ रुपए हो गई। ब्याज से होने वाली शुद्ध आय भी बढ़कर 2,746 करोड़ रुपए हो गई जो एक वर्ष पहले इस अवधि में 2,228 करोड़ रुपए थी।इसमें बताया गया कि दिसंबर में खत्म तिमाही में बैंक की सकल गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) 15.16 फीसदी घट गई।

कोलंबिया के परिधान आयात में भारत की हिस्सेदारी दोगुनी करने का लक्ष्य: एईपीसी

नई दिल्ली(भाषा)। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) ने शुक्रवार को कहा कि घरेलू निर्यातकों को उच्च मूल्य-वर्धित उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करके कोलंबिया के कुल परिधान आयात में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने का लक्ष्य रखना चाहिए। एईपीसी के अध्यक्ष नरेंद्र गोयनका ने भारत-कोलंबिया परिधान एवं वस्त्र तालमेल विषय पर एक ऑनलाइन कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि कोलंबिया के वैश्विक परिधान आयात में भारत की हिस्सेदारी केवल 3.2 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, हम इसे दहाई अंकों में कुछ सम्मानजनक आंकड़े तक ले जाने पर विचार कर रहे हैं। हम मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) परिधान, चिकित्सा और तकनीकी वस्त्र जैसे उच्च मूल्यवर्धित और विशेष उत्पादों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। परिषद के अनुसार, हालांकि कोलंबिया में रेडीमेड कपड़ों (आरएमजी) के आयात में गिरावट आई है लेकिन भारतीय आरएमजी निर्यात कोलंबियाई बाजार में अपनी हिस्सेदारी बनाए रखने में सक्षम रहा है। दुनिया से कोलंबिया का आरएमजी आयात वर्ष 2019 के 65.2 करोड़ डॉलर से घटकर वर्ष 2020 में 40.8 करोड़ डॉलर रह जाने के बीच कोलंबिया के कुल परिधान आयात में भारत की हिस्सेदारी वर्ष 2019 में 2.1 करोड़ डॉलर और वर्ष 2020 में 1.3 करोड़ डॉलर के साथ 3.2% पर पूर्ववत बनी रही।

स्वदेशी जागरण मंच की बीड़ी पर टैक्स कम करने की मांग

नई दिल्ली। तंबाकू उत्पादों पर कर बढ़ाने की मांग के बीच राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध स्वदेशी जागरण मंच (एसजेएम) ने सरकार से बीड़ी पर कर कम करने की मांग की और कहा कि बीड़ी पर कर में वृद्धि करने से इस उद्योग में कार्यरत लाखों कामगारों की आजीविका प्रभावित होगी। अखिल भारतीय बीड़ी उद्योग संघ के ऑनलाइन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंच के सह-समन्वयक अश्वनी महाजन ने मांग की कि बीड़ी को सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पादों (सीओटीपीए) में प्रस्तावित संशोधनों के दायरे से बाहर रखा जाए।

अंतिम घंटे में बिकवाली से सेंसेक्स, निफ्टी पर विराम, इस हफ्ते सूचकांक तीन फीसदी तक गिरे

भाषा। मुंबई

सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस पर शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार भारी बिकवाली के दबाव में शुरुआती बढ़त गंवा बैठे और नुकसान के साथ बंद हुए। इसके पीछे वैश्विक संकेतों के अलावा घरेलू धारणाओं का भी असर देखा गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स अंतिम घंटे में हुई भारी बिकवाली से सुबह के सत्र में हासिल बढ़त गंवा बैठा। एक समय सेंसेक्स 58,000 के स्तर तक पहुंच गया था लेकिन अंत में यह 76.71 अंक यानी 0.13 फीसदी गिरकर 57,200.23 अंक पर बंद हुआ। अंतिम घंटों में बैंकिंग एवं वाहन कंपनियों के शेयरों में हुई भारी बिकवाली से सेंसेक्स में यह गिरावट आई। एनएसई के सूचकांक निफ्टी का हाल भी कुछ ऐसा ही रहा। कारोबार के दौरान निफ्टी भी शुरू में बढ़त लेने के बाद अंत में गिरावट के साथ बंद हुआ। निफ्टी 8.20 अंक यानी 0.05 फीसदी गिरकर 17,101.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सबसे ज्यादा नुकसान में मारुति सुजूकी रही जिसके शेयर 2.99 फीसदी तक गिर गए। टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और एसबीआई को भी खासा नुकसान उठाना पड़ा। वहीं, एनटीपीसी, सन फार्मा, इंडसइंड बैंक, एमएंडएम, विप्रो और आईटीसी के शेयर 3.89 फीसदी तक की बढ़त हासिल करने में सफल रहे।

पेज एक का शेष

भाजपा ने...

रुदौली से रामचंद्र यादव हैदरगढ़ से दिनेश रावत मिल्कीपुर (अजा) से बाबा गोरखनाथ बीकापुर से अमित सिंह चौहान अयोध्या से वेद प्रकाश गुप्ता गोसाईगंज से आरती तिवारी जलालपुर से सुभाष राय बलहा से सरोज सोनकर मटेरा से अरुण वीर सिंह महसी से सुरेश्वर सिंह बहराइच से अनुपमा जायसवाल पयागपुर से सुभाष त्रिपाठी कैसरगंज से गौरव वर्मा भिनगा से पदमसेन चौधरी श्रावस्ती से रामफेरन पांडेय तुलसीपुर से कैलाश नाथ शुक्ला गैसड़ी से शैलेश कुमार सिंह उतरौला से राम प्रताप शशिकांत वर्मा बलरामपुर से पलटूराम मेहनौन से विनय कुमार द्विवेदी गोंडा से प्रतीक भूषण सिंह कटरा बाजार से बावन सिंह करनैलगंज से अजय कुमार सिंह तरबगंज से प्रेम नरायण पांडेय मनकापुर से रमापति शास्त्री गौरा से प्रभात कुमार वर्मा कपिलवस्तु से श्यामधनी राही बनसी से जय प्रताप सिंह इटवा से डा. सतीश चंद्र द्विवेदी डुमरियागंज से राघवेन्द्र प्रताप सिंह हरैया से अजय कुमार सिंह कप्तानगंज से चंद्र प्रकाश शुक्ला बस्ती सदर से दयाराम चौधरी महादेवा से रवि कुमार सोनकर खलीलाबाद से अंकुर राज तिवारी धनघटा से गणेश चंद्र चौहान फरेंदा से बजरंग बहादुर सिंह पनियारा से ज्ञानेन्द्र सिंह कैम्पियारगंज से फतेहबहादुर सिंह पिपराइच से महेन्द्र पाल सिंह सहजनवा से प्रदीप शुक्ला खजनी से श्रीराम चौहान बांसगांव से विमलेश पासवान चिल्लूपार से राजेश त्रिपाठी फजिलनगर से सुरेंद्र कुशवाहा कुशीनगर से पीएन पाठक हाटा से मोहन वर्मा रुद्रपुर से जय प्रकाश निषाद देवरिया से शलभ मणि त्रिपाठी पथरदेवा से सूर्य प्रताप साही रामपुर कारखाना से सुरेन्द्र चौरसिया बरहज से दीपक मिश्रा शाका् गोपालपुर से सत्येंद्र राय आजमगढ़ से अखिलेश मिश्रा गुड्डू, निजामाबाद से मनोज यादव दीदारगंज से डा कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा, लालगंज से नीलन सोनकर मोहनगर से मंजू सरोज बेल्थरा रोड से छट्ठू राम रसड़ा से बब्बन राजभर सिकंदरपुर से संदय यादव फेफना से उपेन्द्र तिवारी बदलापुर से रमेश चंद्र मिश्रा जौनपुर से गिरीश चंद्र यादव जफराबाद से डा हरेन्द्र प्रसाद सिंह केराकत से दिनेश चौधरी तथा जमानियां से सुनीता परीक्षित सिंह को उम्मीदवार बनाया गया है।

किसानों के...

इंतजाम करने पड़ेंगे, वे किए जाएंगे। अखिलेश ने यह भी कहा कि उनकी सरकार आने पर ऐसी व्यवस्था की जाएगी कि किसानों को गन्ने के भुगतान के लिए इंतजार न करना पड़े। वह यहां राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के प्रमुख जयंत चौधरी के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने केंद्र द्वारा वापस लिए गए तीन कृषि कानूनों का जिक्र करते हुए कहा, मैं किसान भाइयों को सावधान करना चाहता हूं कि भारतीय जनता पार्टी ऐसी पार्टी है जो बिना बताए भी कुछ फैसले व कानून लाएगी। इसलिए रालोद और समाजवादी पार्टी का गठबंधन किसानों को भरोसा दिलाता है कि ऐसा कोई भी कानून उप्र में कभी लागू नहीं होने दिया जाएगा। वहीं, पत्रकार वार्ता में जयंत चौधरी ने आरोप लगाया कि प्रशासन रालोद-सपा गठबंधन के प्रत्याशियों के साथ सहयोग नहीं कर रहा है।

रक्षा निर्यात...

है, हालांकि ब्रह्मोस में 400 किमी से अधिक के लक्ष्य को मारने की क्षमता है। फिलीपींस में भारतीय राजदूत शंभू कुमारन ने कहा कि उन्हें इतिहास बनते हुए देखने का मौका मिला है। उन्होंने अपने ट्वीट कहा कि फिलीपींस के रक्षा सचिव डेल्फिन लोरेंजाना द्वारा ब्रह्मोस अधिग्रहण अनुबंध पर हस्ताक्षर करना आज प्रधानमंत्री के मिशन सागर और भारत की हिंद-प्रशांत भागीदारी के लिए एक निर्णायक कदम है। उन्होंने भारत के साथ मजबूत संबंध बनाने के लिए लोरेंजाना और फिलीपींस के कैबिनेट सचिव टेडी लोक्सिन जूनियर को उनके सक्रिय समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। कुमारन ने कहा कि आज हम अपने लोकतंत्रों के बीच संबंधों को एक रणनीतिक साझेदारी और एक स्वतंत्र और शांतिपूर्ण हिंद-प्रशांत के हमारे साझा उद्देश्य के करीब ले जाने के करीब हैं। उन्होंने कहा कि यह गर्व का क्षण भी है, क्योंकि भारत खुद को उच्च-प्रौद्योगिकी उपकरणों के स्रोत और मित्र राष्ट्रों के क्षमता विकास के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित करता है। ब्रह्मोस के निर्यात आदेश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष जी सतीश रेड्डी ने कहा कि सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल आकाश, एस्ट्रा, टैंक रोधी मिसाइल, रडार, टॉरपीडो को विभिन्न देशों के हिसाब से तैयार कर निर्यात क्षमता को बढ़ाया जाएगा। फिलीपींस ने कठिन बातचीत और व्यापक परीक्षणों के बाद भारतीय मिसाइल प्रणाली का चयन किया, अधिकारियों ने कहा कि फिलीपींस नौसेना की एक टीम ने अधिग्रहण प्रक्रिया के मद्देनजर कुछ महीने पहले हैदराबाद में ब्रह्मोस एयरोस्पेस की उत्पादन इकाई का दौरा किया था।

महाराष्ट्र के...

की शक्ति से संबंधित है। पीठ ने कहा कि यह नियम न केवल एक सदस्य के निष्कासन के कठोर आदेश को पारित करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के बारे में बताता है, बल्कि क्रमिक तरीके से किए जाने वाले आत्म-सुरक्षा उपायों की पुष्ट आधारवाले अनुशासनात्मक कदम या तर्कसंगतता के बारे में भी बताता है। पीठ ने कहा, पूर्व (प्रक्रिया) का अनुपालन या विचलन गैर-न्यायसंगत हो सकता है। हालांकि, अनुशासनात्मक कदम या गलती करने वाले सदस्य पर लगाए गए आत्म-सुरक्षा उपाय की तर्कसंगतता के संबंध में, असंवैधानिक, पूर्ण रूप से अवैध और तर्कहीन या मनमाना होने की कसौटी पर न्यायिक समीक्षा का विकल्प खुला है। पीठ ने कहा कि यदि यह सदन में घोर अव्यवस्थित व्यवहार का मामला है, तो अध्यक्षासभापति दिन की शेष अवधि की बैठक के दौरान सदस्य को विधानसभा की बैठकों से निष्कासित करने का आदेश देने के लिए तत्काल निर्णय लेने को स्वतंत्र हैं और यदि यह उसी सत्र में बार-बार ऐसे दुर्व्यवहार का मामला है तो शेष सत्र के लिए भी निष्कासन किया जा सकता है। पीठ ने कहा, (8230) यदि सदन द्वारा पारित प्रस्ताव को निर्दिष्ट नियम के तहत निर्धारित अवधि से परे निलंबन प्रदान करना था, तो यह काफी हद तक अवैध, तर्कहीन और असंवैधानिक होगा। पीठ ने कहा कि चालू सत्र की शेष अवधि के बाद तक निलंबन करने से कुल मिलाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित होगी क्यों कि इससे मामूली बहुमत वाली (गठबंधन सरकार) को अलोकतांत्रिक तरीके से विपक्षी दलों की संख्या में हेरफेर का अवसर मिल सकता है। निलंबित किए गए 12 सदस्य संजय कुटे, आशीष शेलार, अभिमन्यु पवार, गिरीश महाजन, अतुल भातखलकर, पराग अलवानी, हरीश पिंपले, योगेश सागर, जय कुमार रावत, नारायण कुचे, राम सतपुते और बंटी भांगड़िया हैं। इन विधायकों ने इस प्रस्ताव को अदालत ने चुनौती दी है। राज्य सरकार ने आरोप लगाया था कि विधानसभा अध्यक्ष के कक्ष में पांच जुलाई, 2021 को पीठासीन अधिकारी भास्कर जाधव के साथ इन 12 विधायकों ने कथित रूप से दुर्व्यवहार किया था। इन विधायकों को निलंबित करने का प्रस्ताव राज्य के संसदीय कार्य मंत्री अनिल परब ने पेश किया था और ध्वनि मत से इसे पारित कर दिया गया था।

भय्यूजी की...

करते हुए उन पर दबाव बनाने की स्थिति में थी। अदालत ने अपने फैसले में यह भी कहा कि एक नौकर अपने मालिक की इच्छा को अधिशासित करने की स्थिति में तभी होता है, जब वह मालिक की किसी कमजोरी से वाकिफ हो। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, भय्यू महाराज पर पौराणिक आपत्तिजनक चैट और अन्य निजी वस्तुओं के बूते शादी के लिए दबाव बना रही थी, जबकि 50 वर्षीय आध्यात्मिक गुरु अपनी पहली पत्नी माधवी की दिल के दौरे के कारण मौत के बाद डॉ. आयुषी शर्मा के साथ दूसरा विवाह कर चुके थे। उल्लेखनीय है कि कि भय्यू महाराज ने इंदौर के बायपास रोड स्थित अपने बंगले में 12 जून 2018 को अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। उनका वास्तविक नाम उदय सिंह देशमुख था, लेकिन उनके अनुयाई उन्हें भय्यू महाराज कहकर बुलाते थे। पुलिस ने भय्यू महाराज के घर से एक छोटी डायरी के पन्ने पर लिखा सुसाइड नोट बरामद किया था। इसमें आध्यात्मिक गुरु ने लिखा था कि वह भारी तनाव से तंग आकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर रहे हैं। गौरतलब है कि भय्यू महाराज ने इस सुसाइड नोट में यह भी लिखा था कि उनकी मृत्यु के बाद उनके वित्तीय अधिकारों के साथ ही उनकी संपत्ति, बैंक खाते और संबंधित मामलों में दस्तखत का हक विनायक दुधाड़े को सौंप दिया जाए। भय्यू महाराज के सबसे नजदीकी सेवादारों में शामिल रहा दुधाड़े, उन तीन मुजरिमों में शामिल है जिन्हें आध्यात्मिक गुरु को खुदकुशी के लिए उकसाने के जुर्म में सजा सुनाई गई है। बहरहाल अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने भय्यू महाराज के सुसाइड नोट के आधार पर बचाव पक्ष को कोई भी लाभ प्रदान करने से साफ इनकार कर दिया।

पंजाब में...

केपी को मनाने की तमाम कोशिशें नाकाम होती दिख रही हैं। वह चुनाव लड़ने के अपने विकल्पों पर भी विचार कर रहे हैं। केपी ने 26 जनवरी को मुख्यमंत्री चन्नी से मुलाकात के दौरान स्पष्ट किया था कि वह चुनाव लड़ेंगे, लेकिन कैसे और कहां से यह तय होना बाकी है। उन्हें आश्वासन दिया गया है कि पार्टी आलाकमान आदमपुर क्षेत्र में टिकट आवंटन की समीक्षा कर रहा है। मजीठा सीट पर भी यही स्थिति है और यहां का टिकट बदला जा सकता है। यहां से पार्टी ने जगविंदर पाल सिंह उर्फ ??जग्गा मजीठिया को मैदान में उतारा है। जग्गा मजीठिया कांग्रेस के पूर्व नेता सुखजिंदर राज सिंह लल्ली मजीठिया के भाई हैं, जो आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए थे और अब पार्टी के उम्मीदवार हैं। मजीठा से टिकट पर नजर गड़ाए कांग्रेस की अमृतसर ग्रामीण इकाई के अध्यक्ष भगवंतपाल सिंह सच्चर पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। हालांकि, एक दिन बाद, निर्णय की समीक्षा करने का आश्वासन दिए जाने के बाद, वह कांग्रेस पार्टी में लौट आए। इस तरह अनेक सीटों पर कांग्रेस को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्कूल खोलन...

प्रसार के बीच कोई संबंध नहीं है। दोनों को जोड़कर देखने का कोई सबूत नहीं है और अब स्कूलों को बंद रखने का कोई औचित्य नहीं है। रेस्तरां, बार और शॉपिंग मॉल को खुला रखने और स्कूलों को बंद रखने का कोई मतलब नहीं है। अफोर्डेबल प्राइवेट स्कूल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष लक्ष्य छाबरिया ने भी दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल को पत्र लिखकर राष्ट्रीय राजधानी में जल्द से जल्द सभी के लिए स्कूल खोलने की मांग की है। राजधानी समेत देश के विभिन्न हिस्सों में मार्च 2020 से स्कूल बंद हैं।

कोरोना के...

अनुसार, हाल ही में दक्षिण अफ्रीका में चमगादड़ों में खोजा गया न्योकोव कोरोना वायरस मनुष्यों के लिए खतरा है या नहीं, इस सवाल पर और अध्ययन की आवश्यकता है। स्वास्थ्य निकाय ने कहा कि अध्ययन में पाया गया वायरस मनुष्यों के लिए एक जोखिम पैदा करेगा, इसके लिए आगे के अध्ययन की आवश्यकता है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि यह विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (ओआईई), खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के साथ मिलकर काम करता है ताकि उभरते हुए जूनोटिक वायरस के खतरे की निगरानी और प्रतिक्रिया का पता लगा सके।

यूक्रेन तनाव : युद्ध शुरू नहीं करेगा रूस

● पश्चिमी देशों को अपने सुरक्षा हितों को रौंदने नही देंगे : विदेश मंत्री लावरोव

भाषा। मास्को

यूक्रेन पर आक्रमण की आशंका के बीच रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने शुक्रवार को कहा कि मास्को युद्ध शुरू नहीं करेगा लेकिन चेतावनी दी कि वह पश्चिमी देशों को उसके सुरक्षा हितों को रौंदने नहीं देगा। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एक दिन पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति को आगाह किया था कि इस बात की स्पष्ट आशंका है कि रूस फरवरी में उनके देश के खिलाफ सैन्य कार्वाई कर सकता है। विदेश मंत्री लावरोव ने रूसी रेडियो स्टेशन के साथ एक साक्षात्कार में कहा, जब तक यह रूसी संघ पर निर्भर करता है, तब तक युद्ध नहीं होगा, हम युद्ध नहीं चाहते हैं। लेकिन हम अपने हितों को बेरहमी से रौंदने और उनकी उपेक्षा नहीं करने देंगे। रूस ने यूक्रेन की सीमा के पास 1,00,000 से अधिक सैनिकों का जमावड़ा कर रखा है जिससे इस क्षेत्र में युद्ध की आशंका तेज हो गई है। रूस ने लगातार इस बात से इनकार किया है कि वह यूक्रेन पर हमले की योजना बना रहा है, लेकिन अमेरिका और उसके नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) सहयोगियों का मानना है कि रूस युद्ध की ओर बढ़ रहा है तथा इसके लिए तैयारी कर रहा है। रूस की मुख्य मांगों में नाटो में यूक्रेन को शामिल नहीं करना और क्षेत्र से ऐसे हथियारों को हटाना शामिल है, जिससे रूस को खतरा हो सकता है।

लेकिन अमेरिका और नाटो रूस की मुख्य मांगों पर किसी भी तरह की रियायत को दृढ़ता से खारिज कर चुके हैं। हालांकि तनाव घटाने के लिए अमेरिका ने उन मुद्दों को रेखांकित किया है जिन पर वार्ता की जा सकती है। अब, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुति इन प्रस्तावों पर फैसला करेंगे और इससे यह तय होगा कि यूक्रेन पर हमला होगा या नहीं। इस बीच, क्रेमलिन (रूस के राष्ट्रपति कार्यालय) ने कहा है कि अमेरिका और नाटो की प्रतिक्रिया के बाद उम्मीद की बहुत कम गुंजाइश बचती है। लावरोव ने शुक्रवार को उल्लेख किया कि अमेरिका ने सुझाव दिया है कि दोनों पक्ष मध्यम दूरी की मिसाइलों की तैनाती की सीमा तय करने, सैन्य अभ्यास रोकने और युद्धपोतों, विमानों की दुर्घटनाओं को रोकने संबंधी नियमों को लेकर चर्चा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि रूस ने वर्षों पहले इन मुद्दों पर चर्चा करने का प्रस्ताव रखा था लेकिन अमेरिका और उसके सहयोगियों ने कभी भी इस पर ध्यान नहीं दिया। विश्वास बहाली के उपायों पर बातचीत के लिए अमेरिका के प्रस्तावों को लावरोव ने तार्किक बताया लेकिन इस बात पर जोर दिया कि रूस की मुख्य चिंताएं नाटो के विस्तार और रूस की सीमाओं के पास गठबंधन के देशों के हथियारों की तैनाती को रोकना है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समझौते कहते हैं कि एक राष्ट्र की सुरक्षा दूसरों की कीमत पर नहीं होनी चाहिए और वह अपने पश्चिमी देशों के समकक्षों को उस दायित्व को निभाने के लिए पत्र भेजेंगे।

बाइडन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति से की बात : संप्रभुता के लिए प्रतिबद्धता दोहराई

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन के अपने समकक्ष वोलोदिमीर जेलेंस्की से बात की और उनके देश की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। अमेरिका ने रूस को यूक्रेन पर हमला करने से रोकने के लिए उसके खिलाफ वैश्विक दबाव बनाया है। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति जो बाइडन ने आज यूक्रेन के अपने समकक्ष वोलोदिमीर जेलेंस्की से बात की। राष्ट्रपति बाइडन ने इस बात की पुष्टि की कि यदि यूक्रेन पर रूस आक्रमण करता है तो अपने सहयोगियों तथा भागीदारों के साथ अमेरिका इसका निर्णायक रूप से जवाब देने को तैयार है। व्हाइट हाउस ने बताया कि दोनों नेताओं ने यूरोपीय सुरक्षा पर समन्वित राजनयिक प्रयासों के बारे में चर्चा की और यूक्रेन के बिना यूक्रेन के बारे में कुछ भी नहीं के सिद्धांत को रेखांकित किया। बयान के अनुसार, फोन पर बातचीत के दौरान बाइडन ने नॉरमैंडी प्रारूप में संघर्ष समाधान के प्रयासों के लिए अमेरिका का समर्थन दिया और उम्मीद जताई कि जुलाई 2020 के युद्धविराम की शर्तों को लेकर पक्षों द्वारा 26 जनवरी को व्यक्त की गई प्रतिबद्धता से तनाव को कम करने और मिन्स्क समझौतों के क्रियान्वयन को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने पत्रकारों से कहा कि अमेरिका ने सीमा पर तैयारी देखी है और किसी भी समय आक्रमण हो सकता है। उन्होंने कहा, हमारा आकलन इसको लेकर बदला नहीं है। इससे पहले अमेरिका और नाटो ने मामले पर अलग-अलग रूस को अपनी प्रतिक्रिया भेजी थीं।

यूक्रेन मामले पर रूस के दुष्प्रचार को उजागर करने का प्रयास कर रहा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका और उसके सहयोगी देश यूक्रेन को लेकर रूस के साथ बढ़ते तनाव के बीच खुफिया जानकारियां उजागर करके रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की योजनाओं को बेनकाब करने का प्रयास कर रहे है। साथ ही वे यूक्रेन के मामले पर वैश्विक मत कायम करने के पुतिन के प्रयासो को विफल करने की भी कोशिश कर रहे है। पिछले कुछ हफ्तो मे व्हाइट हाउस ने आरोप लगाया है कि रूस झूठ पर आधारित अभियान चलाकर यूक्रेन पर आक्रमण करने का मौका तलाश रहा है। वही, ब्रिटेन ने कहा था कि रूस यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को सत्ता से हटाकर वहां मॉस्को समर्थित सरकार बनाने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका ने रूसी सैनिको की तैनाती का एक मानचित्र भी जारी किया है और ही विस्तारपूर्वक यह भी बताया कि अधिकारियो के अनुसार रूस लगभग 1,75,000 सैनिको के साथ किस प्रकार यूक्रेन पर आक्रमण करने का प्रयास कर सकता है। विशेषज्ञो ने व्हाइट हाउस को खुफिया जानकारियां साझा करने और झूठे दावे किए जाने से पहले ही उनके खंडन के लिए तैयार रहने का श्रेय दिया है। वही, रूस ने अमेरिका के दावो को झूठ बताकर खारिज कर दिया है। साथ ही उसने अतीत मे अमेरिका की खुफिया नाकामियो का भी जिक्र किया है।

यूक्रेनी सैनिक पश्चिमी यूक्रेन के करीब यवोरिव सैन्य प्रशिक्षण मैदान पर एनएलएडब्ल्यू एंटी टैंक मिसाइलों के उपयोग के लिए एक अभ्यास में भाग लेते हुए

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट को मिलेगी पहली काली महिला न्यायाधीश : बाइडन

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह फरवरी के अंत तक अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में पहली काली महिला न्यायाधीश को नियुक्त करेंगे। बाइडन ने व्हाइट हाउस में हुए एक कार्यक्रम में यह घोषणा की। बाइडन ने सेवानिवृत होने जा रहे न्यायाधीश स्टीफन ब्रेयर की तारीफ की और कहा कि उनकी जगह लेने वाले न्यायाधीश की तलाश शुरू कर दी गई है। ब्रेयर की जगह किसी योग्य व्यक्ति को न्यायाधीश नियुक्त किया जाएगा।

क्विक न्यूज

चमगादड़ों में पाया गया नियोकोव कोरोना वायरस भविष्य में मानव के लिए पैदा कर सकता है खतरा : वैज्ञानिक

बीजिंग। दक्षिण अफ्रीका में चमगादड़ों के बीच फैलने वाला नियोकोव कोरोना वायरस यदि और अधिक उत्परिवर्तित हुआ तो यह भविष्य में मानव के लिए खतरा पैदा कर सकता है। चीन के अनुसंधानकर्ताओं ने इस बारे में आगाह किया है। यह अध्ययन प्रकाशन पूर्व संग्रह कोश बायोआरएक्सआईवी पर हाल में डाला गया है और इसकी समीक्षा की जानी अभी बाकी है। अध्ययन से यह पता चलता है कि नियोकोव मिडिल ईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम (मर्स) से करीबी रूप से संबद्ध है। विषाणु जनित इस रोग की पहली बार 2012 में सऊदी अरब में पहचान की गई थी। कोरोना वायरस विषाणुओं का एक बड़ा परिवार है, जो सामान्य सर्दी जुकाम से लेकर सार्स जैसे रोग का कारण बन सकता है। चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेज और वुहान यूनिवर्सिटी के अनुसंधानकताओं ने यह गौर किया है कि नियोकोव दक्षिण अफ्रीका में चमगादड़ों के समूह में पाया गया है और यह इन जंतुओं में विशेष रूप से फैलता है। अनुसंधानकर्ताओं ने इस बात का जिक्र किया कि अपने मौजूदा स्वरूप में नियोकोव मानव को संक्रमित नहीं करता है, लेकिन यदि यह और अधिक उत्परिवर्तित हुआ, तो यह संभवत: नुकसानदेह हो सकता है।

पोप ने कोविड-19, टीकाकरण के बारे में फर्जी सूचना की निंदा की, सच्चाई बताने की अपील की

रोम। पोप फ्रांसिस ने कोविड-19 और टीकों के बारे में फर्जी सूचना की शुक्रवार को निंदा की और आशंका के आधार पर वास्तविक तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने की आलोचना की। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि जो लोग इस तरह की झूठ में विश्वास करते हैं उन्हें सच्चे वैज्ञानिक तथ्यों को समझने में मदद की जाए। फ्रांसिस ने कैथोलिक पत्रकारों से मुलाकात की जिन्होंने महामारी के बारे में फर्जी सूचना से मुकाबला करने के प्रयास के तहत तथ्यान्वेषी नेटवर्क बनाया है। फ्रांसिस ने जिम्मेदारी से पत्रकारिता करने का अकसर आह्वान किया है जो सच्चाई को उजागर करे और लोगों का सम्मान करे। कैथोलिक तथ्यान्वेषी मीडिया समूह से उनकी यह मुलाकात इस संदेश को बढ़ावा देता है। फ्रांसिस ने कहा, हम इन चीजों को आजकल शायद ही नजरअंदाज कर पाते हैं कि महामारी के अलावा फर्जी सूचना फैलाई जा रही है -- यह आशंका के आधार पर वास्तविकता को तोड़ना-मरोड़ना है।

परमार्थ संस्थाओं की सूची में भारतीय-अमेरिकी गैर लाभकारी संस्था को 10वां स्थान

वाशिंगटन। परमार्थ कार्य करने वाली संस्थाओ की हालिया सूची मे, वर्ष 2021 के लिए भारतीय-अमेरिकी गैर लाभकारी संस्था सेवा इंटरनेशनल को 10वां स्थान हासिल हुआ है। पिछले साल कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान भारत और अमेरिका मे किए गए सराहनीय कार्य के लिए इस संस्था को सूची मे इस साल यह स्थान मिला है। गौरतलब है कि 2020 मे, बेनेविटी इंक की सूची मे सेवा इंटरनेशनल को 375वां स्थान प्राप्त हुआ था और 2019 मे वह 690वे स्थान पर थी। बेनेविटी इंक एक कॉर्पोरेट सॉफ्टवेयर प्रदाता कम्पनी है। वर्ष 2021 मे डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स नामक संस्था ने सूची तैयार करने की प्रक्रिया का नेतृत्व किया।

अवैध रूप से अमेरिका में घुसे भारतीयों को रिहा किया गया

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। अमेरिका मे पिछले सप्ताह अवैध रूप से प्रवेश करने के दौरान अमेरिका-कनाडा सीमा के पास गिरफ्तार किए गए सात भारतीय नागरिको को सीमा गश्ती दल ने रिहा कर दिया है और उन्हे वापस भेजने की प्रक्रिया जारी है। एक बयान मे यह जानकारी दी गई है। बयान मे कहा गया, पिछले सप्ताह अवैध रूप से अमेरिका मे प्रवेश करने वाले सभी सातो प्रवासियो को वापस भेजे जाने की प्रक्रिया आव्रजन एवं राष्ट्रीयता अधिनियम के तहत जारी है। बयान के अनुसार, सभी प्रवासियो को सीमा गश्त दल की हिरासत से रिहा कर दिया गया है। सात भारतीय नागरिको को पिछले सप्ताह अमेरिकी अधिकारियो ने अमेरिका-कनाडा सीमा के पास से पकड़ा था। इस संबंध मे 47 वर्षीय स्टीव शैंड पर मानव तस्करी का आरोप लगाया गया है।

रॉकेट से बगदाद हवाई अड्डे पर हमला, दो विमान क्षतिग्रस्त

बगदाद। बगदाद के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर छह रॉकेट से हमला किया गया जिसमे दो व्यावसायिक विमान क्षतिग्रस्त हो गए लेकिन कोई हताहत नही हुआ है। यह जानकारी इराक की सेना ने बयान जारी कर दी। बयान मे बताया गया कि सुबह दागे गए रॉकेट इराकी एयरवेज के प्रतीक्षा क्षेत्र मे खड़े विमानो पर गिरे। अबु गरीब इलाके मे मिसाइल का लांच पैड होने के बारे मे पता चला है। हवाई अड्डे पर इराक की सेना का ठिकाना है जहां से अमेरिका एवं अन्य सहयोगी देशों की मेजबानी की जाती है।

भारत को एस-400 बेचना अस्थिरता पैदा करने में रूस की भूमिका को दर्शाता है : अमेरिका

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका ने कहा है कि रूस का भारत को एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली बेचना क्षेत्र में और संभवत: उससे बाहर अस्थिरता पैदा करने में मॉस्को की भूमिका को प्रदर्शित करता है। अमेरिका भारत द्वारा रूस से मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदे जाने पर कई बार चिंता व्यक्त कर चुका है। भारत ने जोर देकर कहा है कि उसके फैसले उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा के हित पर आधारित हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने बृहस्पतिवार को अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, एस-400 प्रणाली को लेकर जो हमारी चिंताएं है, उनमें कोई बदलाव नहीं आया है। मुझे लगता है कि यह क्षेत्र में और संभावित रूप से उससे बाहर अस्थिरता पैदा करने में रूस की भूमिका को उजागर करता है। प्राइस से रूसी एस-400 प्रणाली को लेकर अमेरिका-भारत संबंध पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में पूछा गया था, जिसके जवाब में उन्होंने यह बात कही। अमेरिका की ओर से यह टिप्पणी ऐसे समय में की गई है, जब यूक्रेन को लेकर अमेरिका और रूस आमने-सामने हैं। अमेरिका की कड़ी आपत्तियों और जो बाइडन प्रशासन की ओर से प्रतिबंधों की चेतावनी के बावजूद भारत ने मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने के अपने फैसले में कोई बदलाव करने से मना कर किया है। प्राइस ने कहा, चाहे भारत हो या कोई और देश, हम सभी देशों से आग्रह करते हैं कि वे रूस के साथ हथियार प्रणाली को लेकर कोई नया लेन-देन करने से बचें।

अमेरिका-कनाडा सीमा के पास मृत मिले भारतीय परिवार की पहचान हुई

जगदीश पटेल और वैशालीबेन पटेल की उनके बच्चों के साथ एक बिना तारीख वाली तस्वीर विहांगी पटेल और धर्मिक पटेल ,गोद में जो कनाडा के पास जमे हुए पाए गए थे

भाषा। न्यूयॉर्क,टोरंटो

अमेरिका-कनाडा सीमा के पास मृत मिले चार भारतीय नागरिकों के परिवार की पहचान हो गई है। कनाडा के अधिकारियों ने बताया कि परिवार कुछ समय से देश में था और उन्हें कोई सीमा पर ले गया था। मामला मानव तस्करी का प्रतीत होता है। मैनिटोबा की रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने कहा कि मृतकों की पहचान जगदीश बलदेवभाई पटेल (39), वैशालीबेन जगदीशकुमार पटेल (37), विहंगी जगदीशकुमार पटेल (11) और धार्मिक जगदीशकुमार पटेल (3) के तौर पर हुई है। ए सभी एक ही परिवार के सदस्य थे, जो 19 जनवरी को कनाडा-अमेरिका सीमा से लगभग 12 मीटर दूर मैनिटोबा के इमर्सन के पास मृत मिले थे। अधिकारियों ने पहले बताया था कि परिवार में एक वयस्क पुरुष, एक वयस्क महिला, एक किशोर और एक शिशु शामिल हैं, लेकिन अब मृतकों में एक किशोर की जगह किशोरी के होने की बात सामने आई है। कनाडा के अधिकारियों ने मृतकों की पहचान की पुष्टि की और 26 जनवरी को शवों का पोस्टमार्टम पूरा किया गया। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने बृहस्पतिवार को एक बयान में बताया कि मैनिटोबा के मुख्य चिकित्सा परीक्षक के कार्यालय ने पुष्टि की है कि मौत ठंड की चपेट में आने से हुई। कनाडा के ओटावा में स्थित भारत के उच्चायोग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में मृतकों की पहचान की पुष्टि की और बताया कि उनके परिवार को घटना की जानकारी दे दी गई है। टोरंटो में भारत का महावाणिज्य दूतावास मृतक के परिवार के सम्पर्क में है और सभी वाणिज्यि स्तर की सहायता प्रदान की जा रही है। उसने एक बयान में कहा, उच्चायोग पीड़ितों के परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

म्यामां में 2021 में 16 लाख नौकरियां गईं: आईएलओ

बैंकॉक। अंतराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) का कहना है कि 2021 में म्यामां में लगभग 16 लाख नौकरियां गईं, जिसमें महिलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित हुईं क्योंकि महामारी और देश की सत्ता पर सैन्य नियंत्रण के बाद कारखानों, पर्यटन और निर्माण क्षेत्र में काम कम हो गया। आईएलओ ने शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा कि देश एक बहुआयामी मानवीय संकट का सामना कर रहा है, क्योंकि कोरोना वायरस महामारी के अलावा राजनीतिक उथल-पुथल, हिंसा, असुरक्षा और विस्थापन ने परेशानियों को और बढ़ा दिया है। जो नौकरियां गई हैं, ए औपचारिक और अनौपचारिक क्षेत्र दोनों में थीं और ए कुल रोजगार का लगभग 8 प्रतिशत है, क्योंकि एक फरवरी को सेना द्वारा देश की चुनी हुई सरकार को सत्ता से बेदखल करने के बाद कई लोगों ने काम करना बंद कर दिया था। म्यामां की अर्थव्यवस्था में पिछले साल लगभग 18 प्रतिशत संकुचन आया है।

PUBLIC NOTICE

Notice given to all concerned that Flat No. D-0007, Plot No GH-5B, Sector 16, Greater Noida West, Uttar Pradesh is solely owned by Nexgen Corporate Services LLP. Hence this notice is hereby given that no person/s (including builder) should do any legal transaction in respect to said flat without consent of the legal owner. Any such transaction will not be legal binding to the flat owner and hence the flat owners will not be responsible / liable for any damages.

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा सूचित करना है कि दुकान संख्या-3, ब्लॉक-बी-1, सैक्टर-12 नोएडा जिसके मूल आंवटी श्री तेज प्रकाश पुत्र श्री राम कनवर निवासी ई-30, हौज खास, मैन मार्केट दिल्ली-16, जिनके द्वारा श्री अमर देव पुत्र श्री गोकुल देव निवासी ग्राम-रीथाई, केन्डेरे पावरी, गढ़वाल उत्तराखण्ड के पक्ष में जीपीए पंजीकृत करायी गयी थी जो उप निबन्धक कार्यालय उप मंडल-4 दिल्ली में दिनांक 02.09.1989, बही सं0-4, कमांक सं0-3684, जिल्द सं0-793 के पृष्ठ नं0- 53 से 54 तक रजिस्टर्ड है। तथा विक्रय संविदा पंजीकृत नही है। अतः अब उपरोक्त दुकान संख्या-3, ब्लॉक-बी-1, सैक्टर-12 नोएडा का अंतरण जीपीए के आधार पर श्री कृष्ण कुमार सुंदरियाल पुत्र श्री योगेश्वर प्रसाद सुंदरियाल निवासी 10-बी, धवलगिरि अपार्टमेन्ट सैक्टर-11, नोएडा गौमतबुद्धनगर उ0प्र0 के पक्ष में अंतरण होने के लिए प्राधिकरण में प्रस्तुत किया जा रहा है। यदि इस सम्बन्ध में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति है तो कृपया अपनी आपत्ति साक्ष्य सहित नौएडा प्राधिकरण के व्यवसायिक विभाग में इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अंदर दाखिल कर दें। कृष्ण कुमार सुंदरियाल

पद्म भूषण मिलना सम्मान की बात है : नडेला

भाषा। न्यूयॉर्क (अमेरिका)

माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) सत्या नडेला ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनके लिए भारत का तीसरा सबसे बड़ा नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण प्राप्त करना सम्मान की बात है और वह भारत के लोगों के साथ काम करते रहना चाहते हैं, ताकि उन्हें प्रगति करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में मदद मिल सके। भारत सरकार ने देश के 73वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर नडेला, गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और टाटा समूह के अध्यक्ष नटराजन चंद्रशेखरन को पद्म भूषण देने की घोषणा की थी। नडेला ने ट्वीट किया, पद्म भूषण पुरस्कार प्राप्त करना और इतने सारे असाधारण लोगों के साथ पहचाना जाना सम्मान की बात है। मैं राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और भारत के लोगों का शुक्रगुजार हूं... भारत के लोगों के साथ काम करते रहने के लिए तत्पर हूं, ताकि अधिक प्रगति के वास्ते प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में उनकी मदद कर पाऊं। हैदराबाद में जन्मे नडेला (54) को फरवरी 2014 में माइक्रोसॉफ्ट का सीईओ बनाया गया था। जून 2021 में उन्हें कम्पनी का अध्यक्ष भी नामित किया गया। इस अतिरिक्त भूमिका में वह बोर्ड के लिए एजेंडा निर्धारित करने के काम का नेतृत्व करेंगे। देश के 73वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को डिजिटल समारोह के दौरान अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा था कि इस वर्ष, तीन विशिष्ट प्रवासी भारतीय सदस्यों को पद्म भूषण सम्मान के लिए चुना गया है।

सीरिया की जेल पर हमला आईएस कैदियों के निपटने की आवश्यकता को दर्शाता है: संयुक्त राष्ट्र

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र ने बृहस्पतिवार को कहा कि सीरिया की जेल पर इस्लामिक स्टेट आतंकवादियों का हमला देश के पूर्वोत्तर में जेलों और शिविरों में बंद चरमपंथी समूह से जुड़े लोगों से निपटने के लिए तत्काल अंतरराष्ट्रीय कार्वाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। विश्व निकाय के उप महासचिव व्लादिमीर वोरोनकोव ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि इस्लामिक स्टेट समूह जेलें तोड़ने का आह्वान कर रहा है। और पहले भी सीरिया तथा दुनिया में अन्य जगह ऐसे मामले सामने आ चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद रोधी कार्यालय के प्रमुख वोरोनकोव ने कहा कि इनमें से अधिकतर कथित रूप से आईएस से जुड़े पुरुष, महिला और बच्चे हैं, जो सीरियाई जेलों और शिविरों में बंद हैं।

सरकारी कार्यालयों में पार्टी मामले में संदर्भ मुहैया कराएं : स्काटलैंड यार्ड

● लॉक्डाउन नियमो का उल्लंघन का मामला

भाषा। लंदन

स्कॉटलैंड यार्ड ने शुक्रवार को कहा कि उसने 2020-2021 में कोविड-19 लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन कर ब्रिटेन के कैबिनेट कार्यालय में पार्टी आयोजित करने के मामले में घटनाओं का संदर्भ मांगा है।

सरकारी कार्यालयों के भीतर कथित जमावड़े और पार्टी के आयोजन मामले की लंदन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस की जांच का नेतृत्व वरिष्ठ नौकरशाह सू ग्रे कर रही हैं। बताया जाता है कि ग्रे की जांच रिपोर्ट तैयार हो गई है लेकिन इस सप्ताह की शुरुआत में इसके कुछ निष्कर्षों को मेट्रोपॉलिटन पुलिस से साझा करने के बाद इसमें देरी हुई है। मामले में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के पद पर भी खतरा मंडरा रहा है। रिपोर्ट के प्रकाशन में देरी को लेकर विपक्ष के हमले को जॉनसन ने खारिज कर दिया कि प्रधानमंत्री कार्यालय ने किसी भी तरह जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप किया और वादा किया है कि रिपोर्ट मिलते ही इसके परिणाम को प्रकाशित किया जाएगा। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने एक बयान में कहा, पुलिस जिन मामलों की जांच कर रही है उस बारे में कैबिनेट कार्यालय से संदर्भ उपलब्ध कराने को कहा गया है। बयान से संकेत मिलता है कि रिपोर्ट में कुछ बदलाव किए जा रहे हैं जिसके कारण इसके प्रकाशन में देरी होगी। बयान में कहा गया, मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने रिपोर्ट में अन्य घटनाओं पर या देरी के संबंध में कुछ नहीं कहा है, लेकिन हमारी जांच के निष्कर्ष पर किसी भी पूर्वाग्रह से बचने के लिए कैबिनेट कार्यालय के साथ हमारा निरंतर संपर्क रहा है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस आयुक्त क्रेसिडा डिक ने मंगलवार को घोषणा की कि उनके अधिकारियों ने आंतरिक जांच के दौरान सू ग्रे द्वारा जानकारी दिए जाने के बाद अपनी जांच शुरू की। यह स्पष्ट नहीं है क्या पुलिस की जांच, रिपोर्ट के प्रकाशन के समय और प्रकृति को प्रभावित करेगी। मंत्रियों ने शुक्रवार को संकेत दिया कि डाउनिंग स्ट्रीट को अभी तक निष्कर्ष प्राप्त नहीं हुए हैं, जिसका मतलब है कि इसके जल्द जारी होने की संभावना नहीं है। विपक्षी दलों ने मांग की है कि समूची रिपोर्ट का प्रकाशन किया जाए और डाउनिंग स्ट्रीट के आयोजन में किन-किन लोगों ने शिरकत की थी उनके नाम का खुलासा किया जाए। प्रधानमंत्री जॉनसन दो आयोजनों में कथित तौर पर शामिल हुए थे।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

LOST & FOUND

Lost all original payment Receipts issued by DLF Ltd. with Reference to Property No. MG-702B, Magnolias, Gold Course Road, Gurgaon, in the name of Mr. Roop Madan & Bela Madan. Finder Please contact 9811340958

PD(9140)

ICICI Bank

शाखा कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, शाल टॉवर न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005

सार्वजनिक सूचना - प्रत्याभूत आस्ति की बिक्री हेतु निविदा-सह-नीलामी

नियम 8 (6) का परंतुक देखें,
अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना

अचल संपत्तियों के विक्रय के लिये ई-नीलामी विक्रय सूचना वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पून: निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के अन्तर्गत सहठित प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन नियम, 2002 की धारा 8(6) के साथ अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जारी की गई है।
सर्वजन तथा व्यक्तिगत रुप से कर्जदार एवं जमानतदार को इस सूचना द्वारा सूचित किया जाता है कि नीचे दर्शायी गई अचल संपत्ति के संरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/ अधिभारित है उनका भौतिक अधिग्रहण आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (संरक्षित ऋणदाता) के प्राधिकृरित अधिकारी द्वारा कर लिया गया है एंव दर्शाये विवरण अनुसार उनके द्वारा "जहॉ है, जैसी है" एवं जैसी है, वैसी है" एवं जिस भी स्थीत में है" के आधार पर अचल संपत्ति के विक्रय के लिये प्रस्ताव आमंत्रित किये जा रहे है :-

क्र. सं.	कर्जदार (रों)/ सह-कर्जदारों/ गारंटरों का नाम/ ऋण खाता संख्या	प्रत्याभूत आस्ति का विवरण, ऋणभारों सहित, यदि कोई	बकाया राशि (रू. में)	सुरक्षित मूल्य (रू. में) / धरोहर राशि जमा (रू. में)	सम्पत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय	नीलामी की तिथि एवं समय
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)	(जी)
1.	श्री राजेश कुमार (कर्जदार), श्रीमती रत्नावली (सह-कर्जदार) LBBWD00002987335	प्लॉट नंबर-178, प्लॉट- एस खसरा नंबर-556 557 558 559, श्री पारस रेसीडेंसी गांव पटान कला तह तिजारा, भिवाड़ी, राजस्थान क्षेत्र: 908.55 वर्ग फुट	रू. 6,11,832/- (जनवरी 25, 2022 तक)	रू. 7,20,000/- / रू. 72,000/-	फरवरी 03, 2022 को दो.12:00 बजे से दो. 02:00 बजे तक	फरवरी 21, 2022 सु. 11:00 बजे से

ऑनलाइन नीलामी हमारी नीलामी संस्था मैसर्स नेक्सजेन सॉल्युशन्स प्राइवेट लिमिटेड की, वेबसाइट **(URL Link https://disposalhub.com)** पर संचालित होगी। बंधकदाताओं/ सूचना प्रेषितकर्ताओं कों **फरवरी 19, 2022** को **शाम 05.00** बजे से पूर्व तक कुल बकाया राशि उस पर आगे ब्याज सहित भुगतान करने का अतिंम अवसर दिया जाता है, जिससे विफल रहने पर यह संरक्षित सम्पतियों की बिक्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी।
संभावित बोलीकर्ता (बोलीकर्ताओं) को बयाना राशि (ईएमडी) डिमाण्ड ड्राफ्ट (डीडी) (सारणी **ई** संदर्भ करें) जो **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली -110005** में जमा करना अनिवार्य है एवं इसके पश्चात् वे अपना प्रस्ताव उपरोक्त वर्णित वेबसाइट के माध्यम से ईएमडी के भुगतान साक्ष्य अर्थात बैंक डीडी पावति की स्कैन इमेज सहित दिनांक- **फरवरी 19, 2022** तक **शाम 05.00** बजे से पूर्व जमा करे। कृपया नोट करें कि संभावित बोलीकर्ता (बोलीकर्ताओं) वेबसाइट के माध्यम से उनके प्रस्ताव को जमा कराने में विफल रहने पर वे **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली -110005** में निविदा प्रलेखों की हस्तांक्षरित प्रति को दिनांक **फरवरी 19, 2022** को **शाम 05.00** बजे से पूर्व तक जमा करवा सकते हैं। बयाना राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट पे आर्डर किसी भी राष्ट्रीयकृत/ शैडूल्ड बैंक द्वारा **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** के पक्ष में **दिल्ली** शाखा में भुगतान हेतु होना चाहिए।
सम्पति अवलोकन, नीलामी के नियम एवं शर्तों तथा निविदा प्रक्रिया के संदर्भ में स्पष्टीकरण हेतु कृपया **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** को फोन नंबर **8657476284** या मैसर्स **नेक्सजेन साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड** को फोन नंबर **9710029933/ 9810029926/ 01244233933** पर संपर्क करे।
कृपया नोट करें कि मार्केटिंग एजेंसिया **1. नेक्सजेन साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड 2. ओजीओ असेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड** इस सम्पति की बिक्री में सुगमता हेतु सलंग्न है।
प्राधिकृत अधिकारी बिना किसी कारण दर्शाये किसी एक अथवा अधिक निविदा अथवा बोली को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रखते है। बिक्री की विस्तृत नियमो एवं शर्तो हेतु कृपया वेबसाइट **www.icicibank.com/n4p4s** पर संपर्क करे।

तिथि : जनवरी 29, 2022
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

जैसा कि जी.एन. दिवंगत अभय खाखा के साथ बीइंग आदिवासी के संपादक डेवी ने अपने परिचय में साझा किया : ''मैं आशा करना चाहता हूं कि इसे न केवल एक प्रकाशन या अकादमिक अभ्यास के रूप में प्राप्त किया जाए, बल्कि बदलाव के प्रस्ताव के रूप में जो अब अतिदेय है, एक ऐसा बदलाव विमुक्त और घुमंतू समुदायों के लिए कम से कम न्याय और मानवाधिकारों के कुछ उपाय लाएंगे जो वे एक लोकतांत्रिक देश के नागरिकों और आदिवासियों को उनकी विशिष्ट पहचान की समझ के रूप में प्राप्त करने की उम्मीद करते हैं। हम, भारत के लोग, भारत के स्वदेशी लोगों के रूप में उनके ऋणी हैं।'' एक संपादित अंश :

आदिवासी जीवन

यदि भारत की गैर-आदिवासी आबादी के बीच आदिवासियों और उनकी चिंताओं के बारे में जागरूकता कम है, तो 'विमुक्त जनजाति' के रूप में वर्णित समुदायों के बारे में ज्ञान लगभग अनुपस्थित है। कहीं ऐसा न हो कि इस शब्द को 'किसी तरह के आदिवासी' या 'आधिकारिक तौर पर गैर-मान्यता प्राप्त आदिवासी' के रूप में समझा जाए - जो कि आदिवासियों के बारे में कुछ जानने वालों में भी असामान्य नहीं है - मैं विमुक्त जनजातियों का निम्नलिखित संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करना चाहूंगा। उन्नीसवीं शताब्दी के दौरान, भारत में सभी रियासतों पर अंग्रेजों के कमोबेश सुरक्षित अधिकार होने के बाद, उन्होंने भारतीय राजकुमारों की पराजित सेनाओं के विघटित सैनिकों को निरस्त्र करना आवश्यक समझा। ब्रिटिश भी व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए भारतीय राज्यों में सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना चाहते थे। दो उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, उन्होंने अनधिकृत व्यक्तियों द्वारा हथियारों के उपयोग का पता लगाने के लिए विलियम हेनरी स्लीमैन को नियुक्त किया। स्लीमैन ने प्रचुर मात्रा में नोट बनाए और मध्य भारत में राजमार्गों पर सशस्त्र संघर्षों की सूची बनाई। इस प्रक्रिया में, उन्होंने 'ठग' के विचार को जन्म दिया। इस विचार ने उनकी पुस्तकों के पाठकों को वापस इंग्लैंड में आकर्षित किया। व्यक्तियों और उनके समुदायों की सूची ठग या समुदायों के विचार से जुड़ी हुई है जो लूटपाट और अपराध को अपना पेशा बनाते हैं। 1871 आपराधिक जनजाति अधिनियम (सीटीए) इसी धारणा पर आधारित था। इसने समुदायों को 'आपराधिक समुदायों' के रूप में सूचीबद्ध किया, जिसका अर्थ है कि उन समुदायों में से किसी में पैदा होने से एक स्वचालित रूप से आपराधिक मंशा बन जाता है। सीटीए ने 'रिफॉर्मेटरी सेटलमेंट' के लिए प्रावधान किया, जो सॉफ्ट जेल थे। सूचीबद्ध समुदायों को इन बस्तियों में नजरबंद कर दिया गया था, उनके मुक्त आंदोलन पर गंभीर प्रतिबंध लगाए गए थे। स्लीमैन की लिस्ट में कई खामियां थीं। अधिकांश समुदाय पारंपरिक रूप से खानाबदोश थे, जो भारत में एक सदियों पुरानी सामाजिक घटना है। नजरबंद समुदायों के सदस्यों को कड़ी मेहनत के लिए रखा गया था, ज्यादातर मामलों में अवैतनिक श्रम।

यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि श्रम के तनाव के कारण कितने लोग मारे गए। इन समुदायों के सदस्य आठ दशकों में फैली कई पीढ़ियों तक बस्तियों में रहे। 1952 में, भारत द्वारा संविधान को अपनाने के दो साल बाद, 'अधिसूचित' समुदायों को 'अधिसूचित' कर दिया गया। उन्हें विमुक्त और घुमंतू जनजातियों (डीएनटी) के रूप में वर्णित किया जाना जारी रखा, जबकि उनमें से बहुत कम को जन-जातियों, 'स्वदेशी लोगों' या आदिवासियों की आधिकारिक सूची में जगह मिली। लेबल में थोड़े से बदलाव के बावजूद आपराधिकता का कलंक उन पर बना रहा। एसटी और एससी की सूची में शामिल नहीं होने के कारण, कुछ अपवादों को छोड़कर, वे भूमि, आजीविका या स्कूलों और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच के बिना तड़पते रहे। निश्चित पते नहीं होने के कारण, नागरिकों के रूप में उनके न्यूनतम अधिकार भी सुरक्षित नहीं थे। उनके नाम के आसपास का कलंक अक्सर ग्रामीणों और शहरी आबादी से आज तक भी परेशान करता है। छ्ह्ज्ञ समुदायों के सदस्यों की मॉब लिंचिंग की व्यापक घटनाएं हुई हैं। सरकारें आम तौर पर डीएनटी की दुर्दशा के प्रति उदासीन रही हैं क्योंकि वे पर्याप्त अल्पसंख्यक भी नहीं हैं, हालांकि देश में उनकी कुल आबादी किसी भी तरह से नगण्य नहीं है। जब डॉ मनमोहन सिंह की संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार ने मुझे विमुक्त, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदायों के लिए तकनीकी सलाहकार समूह का अध्यक्ष नियुक्त किया, तो मैंने पाया कि डीएनटी की आबादी सात-आठ करोड़ के करीब हो सकती है। वह था 2008 में। वर्तमान में, संख्या बढ़ सकती है और दस करोड़ के करीब हो सकती है। भारत की जनगणना ने कभी भी डीएनटी की कोई स्पष्ट गणना नहीं की है। और चूंकि संख्या का आधिकारिक तौर पर पता नहीं चला है, इन समुदायों के स्थानों को ठीक से प्रलेखित नहीं किया गया है और उनकी आजीविका आवश्यकताओं और उनके मानवाधिकारों के बारे में कोई व्यवस्थित विचार नहीं किया गया है; वे अदृश्य लोगों के रूप में भारत की कल्पना में बने हुए हैं। वर्तमान खंड में डीएनटी पर एक परिचयात्मक निबंध शामिल है। स्वतंत्रता के बाद के कई दशकों तक, 'आदिवासी' भावना और धर्मपरायणता में एक मानवरूपी 'प्रकार' था, या फिर भारत के आधुनिकता और राष्ट्रवाद की ओर बढ़ने के लिए ऐतिहासिक सामान के रूप में खारिज कर दिया गया। यद्यपि आदिवासी समाज की जटिलताओं ने विषय से संबंधित छात्रवृत्ति में ध्यान आकर्षित किया, आदिवासियों के प्रति लोकप्रिय रवैया 'एसटी' के संक्षिप्त नाम से गंभीर रूप से प्रतिबंधित था।

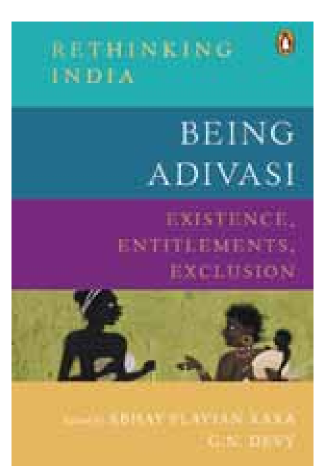

अत्यधिक दया और अत्यधिक अवमानना दोनों ही 'अन्य' लोगों के लिए समान रूप से शक्तिशाली साधन हैं। इसलिए यह है कि आदिवासी समुदायों के भीतर वर्ग-धाराओं का अर्चना प्रसाद का विश्लेषण 'अन्य' प्रक्रियाओं के लिए एक मारक के रूप में महत्वपूर्ण हो जाता है। आदिवासी समकालीन पहचान प्रवचन में तनाव और बनावट का एक सूक्ष्म विश्लेषण प्रस्तुत करने के बाद उन्होंने निष्कर्ष निकाला''। . . नवउदारवादी नीतियों की विविध अभिव्यक्तियों ने भी विभिन्न सामाजिक आधार वाली आदिवासी राजनीति के विविध रूपों का निर्माण किया है। इसलिए पहचान आधारित संघर्षों के बीच अंतर करना महत्वपूर्ण है, जो उन लोगों के नेतृत्व में हैं जो मजदूर वर्ग के भीतर स्थित हैं और जिनका मकसद वर्तमान सत्ता संरचना में शामिल होना है। इसके अलावा, आदिवासी राजनीति का सांस्कृतिक रूप से अनन्य चरित्र भी वर्चस्ववादी है और आदिवासी समाज के भीतर असमानताओं को छुपाता है। दूसरी ओर, गैर-सांस्कृतिक रूप से अनन्य वर्ग की राजनीति को पहचान-आधारित राजनीति की दृढ़ता के साथ इसके प्रति अधिक सूक्ष्म दृष्टिकोण अपनाकर आना पड़ा है। इस सहयोग को तीव्र सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और आर्थिक संकट द्वारा सुगम बनाया गया है, जिससे आदिवासी राजनीति, वर्ग और पहचान दोनों के आधार पर परिवर्तन हुआ है। इस तरह का विकास न केवल सकारात्मक है, बल्कि एक सत्तावादी और नव-उदार सरकार और देश के भीतर सभी प्रगतिशील ताकतों के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए भी आवश्यक है।''

यह उल्लेख करने की आवश्यकता है कि पिछली आधी शताब्दी में आदिवासी राजनीतिक अभिव्यक्ति, सांस्कृतिक उत्पादन और प्रमुख सामाजिक संघर्षों के तथ्य यह दिखाने के लिए जाते हैं कि आदिवासियों की सामान्य धारणा और आधुनिक भारत के बनने की प्रक्रिया में उनकी भागीदारी वास्तविकता से बहुत कम है। नई पीढ़ी के आदिवासी अधिक यथार्थवादी दृष्टिकोण बनाने के इच्छुक हैं, जो कि आदिवासियों के दृष्टिकोण से है। अभय खाखा स्पष्ट शब्दों में कहते हैं : ''विकास के मुद्दों के अलावा, एक कड़े धर्मांतरण विरोधी कानून की भी मांग थी, जिसका इस्तेमाल आदिवासी समुदायों को धर्म के आधार पर विभाजित करने के लिए एक उपकरण के रूप में किया गया है। इन संगठनों का सांप्रदायिक एजेंडा है। धीरे-धीरे उन लोगों में डर पैदा कर दिया, जो आदिवासियों को हिंदू धर्म में आत्मसात करने के प्रमुख प्रवचन की सदस्यता नहीं लेते हैं। नतीजतन, विभिन्न आदिवासी और वन आश्रित समुदायों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध टूट गए हैं और आदिवासी क्षेत्रों में सांप्रदायिक हिंसा का अनुभव भी तेजी से हो रहा है।''

इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए, यूपीए-द्वितीय सरकार ने वर्जिनियस ज़ाक्सा की अध्यक्षता में समिति नियुक्त की। अभय ज़ाक्सा ने ज़ाक्सा कमेटी की रिपोर्ट को संदर्भित किया और बताया कि : ''पैनल ने आदिवासी समुदायों को भूमि अलगाव से बचाने और संसाधनों पर उनके अधिकारों को वापस सौंपने और संरक्षित करने के लिए कानूनों, विनियमों और नियमों में आमूल-चूल परिवर्तन की सिफारिश की। रिपोर्ट में देश भर के आदिवासी समुदायों को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और अवसर प्रदान करने के लिए एक व्यापक, व्यापक और विस्तृत रूपरेखा भी रखी गई है। यदि खाखा समिति की सिफारिशों को लागू किया जाता है, तो निश्चित रूप से आदिवासी समुदायों पर इसका सशक्त प्रभाव पड़ेगा।''

दूसरी ओर, एन.सी. सक्सेना का निबंध एक गहरी सहानुभूतिपूर्ण लेकिन कुछ हद तक अनुमानित रूप से सरलीकृत दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। आदिवासी विकास में डॉ सक्सेना का ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण योगदान और आदिवासियों के पक्ष में सरकारी नौकरशाही के अंदर उनकी भूमिका एक महान अनुपात की है। फिर भी, एक आदिवासी दृष्टिकोण से देखा जाए तो, उनके अवलोकन को भारत में आदिवासी समुदायों के मन में आज जो हो रहा है, उसके पूर्ण दृष्टिकोण से थोड़ा कम पढ़े जाने की संभावना है। सक्सेना कहते हैं: ''अन्य वंचित समूहों के विपरीत, उत्पीड़ित आदिवासी आम तौर पर पीड़ित होते हैं और चुपचाप अपना शोषण सहन करते हैं। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में, उन्होंने सशस्त्र विद्रोह को अपना लिया है। बंद आयोजित करके, जुलूस निकालकर और राजनेताओं पर दबाव डालकर आंदोलनकारी राजनीति का मध्य मार्ग, जिसे भारत में अन्य समूहों द्वारा अपनी शिकायतों को व्यक्त करने के लिए सफलतापूर्वक अपनाया गया, आदिवासियों के लिए पराया है और ऐतिहासिक रूप से उनके लिए अज्ञात रहा है। नागरिक समाज को यहां एक बड़ी भूमिका निभाने की जरूरत है, और सरकार को भी सभी आदिवासी कार्यकर्ताओं को माओवादी के रूप में ब्रांड नहीं करना चाहिए।

इन टिप्पणियों को महाश्वेता देवी के काल्पनिक कार्यों के साथ पढ़ने की जरूरत है ताकि यह समझ सकें कि आदिवासियों की चुप्पी आवाज की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि एक शक्तिशाली बयान है जिसे हमने अभी तक समझना शुरू नहीं किया है। विक्रांत बी द्वारा 'मौन' अत्यंत शक्तिशाली रूप से व्यक्त किया गया है । . . सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक वास्तविकताओं के अविकसित पठन ने भारत में आदिवासियों और जनजातियों के संबंध में कई पौराणिक कथाओं और पूर्वाग्रहों को जन्म दिया। उन्हें अलग-थलग, आत्मनिर्भर, जीववादी, अल्प विकसित और पिछड़ा हुआ माना जाता था। हानिरहित प्रतीत होने वाले, इन पौराणिक कथाओं के गंभीर नीति और राजनीतिक निहितार्थ हैं। उदाहरण के लिए, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और यहां तक कि लोकप्रिय धारणा में जनजातियों को भारत में जातियों के साथ परस्पर जुड़े हुए के रूप में देखा जाता है।

एक स्तर पर, शायद सामान्य सबाल्टर्निटी को निरूपित करना आवश्यक है, ताकि उनके उत्थान और सशक्तिकरण के लिए राज्य के दायित्व पर जोर दिया जा सके। हालांकि, यह निर्मित तुल्यता इस तथ्य पर प्रकाश डालती है कि जहाँ दलित प्रश्न राष्ट्र की चेतना में अपेक्षाकृत केंद्र चरण है, वहीं आदिवासी प्रश्न नहीं है।

इस अनुच्छेद का अंतिम खंड इस खंड के उद्देश्य को बताता है। सबसे सरल शब्दों में, आदिवासी प्रश्न प्रस्तुत करना है। इसमें आधुनिक भारत के संदर्भ में आदिवासियों का प्रश्न, आदिवासियों द्वारा राष्ट के विकास के विचारों पर प्रश्नचिह्न और यह भी शामिल है कि आदिवासी अपने प्रश्नों को किस तरह से प्रस्तुत करते हैं। लोकतंत्र का क्या अर्थ है, इसकी उनकी समझ का बहुत गलत समझा जाने वाला ढांचा। या, दूसरे शब्दों में, आदिवासी इस खंड द्वारा संभाला गया प्रश्न है, आदिवासी तरीके से सवाल करना भी इसकी चिंता है और भारतीय राष्ट्र के सामने आदिवासियों द्वारा उठाए गए प्रश्न भी इसकी सर्वोपरि चिंता हैं।

(बीईंग आदिवासी- से लिए गए अंश, संपादक अभया खाखा, गणेश एन डेवी)

प्रकृति के निकट

उमा नायर कहती हैं कि रवींद्रनाथ टैगोर ने महसूस किया कि पेंटिंग किसी भी अन्य कला की तुलना में प्रकृति के करीब है और इसे सार्वभौमिक रूप से समझा जा सकता है।

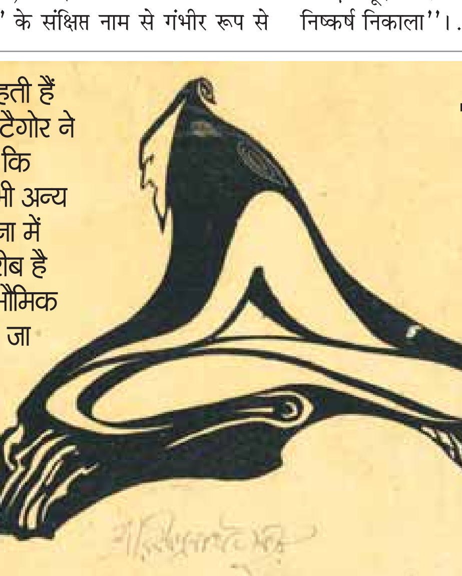

रवींद्रनाथ टैगोर न केवल नोबेल पुरस्कार विजेता कवि, लेखक, विचारक, संगीतकार थे, बल्कि वे एक स्व-शिक्षित कलाकार भी थे। इस गणतंत्र दिवस पर भारतीय विरासत और अनुभव के एक एस्थेटिशियन के रूप में उनकी प्रतिभा पर विचार करना अच्छा है। क्रिस्टीज, न्यूयॉर्क के अनुसार, उनकी कविताओं की मात्रा, गीतांजलि ने 1912 में लंदन में अपने स्वयं के अंग्रेजी अनुवाद में प्रकाशित होने पर अपनी अंतरराष्ट्रीय ख्याति स्थापित की, और अगले वर्ष टैगोर साहित्य में नोबेल पुरस्कार जीतने वाले पहले गैर-यूरोपीय बने। .

नतीजतन, वे एक साहित्यिक हस्ती बन गए और अक्सर यूरोप और अमेरिका का दौरा किया। उनके बहने वाले वस्त्र और लंबे सफेद बाल और दाढ़ी एक भारतीय ऋषि की आम पश्चिमी अवधारणा के अनुरूप थे और उनके व्याख्यानों ने भारी दर्शकों को आकर्षित किया। जैकब एपस्टीन, जिन्होंने 1926 में उनकी एक बड़ी मूर्ति बनाई थी, ने बताया कि, उनके पास कोई पैसा नहीं था और एक पवित्र व्यक्ति की तरह उनके साथ व्यवहार किया गया था।

टैगोर ने अपने जीवन में बाद में पेंटिंग की ओर रुख किया। 1930 में पेरिस के गैलेरी पिगले में चित्रों और चित्रों की उनकी पहली प्रदर्शनी के समय, टैगोर, 69 वर्ष की आयु में, उन महानतम लेखकों में से एक के रूप में पहचाने जा चुके थे, जो कभी जीवित थे। उनका प्रारंभिक झुकाव प्रतिनिधित्वात्मक कला की ओर था, लेकिन उन्होंने 1900 के आसपास एक पेशेवर चित्रकार होने की उम्मीद छोड़ दी थी। वर्षों से, टैगोर ने निजी पत्रिकाओं को बनाए रखा जहाँ उन्होंने डूडल और स्केच जारी रखा। फिर लगभग अचानक, 1924 में, जबकि अर्जेंटीना में विक्टोरिया ओकाम्पो के अतिथि के रूप में, उनके डूडल ने अधिक विस्तृत और अभिव्यंजक मंशा ग्रहण की।

ओकाम्पो ने टैगोर की प्रतिभा को पहचाना और प्रागैतिहासिक राक्षसों, पक्षियों और चेहरों की अपनी छवियों में अध्यात्मवाद पाया क्योंकि वे प्राकृतिक व्याख्याओं से कहीं अधिक थे। उनके शुरुआती डूडल की तुलना में, ये पूरी तरह से स्वत: स्फूर्त नहीं थे, बल्कि नृविज्ञान में उनकी रुचि और उनके द्वारा देखी गई आदिम और आधुनिक कला दोनों के उदाहरणों से प्रेरित थे।

टैगोर ने अपने सर्वोत्तम कार्यों में जिस विश्व का खुलासा किया वह आत्म-चिंतनशील विकास में से एक था, जहां छवियां स्वयं आकार लेने की प्रक्रिया में थीं, जैसा कि उनकी कला थी। उनके शुरुआती चित्रों को मुख्य रूप से मोनोक्रोम में प्रस्तुत किया गया था, इसके बाद दो-टोंड और तीन-टोन वाले चित्र बनाए गए थे। पेन-पॉइंट ब्रश को अक्सर बाद में इस्तेमाल किया जाता था, उंगलियों और चीर के टुकड़े स्याही फैलाते थे और ब्रश को अपनाया जाने वाला आखिरी था।

टैगोर द्वारा विभिन्न शैलियों में क्रियान्वित किए गए शीर्षों और आकृतियों ने सबसे अधिक रुचि प्राप्त की है। संयमित अभी तक बेचैन, विचारोत्तेजक, विचित्र और भूतिया, इन चित्रों को उनकी सबसे यादगार कृतियों में माना जाता है। %बड़ी अटूट, भावपूर्ण आँखों वाली महिला का आक्रामक अंडाकार चेहरा शायद उसका सबसे जुनूनी विषय था। 1930 में पहली बार प्रदर्शित, एक ही मनोदशा-छवि के अंतहीन रूपांतर पूरे उभर कर सामने आए। पहले के उदाहरण नाजुक ढंग से बनाए गए और ओपेलेसेंट थे, जबकि बाद के उदाहरण अत्यधिक नाटकीय थे, जिनमें तीव्र रूप से जलाया गया माथा, अतिरंजित नाक-रिज, मजबूत रंगों में चित्रित, एक आदिम उदासी से उभरे हुए थे। %(रॉबिन्सन, द आर्ट ऑफ रवींद्रनाथ टैगोर, कलकत्ता, 1989, पृष्ठ 56.)

टैगोर पर ये प्रभाव उनके जीवनकाल में विकसित हुए और उनके चित्रों के माध्यम से नवीनता और आधुनिकता की अभिव्यक्ति के रूप में उभरे जो उस समय भारतीय कलाकारों द्वारा निर्मित किसी भी चीज़ के विपरीत थे। वर्तमान कार्यों में, लकड़बग्घे की नमाज़ और शीर्षकहीन, टैगोर ने भौतिक विवरण को दबा दिया, जिससे बुनियादी वक्रतापूर्ण रूपों का निर्माण हुआ। शरीर को स्ट्रोक के साथ रंग के एक ठोस क्षेत्र के रूप में दर्शाया गया है। विद्वानों का कहना है कि आधुनिक कला में जिसे हम अब आदिमवाद के रूप में समझते हैं, उसके सिद्धांतों के प्रति उनका स्वाभाविक झुकाव था; गैर-पश्चिमी, प्रागैतिहासिक और ग्रामीण परंपराओं और लोगों से उधार लिए गए दृश्य रूपों में प्रतीकों और अर्थ की खोज। इसलिए, हम ग्रामीण उत्थान को देहाती लय में देखते हैं।

पेंटिंग ने टैगोर को भाषा की सीमाओं से अलग होने की अनुमति दी। उन्होंने महसूस किया कि पेंटिंग, किसी भी अन्य कला रूप के विपरीत, प्रकृति के करीब थी और इसे सार्वभौमिक रूप से समझा और साझा किया जा सकता था।

सांस्कृतिक क्षेत्र पर लाकडाउन का असर

जबकि सांस्कृतिक और आविष्कारशील सामग्री की मांग पूरे लॉकडाउन अवधि में बढ़ी है, आर्थिक संकेतक मानते हैं कि सांस्कृतिक क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित होगा और ठीक होने में सबसे धीमा, **जुनेद** और **सुफियान खत्री** कहते हैं।

कोविड-19 महामारी ने सांस्कृतिक और नवीन उद्योगों को आविष्कारशील अर्थव्यवस्था के केंद्र में चौराहे पर रखा है। बर्बादी, सीमाओं का व्यापक रूप से बंद होना, स्थान और शारीरिक दूरी के उपाय नवीन अर्थव्यवस्था के पूरे खंड को प्रभावित कर रहे हैं। कला उद्योग में काम करने वाले कई लोगों की नौकरी चली गई है। लाइव प्रदर्शन और स्थल-आधारित उद्योग प्रमुख रूप से प्रभावित हुए हैं, जिससे आजीविका, कलाकार क्षमता, बाजार पहुंच और कलात्मक स्वतंत्रता प्रभावित हुई है, साथ ही आपूर्तिकर्ताओं और सेवा प्रदाताओं की मूल्य श्रृंखला के लिए व्यापक प्रभाव पड़ा है। शिल्प क्षेत्र कई देशों के लिए एक प्रमुख रोजगार प्रदाता है, जिन्होंने भारी गिरावट का अनुभव किया है। संकट ने पहले से मौजूद प्रवृत्तियों, विशेष रूप से डिजिटलीकरण में तेजी लाई है, और इसने दुनिया भर के अधिकांश देशों में, उन देशों में भी, जहां रचनात्मक क्षेत्र के लिए सार्वजनिक समर्थन योजनाएं हैं, पहले से मौजूद असमानताओं और नवीन अर्थव्यवस्था की अनिश्चितताओं को उजागर किया है। जगह में।

महामारी की शुरुआत के बाद से, कला और संस्कृति क्षेत्र में एक विरोधाभासी स्थिति देखी जा रही है। जबकि सांस्कृतिक और आविष्कारशील सामग्री की मांग पूरे लॉकडाउन अवधि में बढ़ गई है - और डिजिटल पहुंच अब पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है - आर्थिक संकेतक मानते हैं कि सांस्कृतिक क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित होगा और ठीक होने में सबसे धीमा भी होगा। कलाकारों और बिचौलियों को वित्तीय और लॉजिस्टिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से सर्वेक्षण या डेटा संग्रह जैसी अल्पकालिक पहलों से परे, शिक्षाविदों और चिकित्सकों दोनों को कला व्यय के भविष्य के बारे में सोचने में संलग्न होना चाहिए, विशेष रूप से उपभोक्ता के दृष्टिकोण से।

स्थानीय कला उद्योग में कई खिलाड़ी संपर्क रहित और डिजिटल ऑर्डरिंग में स्थानांतरित हो गए हैं। अन्य अनुकूली रणनीतियों में कलाकारों और कर्मचारियों के लगातार कोविड-19 परीक्षण और किसी भी फिर से खोलने की योजना को सूचित करने के लिए चिकित्सा

विशेषज्ञों के नियमित परामर्श शामिल हैं। चूंकि कई गैर-लाभकारी कला संगठन प्रतिबंधों के कारण राजस्व खो रहे हैं और इसलिए भी कि अधिक लोग घर पर रह रहे हैं, इन अतिरिक्त लागतों ने और तनाव पैदा किया है। आभासी कला अनुभवों के साथ व्यक्तिगत सेवाओं को पूरक या बदलने की बढ़ती इच्छा भी कला संगठनों के लिए व्यय में वृद्धि करती है। कुछ स्थितियों में, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ने कलाकारों और कला समूहों को महामारी के दौरान बड़े दर्शकों तक पहुंचने की अनुमति दी है, अन्यथा संभव नहीं होता।

जबकि आभासी मंच कला संगठनों और कलाकारों के लिए सबसे लोकप्रिय रूपांतरों में से एक बन गए हैं, वे अपनी कमियों के बिना नहीं हैं। कई कलाकारों और कला समूहों को नए उपकरणों और प्रणालियों में निवेश करने, नए कौशल विकसित करने और आभासी दुनिया में अपने काम को बेचने का तरीका जानने के लिए मजबूर किया गया था। साथ ही, दर्शकों की आभासी संस्कृति को पूरी तरह से अनुकूलित करने की क्षमता सुनिश्चित नहीं है।

असंगठित स्थानीय कला उद्योग और उसके कलाकार समुदाय के लिए महामारी ने कुछ सुधार लाए हैं - नए कार्यों को बनाने के लिए सहयोग, उच्च ऑनलाइन दृश्यता, और दर्शकों और उपभोक्ताओं तक अलग-अलग पहुंचने की क्षमता। लेकिन क्या समुदाय मान्यता और समर्थन के लिए सरकार और निजी क्षेत्र के साथ निरंतर समर्थन के लिए खड़ा है या नहीं, यह देखा जाना बाकी है।

इंटरनेट रचनात्मक अभिव्यक्ति को नियंत्रित करने में सरकारों की दिलचस्पी बढ़ रही है। हालांकि, उन्हें कला जगत में अमीरों और गरीबों के बीच मौजूदा व्यापक अंतर को कम करने पर ध्यान देना चाहिए। हालांकि कुछ कला रूप डिजिटल क्षेत्र में परिवर्तित हो जाएंगे, लेकिन सड़क/त्योहार प्रदर्शनों को ऑनलाइन प्रस्तुत करना असंभव है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सब्सिडी और अन्य कार्यक्रम इच्छित प्राप्तकर्ताओं तक पहुँचते हैं, सरकारों को कलाकारों की एक सार्वजनिक रजिस्ट्री बनाए रखनी चाहिए। इस उद्योग में गिग श्रमिकों को पहचानना महत्वपूर्ण है, साथ ही सांस्कृतिक संपत्तियों की रक्षा करने वाले कानून को भी बढ़ाना है।

कला के सभी रूप आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं होते हैं। रचनात्मक उद्योग में रोजगार और कमाई के नुकसान का नवाचार, नागरिक कल्याण और सामुदायिक जीवंतता और विविधता पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। एक कलाकार के काम के लिए सम्मान और मूल्य का निर्माण इन अकेले समय के दौरान समाज को सामान्य स्थिति की भावना के साथ प्रस्तुत करने में कला के महत्व की सराहना से किया जाना चाहिए। अन्यथा, हम अपनी सांस्कृतिक विरासत के विलुप्त होने के लिए सामूहिक रूप से जवाबदेह होंगे।

दुनिया भर के स्थानीय कारीगरों, संगठनों और संस्थानों ने इस महामारी से उत्पन्न चुनौतियों का बखूबी सामना किया है। कई लोगों के लिए, महामारी ने डिजिटल माध्यम में संक्रमण को तेज कर दिया; आत्म-संरक्षण का कार्य अक्सर नवाचार की ओर ले जाता है। इंटरनेट ने कलाकारों और संस्थानों को विभिन्न तरीकों से एक दूसरे के साथ संवाद करने के अभूतपूर्व अवसर प्रदान किए, जिसके परिणामस्वरूप कला के लिए नई साझेदारी और चैनल बने। मनोरंजन, शिक्षा और भागीदारी के मामले में एक डिजिटल प्लेटफॉर्म क्या प्रदान कर सकता है, हमने केवल सतह को खरोंच दिया है। डिजिटल मीडिया की बदौलत भौगोलिक सीमाएं भले ही गायब हो गई हों, लेकिन यह इसकी कमियों के बिना नहीं है- वैश्विक प्रतिद्वंद्विता, कम ध्यान अवधि और डिजिटल थकावट।

महामारी ने न केवल कला क्षेत्र के भीतर संबंधों को मजबूत किया है, बल्कि दुनिया भर में समन्वय में भी सुधार किया है। आभासी सहयोग और एक दूसरे का समर्थन, न केवल घरेलू बल्कि दुनिया भर में, मजबूत जड़ों को बनाए रखने और विकसित करने का तरीका है। जब भौतिक यात्रा सीमित हो तो आभासी सहयोग व्यक्तियों को दुनिया में जुड़े रहने में मदद करने की दिशा में एक लंबा रास्ता तय करेगा।

(लेखक कच्छ के स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए शिल्प उत्पादों के लिए एक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म कच्छी बाजार के सह-संस्थापक हैं।

नडाल रिकार्ड 21वें खिताब से एक जीत दूर

आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस

●मेदवेदेव से होगा खिताबी मुकाबला

एपी। मेलबर्न

रफेल नडाल अब रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच को पछाड़कर पुरुष टेनिस में रिकॉर्ड 21वें एकल ग्रैंडस्लैम खिताब से महज एक जीत दूर हैं। स्पेन के 35 वर्ष के इस धुरंधर ने इटली के माटियो बेरेत्तिनी को 6-3, 6-2, 3-6, 6-3 से हराकर छठी बार आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के फाइनल में प्रवेश किया, जहां उनका सामना दूसरी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव से होगा।

यूएस ओपन चैंपियन मेदवेदेव ने एक अन्य सेमीफाइनल में स्टेफनोस सिटसिपास को 7-6 (5), 4-6, 6-4, 6-1 से पराजित किया। मेदवेदेव ओपन युग में पहले ऐसे खिलाड़ी बनने की कवायद में हैं जिन्होंने अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने के बाद अगले ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में भी जीत दर्ज की। अब तक सिर्फ एक बार 2009 में आस्ट्रेलियाई ओपन जीत सके नडाल ने पहले दोनों सेटों में दबदबा बनाए रखा और इतालवी प्रतिद्वंद्वी को कोर्ट के चारों ओर दौड़ाया। दूसरे सेट में उन्होंने 4-0 की बढत बना ली।

जीत के बाद भावुक नडाल

सातवीं वरीयता प्राप्त बेरेत्तिनी 11 प्रयासों में सिर्फ एक बार अपनी दूसरी सर्विस पर अंक बना सके। भारी बारिश के कारण रॉड लेवर एरेना की छत बंद कर दी गई जिससे भीतर काफी उमस हो गई थी। ऐसे में गेंद भारी और सपाट हो गई थी। पहले दो सेट में सभी लंबी रेलियां छठी वरीयता प्राप्त स्पेनिश धुरंधर नडाल के पक्ष में गई। तीसरे सेट में बेरेत्तिनी ने वापसी की और आठवें गेम में तीन ब्रेक प्वाइंट बनाकर दूसरे को भुनाया और 5-3 की बढत बना ली। उन्होंने अगले गेम में सर्विस बरकरार रखते हुए लगातार चार अंकों के साथ मैच को चौथे सेट में खिंचा।

फ्रांस की क्रिस्टीना म्लादेनोविच और क्रोएशिया के इवान डोडिच ने आस्ट्रेलिया के जैमी फोरलिस और जासन कुबलेर को हराकर मिश्रित युगल का खिताब जीता

चौथे सेट के आठवें गेम में नडाल ने उनकी सर्विस फिर तोड़ी और मैच अपने नाम कर लिया। क्वार्टर फाइनल में दो सेट से पिछड़ने और मैच प्वाइंट बचाने वाले रूसी खिलाड़ी मेदवेदेव के लिए दो दिन बाद सिटसिपास के खिलाफ मैच भी भावनात्मक रहा। उन्होंने दूसरे सेट में सर्विस गंवाने के बाद चेयर अंपायर पर अपनी नाराजगी भी जताई। उन्होंने मांग की थी कि सिटसिपास को दर्शकों के बीच बैठे उनके पिता कोचिंग दे रहे हैं और इसके लिए यूनानी खिलाड़ी को चेतावनी दी जानी चाहिए।

मेदवेदेव यह सेट हार गए। उन्होंने पांच मिनट का विश्राम लिया और अधिक जज्बे के साथ कोर्ट पर उतरे। उन्होंने तीसरे सेट के आखिर में ब्रेक प्वाइंट लिया और फिर अगले सेट में लगातार पांच अंक बनाकर जीत दर्ज की।

आईसीसी ने ब्रेंडन टेलर पर साढ़े तीन साल का प्रतिबंध लगाया

●स्पॉट फिक्सिंग की पेशकश की रिपोर्ट सही समय पर नहीं करने पर आईसीसी ने की कार्रवाई

भाषा। दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान ब्रैंडन टेलर पर 2019 में भारतीय व्यवसाई द्वारा स्पॉट फिक्सिंग की पेशकश की रिपोर्ट समय पर नहीं करने के लिए शुक्रवार को साढ़े तीन साल का प्रतिबंध लगाया। आईसीसी ने इसके साथ ही टेलर को इसी प्रकरण के दौरान कोकीन लेने के कारण डोप परीक्षण में विफल रहने के लिए एक महीने के लिए निलंबित किया है। विश्व संस्था ने अपने बयान में कहा कि टेलर ने स्वीकार किया है कि उन्होंने आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के प्रावधानों को उल्लंघन किया।

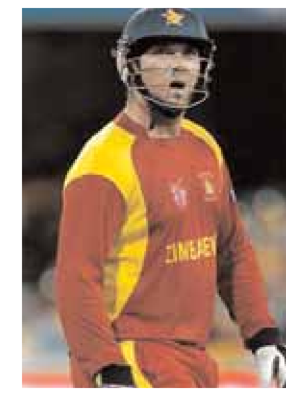

आईसीसी ने कहा कि जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान ब्रैंडन टेलर को आईसीसी भ्रष्टाचार रोधी संहिता के प्रावधानों का उल्लंघन करने के चार आरोपों और आईसीसी डोपिंग रोधी संहिता के एक आरोप को स्वीकार करने के बाद साढ़े तीन साल के लिए सभी तरह की क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया गया है। टेलर ने 24 जनवरी को खुलासा किया था कि एक भारतीय व्यवसाई के साथ बैठक के दौरान मूर्खतापूर्वक कोकीन लेने के बाद उन्हें ब्लैकमेल किया गया था। टेलर ने कहा था कि उन्हें भारतीय व्यवसाई द्वारा 2019 में भ्रष्ट पेशकश की रिपोर्ट समय पर नहीं करने के कारण कई साल का प्रतिबंध झेलना पड़ सकता है।

टेलर ने दावा किया था कि भारतीय व्यवसाई ने उन्हें भारत में प्रायोजक दिलाने और जिम्बाब्वे में एक टी-20 टूर्नामेंट की संभावित योजना पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने व्यवासाई के नाम का खुलासा किए बिना कहा था कि उन्हें अक्टूबर, 2019 में 15,000 डॉलर की पेशकश की गई थी। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल संन्यास लेने से पहले 205 एकदिवसीय, 34 टेस्ट और 45 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। उन्हें बेंजोइलकोगनाइन के सेवन का दोषी पाया गया था जिसकी वजह कोकीन का सेवन होता है। आईसीसी ने कहा कि आईसीसी भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के तहत साढ़े तीन साल के प्रतिबंध के साथ ही एक महीने का निलंबन चलेगा। टेलर 28 जुलाई 2025 के बाद खेल से जुड़ी गतिविधियों में शामिल होने के लिए स्वतंत्र होंगे।

भारत ने चीन को हराकर कांस्य जीता

महिला एशिया कप हॉकी

भाषा। मस्कट

पिछली बार की चैम्पियन भारतीय टीम ने चीन को 2-0 गोल से हराकर महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में तीसरे स्थान से संतोष किया। भारतीय खिलाड़ियों ने कोरिया से सेमीफाइनल में मिली निराशा को पीछे छोड़ते हुए पहले दो क्वार्टर में नियंत्रण बनाए रखा और इसी दौरान दो गोल कर दिए जिससे मध्यांतर तक उसने चीन पर 2-0 गोल तक की बढ़त बना ली थी। हालांकि दूसरे हाफ में टीम कोई गोल नहीं कर सकी। भारतीय खिलाड़ियों ने अच्छी शुरूआत की और दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए जिसमें से एक में शर्मिला देवी ने 13वें मिनट में अपनी टीम को बढ़त दिला दी। गुरजीत कौर के फ्लिक को चीन की रक्षात्मक

भारत और चीन के बीच खेले गए मैच का एक दृश्य

पंक्ति ने रोक दिया और इसके रिबाउंड पर शर्मिला ने गोल दाग दिया। भारत ने दूसरे क्वार्टर में भी इसी लय में खेलना जारी रखा। भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार सेंध लगाकर चीन की रक्षात्मक पंक्ति पर दबाव बनाए रखा और फिर 19वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। गुरजीत ने शानदार ड्रैग फ्लिक से इसे गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया। चीन ने भी जवाब देते हुए एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन भारतीय कप्तान और गोलकीपर सविता पूनिया ने इसे शानदार तरीके से नाकाम कर दिया। दो गोल से पिछड़ने के बाद चीन की टीम छोर बदलने के बाद काफी आक्रामक हो गई और उसने भारतीय रक्षात्मक पंक्ति पर दबाव बनाने का प्रयास किया लेकिन वे सफल नहीं हो सकीं। चौथे और अंतिम क्वार्टर में भारतीयों ने दबाव तो बना लिया था, पर वे कोई भी सटीक मौका ढूंढने में सफल नहीं हो सकीं।

रोहित की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट सुरक्षित : सैमी

●कोहली मैदान में अपने प्रदर्शन से शानदार रहा

भाषा। मस्कट

वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान डेरेन सैमी को लगता है कि रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट सुरक्षित हाथों में है और उन्होंने टीम के साथी खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ निकालने की काबिलियत के मामले में भारत के इस सीनियर बल्लेबाज को महान क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के बराबर ही रखा।

पांच बार इंडियन प्रीमियर लीग का खिताब जीतने वाली टीम के कप्तान रोहित अब फिट हो चुके हैं और छह फरवरी से अहमदाबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रही

आगामी तीन वनडे और तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला में भारत की सीमित ओवरों की टीम की जिम्मेदारी उठाएंगे। बीसीसीआई ने विराट कोहली को वनडे कप्तानी से हटा दिया था जिसके बाद रोहित को कप्तान बनाया गया। सैमी ने यहां लीजेंड्स लीग क्रिकेट के मौके पर कहा कि कोहली मैदान पर अपने प्रदर्शन में शानदार रहा है। मुझे नहीं लगता कि इससे टीम प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि रोहित मुंबई इंडियंस के साथ शानदार कप्तान रहा है, जो काफी प्रेरणादाई कप्तान है। मैंने आईपीएल में उसे मुंबई की कप्तानी करते हुए देखा है। वह जीत दर्ज करने वाले कप्तानों जैसे एमएस धोनी, गौतम गंभीर के साथ शामिल है। 38 साल के इस खिलाड़ी ने कहा कि सभी खिलाड़ी अपनी टीम के साथियों से अच्छा प्रदर्शन करा सकते हैं। कप्तान नतीजे के साथ ट्राफियां भी जीतते हैं। मैं भारतीय क्रिकेट के बारे में चिंतित नहीं हूं। यह सुरक्षित हाथों में है। सैमी ने 2021 में चेन्नई सुपर किंग्स को चौथा आईपीएल खिताब जीतने वाले कप्तान धोनी का उदाहरण देते हुए कहा कि धोनी जैसे खिलाड़ी को देखिए। उसने पूरे सत्र में ज्यादा अच्छा नहीं किया लेकिन टीम को जब प्लेऑफ में उसकी जरूरत थी तो उसने धमाल कर दिया। धोनी ने पिछले सत्र के सेमीफाइनल में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अंतिम ओवर में तीन चौके लगाकर छह गेंद में नाबाद 18 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाई। आगामी श्रृंखला के बारे में बात करते हुए सैमी ने कहा कि भारत के लिए कीरोन पोलार्ड की अगुआई वाली टीम के खिलाफ चीजें आसान नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि पोलार्ड की टीम को इसका फायदा उठाना चाहिए। वेस्टइंडीज ने आयरलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 1-2 से मिली हार के बाद वापसी करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय घरेलू श्रृंखला में 2-1 से बढ़त बना ली है।

क्वार्टरफाइनल में भारत व बांग्लादेश आमने-सामने

अंडर-19 विश्व कप

भाषा। ओसबोर्न (एंटीगा)

कोविड-19 संक्रमण से प्रभावित भारतीय टीम कप्तान यश धुल सहित अपने महत्वपूर्ण खिलाड़ियों की वापसी से मजबूत होगी और रिकॉर्ड चार बार की चैम्पियन टीम का इरादा शनिवार को अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप के तीसरे क्वार्टरफाइनल में गत चैम्पियन बांग्लादेश के खिलाफ जीत से अगले दौर में पहुंचने का होगा।

भारतीय टीम के आधा दर्जन खिलाड़ी कोरोना वायरस की चपेट में आ गए थे जिसमें से ज्यादातर संक्रमण से उबर चुके हैं और इस महत्वपूर्ण मुकाबले में खेलने के लिए तैयार हैं।

हालांकि धुल की अनुपस्थिति में टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने वाले निशांत सिंधू पॉजिटिव आए हैं और वह मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। टीम में उनकी जगह अनीश्वर गौतम लेंगे। छह खिलाड़ी - कप्तान धुल, उप कप्तान शेख रशीद, सिद्धार्थ यादव, अराध्य यादव, वासु वत्स और मानव पारिख - आयरलैंड के मैच से पहले आरटी पीसीआर जांच में पॉजिटिव आए थे। सभी शनिवार को मैच के लिए उपलब्ध होंगे। धुल और अन्य संक्रमित खिलाड़ी त्रिनिदाद में सात दिन के पृथकवास के बाद शुक्रवार की सुबह एंटीगा पहुंच गए।

यह खिलाड़ी आयरलैंड के खिलाफ भारत के दूसरे लीग मैच से पहले पृथकवास में चले गए थे जिससे चार बार की चैम्पियन टीम को बड़ा झटका लगा था।

टूर्नामेंट के 2020 चरण के फाइनल में भी बांग्लादेश का सामना भारत से हुआ था, जिसमें उसने प्रबल दावेदार को हराकर उलटफेर करते हुए पहला खिताब जीता था। बांग्लादेश के कप्तान रकीबुल हसन उस यादगार फाइनल का हिस्सा थे।

बांग्लादेश का नॉकआउट तक का सफर भारत जितना आसान नहीं रहा। इंग्लैंड ने उन्हें पहले मैच में हरा दिया था लेकिन उसने कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात पर जीत के बाद क्वार्टरफाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

कनाडा के नौ खिलाड़ी कोविड पॉजिटिव, दो प्लेट मैच रद्द

टारूबा (त्रिनिदाद)। कनाडा के नौ खिलाड़ियों के कोविड-19 जांच में पॉजिटिव आने के बाद टीम के प्लेट स्पर्धा के दो मैच शुक्रवार को रद्द कर दिए गए। कनाडा का स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच रद्द किया गया जबकि दूसरा मैच युगांडा और पीएनजी के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होना था।

मैच यहां ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में शनिवार और रविवार को होने थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक बयान में कहा कि खिलाड़ियों को अब पृथकवास में रखा जाएगा जहां उनके स्वास्थ्य पर निगरानी रखी जाएगी।

अफगानिस्तान सेमीफाइनल में, इंग्लैंड से होगी भिड़ंत

कूलिज (एंटीगा)। अफगानिस्तान ने श्रीलंका को चार रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली जहां उसका सामना इंग्लैंड से होगा। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी के लिए भेजी गई अफगानिस्तान टीम 134 रन पर आउट हो गई। इसके बाद उसके गेंदबाजों ने हालांकि शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत की इबारत लिखी और श्रीलंका को 46 ओवर में 130 रन पर आउट कर दिया। श्रीलंका के कप्तान दुनिथ वेल्लालागे ने 61 गेंद में 34 रन बनाए और लग रहा था कि वे टीम को जीत तक ले जाएंगे लेकिन ऐसा हुआ नहीं। अब सेमीफाइनल में एक फरवरी को अफगानिस्तान का सामना इंग्लैंड से होगा। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाजों नांगेयालिया खरोटे और बिलाल सैयदी ने अच्छी शुरूआत की लेकिन ट्राविन मैथ्यू ने सैयदी को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। अगले ओवर में खरोटे भी अपना विकेट गंवा बैठे।

मोंटेनेग्रो में जाकोविच को सम्मानित किया गया

बुदवा (मोंटेनेग्रो)। टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच को शुक्रवार को मोंटेनेगो में एक छोटे एड्रियाटिक सी रिजॉर्ट में सम्मानित किया गया। हालांकि उनके उस कोविड-19 पॉजिटिव परीक्षण को लेकर फिर से संदेह उठने लगा है जिसका इस्तेमाल उन्होंने आस्ट्रेलियाई ओपन में हिस्सा लेने की कोशिश के लिए किया था। बीबीसी ने शुक्रवार को सर्बियाई अधिकारियों द्वारा जोकोविच के आस्ट्रेलिया जाने से पहले मुहैया कराए गए परीक्षण के सीरियल नंबर में विसंगतियों की खबर दी है जिससे जांच रिपोर्ट जारी करने के तरीके में कुछ अनियमितताओं की आशंका हो सकती है। जोकोविच की मीडिया टीम और सर्बिया में इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ ने एसोसिएटेड प्रेस द्वारा मांगी गई टिप्पणी के अनुरोध पर तुरंत कोई जवाब नहीं दिया है। पर सर्बिया के सीनियर स्वास्थ्य अधिकारी ने पहले कहा था कि जोकोविच की जांच वैध थी और संबंधित संस्थान द्वारा जारी की गई थी।

रणजी ट्रॉफी की उपेक्षा करने पर रीढहीन हो जाएगा भारतीय क्रिकेट : रवि शास्त्री

भाषा। नई दिल्ली

पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने शुक्रवार को कहा कि रणजी ट्रॉफी की उपेक्षा करने पर भारतीय क्रिकेट रीढहीन हो जाएगा। शास्त्री ने यह बयान रणजी ट्रॉफी अगले महीने से दो चरण में कराने की बीसीसीआई की घोषणा से कुछ समय पहले ही दिया।

रणजी ट्रॉफी 13 जनवरी से खेली जानी थी लेकिन कोरोना महामारी की तीसरी लहर के कारण इसे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। शास्त्री ने ट्वीट किया कि रणजी ट्रॉफी भारतीय क्रिकेट की रीढ है। इसकी उपेक्षा करने पर आप रीढहीन हो जाएंगे।

शास्त्री के ट्वीट के एक घंटे बाद ही बीसीसीआई सचिव जय शाह ने एक बयान में टूर्नामेंट के दो चरण में आयोजन की पुष्टि की। शाह ने एक बयान में कहा कि बोर्ड ने रणजी ट्रॉफी

का आयोजन दो चरण में करने का फैसला किया है। पहले चरण में लीग स्तर के मैच होंगे और नॉकआउट जून में खेले जाएंगे। समझा जाता है कि 38 टीमों का टूर्नामेंट फरवरी के दूसरे सप्ताह से शुरू होकर एक महीने तक चलेगा। बीसीसीआई कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने बृहस्पतिवार को बोर्ड की बैठक के बाद कहा था कि बोर्ड दो चरण में रणजी ट्रॉफी का आयोजन कर सकता है। इसकी वजह यह है कि 27 मार्च से आईपीएल शुरू हो रहा है और ऐसे में एक बार में रणजी ट्रॉफी करा पाना संभव नहीं है।

दो चरण में खेली जाएगी रणजी ट्रॉफी : बीसीसीआई

नई दिल्ली। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने शुक्रवार को कहा कि स्थगित की गई रणजी ट्रॉफी अगले महीने से दो चरण में खेली जाएगी। पिछले साल कोरोना महामारी के कारण टूर्नामेंट का आयोजन नहीं किया गया था। समझा जाता है कि 38 टीमों का यह टूर्नामेंट फरवरी के दूसरे सप्ताह में शुरू होगा और पहला चरण एक महीने तक चलेगा।

पहले इसका आयोजन 13 जनवरी से होना था लेकिन कोरोना महामारी की तीसरी लहर के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।

शाह ने एक बयान में कहा कि बोर्ड ने रणजी ट्रॉफी का आयोजन दो चरण में करने का फैसला किया है। पहले चरण में लीग स्तर के मैच होंगे और नॉकआउट जून में खेले जाएंगे।

महिला विश्व कप के कार्यक्रम में कोई फेरबदल नहीं होगा: आईसीसी

भाषा। दुबई

आईसीसी महिला वनडे विश्व कप की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आंद्रिया नेल्सन ने शुक्रवार को कहा कि मेजबान देश न्यूजीलैंड में हाल में कोविड-19 के वैरिएंट ओमिक्रोन के फैलने के बावजूद टूर्नामेंट के कार्यक्रम या स्थलों की संख्या में कोई बदलाव नहीं होगा। महिला विश्व कप का आयोजन चार मार्च से न्यूजीलैंड में कराया जाना है जिसमें टूर्नामेंट के शुरूआती मैच में मेजबान का सामना वेस्टइंडीज से होगा। नेल्सन ने कहा कि हम यहां पिछले कुछ समय से 2022 में विश्व कप की मेजबानी की तैयारी कर रहे हैं जिसे पहले 2021 में कराया जाना था। हम निर्धारित समय के अनुसार ही चल रहे हैं और तौरंगा में शुरूआती मैच से 35 दिन और क्राइस्टचर्च में

हेगले ओवल में फाइनल से 66 दिन दूर हैं। उन्होंने शुक्रवार की सुबह चुनिंदा पत्रकारों के ग्रुप से कहा, पहली बात तो टूर्नामेंट का कार्यक्रम वही है और जिसमें न्यूजीलैंड में कई स्थल पर मैच खेले जाने हैं। उन्होंने कहा कि हम जैव सुरक्षित माहौल के बारे में आईसीसी के साथ काम कर रहे हैं, लेकिन टूर्नामेंट पूरे देश में ही आयोजित किया जाएगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कोविड-19 संक्रमण के जोखिम को कम करने के लिए कुछ पुरुष और महिला टूर्नामेंट में कुछ बदलाव की घोषणा की थी ताकि टीमों को ज्यादा यात्रा नहीं करनी पड़ें पर महिला विश्व कप के लिए कोई बदलाव नहीं किया जाएगा जिसके मैच छह स्थल तौरंगा, डुनेडिन, हैमिल्टन, वेलिंगटन, ऑकलैंड और क्राइस्टचर्च में ही खेले जाएंगे।

चीमा के गोल से जमशेदपुर ने एफसी गोवा को हराया

बामबोलिम। नाईजीरियाई स्ट्राइकर डेनियल चीमा चुकवु के दूसरे हाफ के शुरू में किए गए गोल की मदद से जमशेदपुर एफसी ने शुक्रवार को यहां एफसी गोवा को 1-0 से हराकर इंडियन सुपर लीग में दूसरा स्थान हासिल कर लिया।चीमा ने यह महत्वपूर्ण गोल 49वें मिनट में किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।

इराक को हराकर ईरान ने विश्व कप में जगह बनाई

एपी। तेहरान

मेहदी तारेमी के गोल की मदद से ईरान ने इराक को एशिया क्षेत्र ग्रुप ए के मैच में 1-0 गोल से हराकर लगातार तीसरी बार विश्व कप फुटबाल में जगह बना ली। एफसी पोर्तो के स्ट्राइकर तारेमी ने मैच का एकमात्र गोल 48वें मिनट में दागा। उन्होंने मिडफील्डर अली रजा जहांबख्श के पास पर गोल किया। ईरान ने छठी बार विश्व कप में जगह पक्की की है। कोरोना संक्रमण के बढते मामलों के बावजूद सरकार ने एक लाख की क्षमता वाले स्टेडियम में एक दर्शकों को प्रवेश की अनुमति दी थी, जिनमें दो हजार से अधिक महिलाएं थी। फीफा लंबे समय से ईरान से यह आश्वासन मांगता आया है कि महिलाओं को 2022 विश्व कप फुटबॉल के क्वालीफायर देखने की अनुमति मिलेगी।

किरण उलटफेर कर ओडिसा ओपन के सेमीफाइनल में

भाषा। कटक

किरण जॉर्ज ने शुक्रवार को यहां तीसरे वरीय शुभंकर डे को हराकर उलटफेर करते हुए ओडिशा ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरूष एकल सेमीफाइनल में प्रवेश किया जबकि फॉर्म में चल रही शटलर मालविका बंसोड़ भी महिला स्पर्धा के अंतिम चार में पहुंच गईं।

गैर वरीयता प्राप्त जॉर्ज ने अपने से ऊंची रैंकिंग वाले शुभंकर को 21-16, 10-21, 21-19 से हराया। शुभंकर पुरूष एकल स्पर्धा में अंतिम वरीय खिलाड़ी बचे थे।

अब 21 साल के जॉर्ज का सामना अंसल यादव और थारून मानेपल्ली के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल के विजेता से होगा। सैयद मोदी इंटरनेशनल के फाइनल में पहुंचकर पीवी सिंधू से हारने वाली मालविका ने प्रभावित करना जारी रखा, उन्होंने 58 मिनट तक चले क्वार्टरफाइनल में साथी भारतीय तान्या हेमंत पर 21-13 16-21 21-17 से जीत हासिल की। मालविका ने इस महीने के शुरू में इंडिया ओपन में अपनी आदर्श साइना नेहवाल को हराया था।

अब मालविका का सामना सेमीफाइनल में उन्नति हुड्डा से होगा। पांचवीं वरीय अश्मिता चालिहा ने रूचा सावंत को 21-17, 21-15 से हराकर महिला एकल के अंतिम चार में स्थान पक्का किया जिसमें वह हमवतन स्मित तोशिनवाल से भिड़ेंगी जिन्होंने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अमेरिका की इशिका जयसवाल को 8-21, 21-9, 21-14 से हराया था।

एक अन्य महिला एकल क्वार्टरफाइनल में उन्नति हुड्डा ने साथी भारतीय सामिया इमाद फारूखी को 26 मिनट में 21-10, 21-15 से हराया।

मुल्तान ने कराची को हराकर धमाकेदार शुरुआत की

पीएसएल

एपी। कराची

गत चैम्पियन मुल्तान सुल्तांस ने पाकिस्तान सुपर लीग टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले मैच में कराची किंग्स को सात विकेट से हरा दिया। लीग की शुरूआत पर हालांकि कोरोना का साया पड़ गया है चूंकि कई खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य पॉजिटिव पाए जाने के बाद पृथकवास में हैं।

मोहम्मद रिजवान के 47 गेंद में नाबाद 52 रन की मदद से मुल्तान ने दस गेंद बाकी रहते तीन विकेट पर 126 रन बनाकर जीत दर्ज की। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के लेग स्पिनर इमरान ताहिर ने 16 रन देकर तीन विकेट चटकाए जिसकी वजह से कराची पांच विकेट पर 124 रन ही बना सकी। कोरोना संक्रमण की वजह से पेशावर जाल्मी के वहाब रियाज और कामरान अकमल जबकि कराची के इमाद वसीम पृथकवास में हैं। स्टार हरफनमौला शाहिद अफरीदी गुरूवार को पॉजिटिव पाए गए और क्वेटा ग्लैडिएटर्स के लिए पहले चार मैच नहीं खेल सकेंगे।

कराची के प्रमुख तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर भी बाजू में खिंचाव के कारण पहले मैच से बाहर थे। पहली बार कराची की कप्तानी कर रहे बाबर आजम और शरजील खान लय नहीं बना सके।

मुल्तान के लिए डेविड विली और शाहनवाज दहानी ने शुरूआत में काफी किफायती गेंदबाजी की। इसके बाद ताहिर ने मध्यक्रम की बखिया उधेड़ डाली।

शरजील ने 43 और बाबर ने 29 गेंद में 23 रन बनाए। कराची के चारों विदेशी बल्लेबाज नाकाम रहे।